@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

क़ौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार 08 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 238 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी का ब्रिक्स मंच से आतंकवाद पर कड़ा संदेश: दोहरे मापदंड बर्दाश्त नहीं होंगे

-पहलगाम हमले का हवाला देकर पाकिस्तान पर सीधा निशाना

रियो डी जनेरियो (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिकस शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर जोरदार हमला बोला और दोहरे मापदंडों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर कोई देश आतंकवाद का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त संदेश देते हुए कहा, कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो अमानवीय और कायराना हमला हुआ, वह मानवता पर हमला था। ऐसी घटनाओं पर चुप्पी या समर्थन को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने ब्रिक्स के पीस एंड सिक्योरिटी एंड रिफॉर्म ऑफ ग्लोबल गवर्नेंस सत्र में कहा, दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने में हिचक नहीं होनी चाहिए। जो देश आतंकवाद को पनाह देते हैं, उन्हें अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

शांति नीति को भी रखा सामने

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की नीति स्पष्ट करते हुए कहा, कि भारत महात्मा गांधी और गौतम बुद्ध के सिद्धांतों से प्रेरित होकर शांति के मार्ग पर चलता रहेगा, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों।

ब्रिक्स ने की पहलगाम हमले की निंदा

ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों ने भी 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। हमले में 26 लोगों की मौत और कई घायल हुए थे। संयुक्त बयान में कहा गया, कि हम आतंकवाद के हर स्वरूप की निंदा करते हैं। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए और दोहरे मानदंडों को खारिज किया जाए। आतंकियों को पनाह देने और उन्हें फंडिंग देने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

ब्रिक्स मंच से पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि पाकिस्तान पर सीमापार आतंकवाद को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर यह रुख दर्शाता है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहमति बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संयुक्त बयान में भारत के दृष्टिकोण को समर्थन मिलने से उसकी कूटनीतिक सफलता भी मानी जा रही है।

इतने बड़े बॉस हो तो आओ बिहार-यूपी, तुमको पटक पटक..., मराठी भाषा विवाद में बीजेपी सांसद ने दी खुलमखुल्ला चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महाराष्ट्र में हिंदी भाषी लोगों पर हाल ही में हुए हिंसक हमलों के लिए महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे और उनके चचेरे भाई तथा शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर सोमवार को तीखा हमला बोला और उन्हें चुनौती दी कि वे उत्तर प्रदेश, बिहार या तमिलनाडु में जाकर वहां भी ऐसा करने की कोशिश करें। ठाकरे बंधुओं द्वारा महाराष्ट्र में काम करने वाले उत्तर भारतीय लोगों के खिलाफ किए गए हमले का जिक्र करते हुए दुबे ने कहा कि आप उत्तर प्रदेश, बिहार या तमिलनाडु में आ जाइए। लोग आपको पटक–पटक कर मारेंगे। एएनआई से बात करते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि आप लोग हमारे पैसे से जी रहे हैं। आपके पास किस तरह के उद्योग हैं? अगर आप इतने साहसी हैं और हिंदी बोलने वालों को पीटते हैं, तो आपको उर्दू, तमिल और तेलुगु बोलने वालों को भी पीटना चाहिए। अगर आप इतने बड़े 'बॉस' हैं, तो महाराष्ट्र से बाहर आएँ, बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु में आएँ – 'तुमको पटक पटक के मारेंगे'। उन्होंने कहा कि हम सभी मराठी और महाराष्ट्र के लोगों का सम्मान करते हैं, जिन्होंने भारत की आज़ादी के लिए लड़ाई लड़ी।

भगवान जगन्नाथ को पहनाए गए 208 किलो के स्वर्णाभूषण

पुरी (एजेंसी)। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को आज रथयात्रा के विशेष अवसर पर 208 किलो वजन के स्वर्णाभूषणों से श्रृंगारित किया गया। इस दिव्य आयोजन को 'सुनाबेश' कहा जाता है, जो रथयात्रा के दौरान आषाढ़ शुक्ल एकादशी को होता है। श्रद्धालु शाम 6ः30 बजे से रात 11 बजे तक इस अलौकिक दर्शन का लाभ उठा सकेंगे। यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व का है, बल्कि भव्यता और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक भी माना जाता है। जानकारी अनुसार सुनाबेश की परंपरा की शुरुआत सन् 1460 में राजा कपिलेंद्र देव के काल में हुई थी। ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, उन्होंने दक्षिण भारत के युद्धों में विजयी होकर 16 बैलगाड़ियों में सोने के आभूषण लाकर भगवान को अर्पित किए थे। उसी समय से यह भव्य श्रृंगार परंपरा में शामिल हो गया। पुरी का श्री जगन्नाथ मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि यहां वैभवशाली संपदा भी है। ओडिशा के 24 जिलों में इसकी 60,426 एकड़ भूमि है, वहीं पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी करीब 395 एकड़ भूमि मौजूद है।

शेयर सूचकांकों में हेराफेरी पर राहुल गांधी का हमला, कहा... अमीरों को और अमीर बना रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर सूचकांकों में कथित रूप से हेराफेरी करने के मामले में सेबी की कार्रवाई के बाद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने का कि शेयर बाजार में बड़े खिलाड़ी हेरफेर कर रहे हैं और सरकार चुप्पी साधे है। इससे साफ है कि सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है। जबकि आम निवेशकों को बर्बादी के कगार पर धकेल रही है। बता दें कि सेबी ने हाल ही में अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट समूह पर हेराफेरी मामले में प्रतिबंध लगाया है।

गैंगस्टरों के निशाने पर सिंगर-एक्टर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में एक्ट्रेस तानिया कंबोज के पिता डॉ. अनिल जीत सिंह पर 4 जुलाई को उनके ही क्लीनिक में गोलियां मारी गईं। यह पहला मामला नहीं है कि किसी पंजाबी सिंगर, एक्टर या उसके परिवार को टारगेट किया गया है। 2018 में सिंगर और एक्टर परमीश वर्मा पर भी हमला हुआ था। उन्हें मोहाली में गोली मारी गई थी। इसी तरह बब्बू मान, करण औजला और गिप्पी ग्रेवाल जैसे सिंगरों को गैंगस्टरों की तरफ से धमकियां मिल चुकी हैं। 28 मई 2022 को सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या तक कर दी गई। हत्या का आरोप लॉरेंस गैंग पर है। अभी तक 10 से अधिक ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें पंजाबी म्यूजिक और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को सोशल मीडिया और फोन पर फिरौती की धमकियां मिली हैं या फिर उन पर हमले कराए गए हैं।

डीआरडीओ के सम्मलेन में बोले रक्षा मंत्री सिंह, इतना बड़ा रक्षा बाजार हमारा इंतजार कर रहा

हमारा रक्षा बजट कई देशों की सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि अगर आप हमारे रक्षा बजट का असर की गणना करे तब यह दुनिया के कुछ देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा है। जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित होता है, तब हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। हमें प्रभावी विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा रक्षा व्यय ऐसा होना चाहिए कि न केवल बजट बढ़े, बल्कि हम इसका सही तरीके से उपयोग भी कर सकें, सही समय पर सही उद्देश्य के लिए उचित तैनाती के ज़रिए।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जेएम पोर्टल से पूंजीगत खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। मुझे बताया गया है कि विभाग रक्षा कर्मियों के लिए व्यापक वेतन प्रणाली और केंद्रीकृत डेटाबेस प्रबंधन पर काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो पराक्रम दिखाया है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की ताकत दिखाई है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, इतना बड़ा रक्षा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि हमारे विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर हिसाब-किताब रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के सुरक्षा ढांचे का एक अहम हिस्सा है। जब आप अपना काम ईमानदारी और क्षमता के साथ करते हैं, तब उसका असर सीमा पर तैनात जवानों तक होता है। उन्हें भरोसा होता है, कि उनके पीछे एक मजबूत व्यवस्था है, जो हर परिस्थिति में उनका साथ देगी। उन्होंने कहा कि रक्षा लेखा विभाग का नया आदर्श वाक्य ही अपने आप में बहुत कुछ कह देता है। अब इस संस्थान का

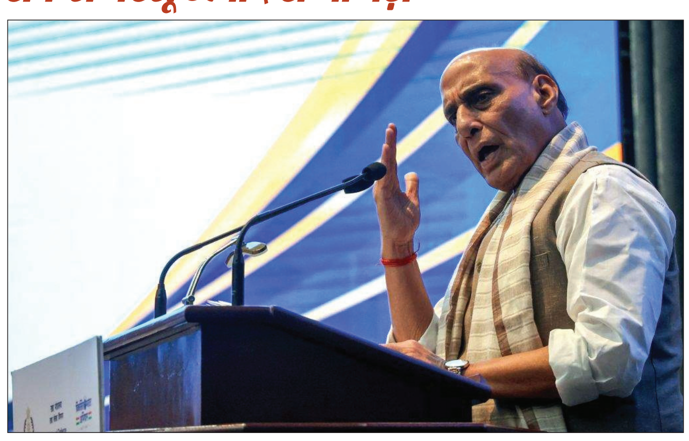

आदर्श वाक्य- सतर्क, चुस्त, अनुकूल है। ये शब्द अपने आप में आपके कार्य संस्कृति का सार है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी संगठन में, परिवर्तनकारी सुधार लाने के दो तरीके होते हैं। कई बार हम देखते हैं, कि कई संगठन, बाहरी रिपोर्ट के माध्यम से इस कार्य को करते हैं। जिसमें कई बार परामर्शदाता कंपनियाँ की भी मदद ली जाती है। कई बार कुछ सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है। यह एक अच्छी बात है, इससे कई बार कुछ नए ताज़ा विचार इन संस्थानों में आते हैं, और इनकी उत्पादकता निश्चित रूप से बढ़ती है।

दलाई लामा को भारत रत्न देने की तैयारी के बीच, चीन ने किया उत्तराधिकारी चुनने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चुनने को लेकर चीन और भारत आमने सामने हैं। इधर भारत ने दलाई लामा को भारत रत्न देने की तैयारी शुरु की तो उधर चीन ने खुद ही दावा करते हुए कह दिया कि वो उत्तराधिकारी चुनेगा। भारत रत्न देने का अभियान जोर पकड़ रहा है। खबर है कि कई सांसदों ने इस पर सहमति जताई है और मांग को जल्द ही राष्ट्रपति को सौंपा जा सकता है। खास बात है कि यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब चीन लगातार खास रस्म के जरिए दलाई लामा के उत्तराधिकारी चुने जाने को लेकर प्रतिक्रिया दे रहा है। तिब्बत मामले में भारत के सर्वदलीय मंच में शामिल सांसदों ने दलाई लामा को भारत रत्न दिलाने की कवायद की है। रिपोर्ट के अनुसार, दावा किया जा रहा है कि इसके तहत 80 सांसदों के हस्ताक्षर भी हासिल कर लिए गए हैं। वहीं, फोरम के संयोजक भृतहरि महताब कई मौकों पर निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर चुके हैं। फोरम के पूर्व संयोजक और राज्यसभा सांसद सुजित कुमार ने कहा कि समूह दलाई लामा के लिए भारत रत्न की मांग कर रहा है।

राणा ने उगले कई राज, हमले से पहले मुंबई के कई स्थानों की रेकी की थी

-जैश और आईएसआई के बीच गहरे सांठ-गांठ का किया खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई हमले का साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा ने पूछताछ में सनसनीखेज खुलासे किए हैं। राणा ने खुलासा किया है कि उसके सहयोगी डेविड कोलमैन हेडली ने लश्कर-ए-तैयबा के साथ कई आतंकी प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लिया था, जो मुख्य रूप से एक जासूसी नेटवर्क के रूप में काम करता था। मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने राणा के बयान दर्ज किए हैं, जिसमें उसने स्वीकार किया कि उसने 2008 के हमले से पहले मुंबई के कई अहम स्थानों की रेकी की थी। राणा ने अपने इमिग्रेशन बिजनेस के जरिए हेडली को मुंबई में एक फर्जी ऑफिस खोलने में मदद की थी, जिसका इस्तेमाल हमले की साजिश रचने के लिए किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि राणा ने लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के बीच गहरे सांठगांठ की बात उजागर की है। एनआईए ने राणा को 18 दिन की हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू की है, जिसमें उसके और हेडली के बीच ईमेल, यात्रा रिकॉर्ड और अन्य सबूतों का विश्लेषण किया जा रहा है। राणा पर आपराधिक साजिश, हत्या, आतंकवादी कृत्य और जालसाजी जैसे गंभीर आरोप हैं।

एनआईए ने कहा कि राणा की पूछताछ से हमले के पीछे की व्यापक साजिश का खुलासा हो सकता है, जिसमें दिल्ली समेत अन्य शहरों को निशाना बनाने की योजना थी। पूर्व लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम ने कहा कि राणा का प्रत्यर्पण पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र की संलिप्तता को उजागर करने में अहम साबित होगा। यह भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है, जो 166 लोगों की जान लेने वाले इस हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की दिशा में एक कदम है।

बिहार में वोटर लिस्ट को लेकर सिब्बल ने दी दलील, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को राजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण अभियान को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। इसको लेकर कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई करने की मांग की थी। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग का यह फैसला न केवल समय के लिहाज से संवेदनशील है, बल्कि इसकी कानूनी वैधता भी शक के दायरे में है। कोर्ट ने पूछा कि बिहार में विधानसभा चुनाव कब होने वाले हैं, जिसके जवाब में कहा गया कि चुनाव इसी साल के अंत में होना है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 10 जुलाई तय की।

बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी आरजेडी, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एडीआर ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग का यह फैसला लाखों गरीब, महिला और प्रवासी मतदाताओं को वोटिंग प्रक्रिया से बाहर कर सकता है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह फैसला मनमाना और असंवैधानिक है, जिससे मताधिकार से वंचित होने का खतरा है।

विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया और चुनाव आयोग से मुलाकात कर इस फैसले को वापस लेने की मांग की। हालांकि आयोग ने उनकी मांगों को ठुकरा दिया था और कहा था कि पुनरीक्षण प्रक्रिया चुनावी पारदर्शिता के लिए जरूरी है। इस बीच वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर निर्वाचन आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है, जिनमें से कोई एक दस्तावेज बीएलओ को देना है।

किसान-जवान-संविधान सभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने कहा...

नीतीश-नायडू की टांगों पर चल रहे मोदी

रायपुर (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रायपुर के साइंस कॉलेज में आयोजित किसान-जवान-संविधान सभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, रायपुर में मेरी अध्यक्षता में महाधिवेशन हुआ था, जब भूपेश बघेल सीएम थे। रायपुर से सामाजिक न्याय का जो नारा बुलंद हुआ उसने 2024 में मोदी सरकार के अहंकार को तोड़ दिया। बीजेपी ऐसे हालात में है कि खुद की सरकार भी नहीं बना सकी। मोदीजी सिर्फ दो टांग लेकर चल रहे हैं, एक टांग नीतीश बाबू और एक टांग टीडीपी है। एक ने भी लात मार दी तो मोदीजी हार जाएंगे।

अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने सभा में पहुंचे लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतनी बारिश में आपका यहां आना यह बताता है कि आप

हमारे साथ हैं। आप सभी साथ हैं तो हमें कोई नहीं हरा सकता। खड़गे ने कहा, मोदी ने छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन को तबाह करने का काम किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लेकर उन्होंने कहा, शाह को यहां बार-बार क्यों आना, क्या उनका घर है या ससुराल है? यहां के मुख्यमंत्री को तो बैठो कहने पर बैठ जाते हैं, उठो बोलो तो उठ जाते हैं। इतना अपमान सह रहे हैं, लेकिन पद नहीं छोड़ रहे।

झूठों के सरदार हैं भाजपा सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, भाजपा सरकार ने हमारे छत्तीसगढ़ के जवानों और किसानों को धोखा दिया, क्योंकि ये झूठ बोलते हैं। ये लोग कैसे जीत जाते हैं समझ नहीं आता। ये इतना झूठ बोलते हैं इसीलिए मैं कहता हूं कि ये झूठों के सरदार हैं। ये लोग डबल इंजन की बात करते हैं, ये कैसा डबल इंजन हैं। एक छोटा और एक बड़ा है तो गाड़ी कैसे चलेगी। जो गुलामगिरी करते हैं वही लोग ये सब करते हैं। खड़गे ने कहा, भाजपा के लोग ऐसा क्या कर रहे हैं कि 2025-26 में इन्होंने 47 हजार करोड़ कर्ज लिया। हमारे जमाने में एक रुपए भी कर्ज बढ़ता था तो लोग रास्ते पर आते थे। कहां है वो लोग, अब क्यों नहीं आते। 11 सालों में जो काम इन्हें ठीक से करना था वो नहीं किया। अब फिर प्रदेश का कर्ज बढ़ा रहे।

स्पेस स्टेशन से शुभांशु शुक्ला ने परिजनों को दिखाया सूर्यादय का नाराज...घरवाले हुए रोमांचित

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से लखनऊ में रहने वाले अपने परिवार से सैटेलाइट के द्वारा बात की। स्पेस स्टेशन का सीन दिखाया। इस दौरान वहां हुए सूर्यादय को भी दिखाया। घरवालों से बात करते-करते वहां 20 मिनट में दोपहर भी हुई। बातचीत के दौरान उनके घरवाले काफी रोमांचित महसूस कर रहे थे।

घरवालों से बात करते-करते 20 मिनट में दोपहर हो गई

शुभांशु ने घरवालों को बताया कि शुरुआत के 3 दिन सिर में भारीपन और असहजता महसूस हुई। लेकिन, अब खुद को वहां के माहौल में ढाल चुके हैं। खुद को बांधकर कभी छत, तब कभी दीवार से चिपककर सोते हैं। सोते कहीं और हैं और जगते कहीं और हैं। जो टारगेट उन्हें मिला है, वह समय पर पूरा हो जाएगा।

वहीं शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने बताया कि करीब 15 मिनट तक हमारी वीडियो कॉल हुई। पूरा परिवार जुड़ा था। शुभांशु ने हमें अपने स्टेशन की लैब, सोने की जगह, काम करने की तकनीक और डाइनिंग सेटअप तक सब कुछ दिखाया। हमने पूछा कि आप सोते कैसे हो? इसपर शुभांशु ने बताया कि हम लोग खुद को बेल्ट से बांध लेते हैं, वर्ना फ्लोट करने लगते हैं। उन्होंने सूर्योदय का नजारा भी दिखाया, जो बेहद शानदार था। अपने मिशन की प्रगति, लैब में हो रहे रिसर्च और दैनिक गतिविधियों की जानकारी भी दी।

वहीं शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने बताया कि हम सभी बहुत भावुक हो गए, जब शुभांशु ने हमें वहां की दुनिया दिखाई। शुभांशु ने बताया कि कैसे शुरू में सिरदर्द हुआ, लेकिन अब सब ठीक है। स्लीपिंग बैग, खाने का तरीका, सूर्योदय और स्टेशन के हर हिस्से का परिचय करवाया। हमने पूछा कि वहां नींद कैसे आती है? तब उन्होंने कहा कि कोई दीवार से चिपककर सोता है, कोई छत से। सोने की कोई तय जगह नहीं है। खाने का स्वाद नहीं है, लेकिन उसमें जरूरी पोषक तत्व होते हैं।

शुभांशु की बहन शुचि ने बताया कि भइया बहुत खुश लग रहे थे। उन्होंने पूरे स्टेशन का 'टूर' करवा दिया। जिस समय हमारी बातचीत हो रही थी, तभी वहां सूर्योदय हुआ। हमें पृथ्वी का घेरा दिखा, वहां नीला-सा गोल स्ट्रक्चर जिसे देखकर हम दंग रह गए। शुचि ने बताया कि भाई से हमने पूछा कि खाना कैसे खाते हो? इस पर उन्होंने डाइनिंग टेबल भी दिखाई, जहां सारा सामान चिपकाया जाता है, वर्ना सब हवा में उड़ जाता है। उन्होंने अपनी दिनचर्या, रिसर्च वर्क और टारगेट्स के बारे में भी जानकारी दी। कहा कि वे पूरे समय व्यस्त रहते हैं। समय का पता ही नहीं चलता। बस खिड़की से रोशनी आई तब दिन समझो।

घरवालों से बातचीत में शुभांशु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब देश का प्रधानमंत्री खुद आपसे बात करे, तब एक अलग ही प्रेरणा मिलती है। उनके शब्दों ने मुझे और आत्मविश्वास दिया। फिलहाल शुभांशु की पृथ्वी पर वापसी की तारीख तय नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने रियो डी जेनेरियो पहुंचे PM मोदी

रियो डी जनेरियो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो के गैलेओ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंच गए। वह राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर यहां हैं ताकि ब्रिक्स के 17वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले सकें। यह उनकी चौथी ब्राजील यात्रा है।

1. ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां
सम्मेलन 6–7 जुलाई को विकसित हो रहा है और इसका मुख्य विषय है-।
पहले विदेश मंत्री स्तर पर विवाद के बाद इस बार सभी सदस्यों ने एक जोहिक घोषणा–पत्र पर सहमति बनाई, जिसमें गाजा, इज़राइल–ईरान तनाव, अफ्रीका की हृस्ष्ट प्रतिनिधित्व की मांग और अमेरिकी संरक्षणवाद की आलोचना जैसे मुद्दों शामिल हैं ।

2. द्विपक्षीय वार्ताएं
सम्मेलन के साथ–साथ पीएम मोदी ब्राजीलिया में राष्ट्रपति लूला से भी मुलाकात करेंगे। प्रमुख चर्चा के मुद्दे होंगे-
रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग।
हरित ऊर्जा और जैव ईंधन
डिजिटल तकनीक और जन संपर्क।
यूएन सुरक्षा परिषद सुधार- त्र4 की पहल पर भी सहमति बनी है।

3. भारत–ब्राज़ील रणनीतिक साझेदारी
2024 की त्र20 अध्यक्षता में भारत का नेतृत्व मॉडल बनकर सामने आया और इसका असर ब्राज़ील के त्र20 एजेंडा पर भी देखा गया। आईबीएसए फोरम के माध्यम से दोनों देश दक्षिण–दक्षिण सहयोग को भी मजबूत कर रहे हैं ।

4. भूटान–दक्षिण दौरे की तैयारियां
यह यात्रा मोदी–जी की 10 वर्षों में सबसे लंबी विदेश यात्रा है, जिसमें पांच देशों – घाना, ट्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और नामीबिया – की यात्रा शामिल है।
ब्राज़ील यात्रा के बाद उनका अगला पड़ाव नामीबिया में होगा, जहां वे संसद में संबोधन करेंगे और द्विपक्षीय समझौतों पर चर्चा करेंगे ।

ट्रंप और मेलानिया का रोमांटिक अंदाज, व्हाइट हाउस की बालकनी पर डांस और Kiss वायरल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ने व्हाइट हाउस की ट्रूमन बालकनी से इंडिपेंडेंस डे की आतिशबाज़ी देखी। इसी दौरान उन्होंने एक–दूसरे को गले लगाया, किस किया और साथ में 'ट्रम्प डांस' किया, जिससे संपूर्ण कार्यक्रम में एक रोमांटिक और जोशीला माहौल बन गया। ट्रंप ने धमाकेदार अंदाज़ में हिप स्वे और फिस्ट–पंच मूव्स के साथ अपना प्रसिद्ध डांस स्टेप दोहराया, जिसे मेलानिया ने भी नजाकत से अपनाया—वे उनके कंधे से हाथ ऊपर–नीचे लहराकर झूमती नज़र आईं।समारोह के दौरान ब्रास बैंड और .रूष्ट.. जैसे लोकप्रिय गाने बजाए गए—संगीत के साथ ट्रंप ने ताल से ताल मिलाकर अपने डांस मूव्स दिखाए।
आतिशबाज़ी के साथ, ट्रंप और मेलानिया एक–दूसरे को किस करने में पीछे नहीं रहे—भीड़ ने "aww" की आवाजों और तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। सोशल प्लेटफ़ॉर्म पर वायरल वीडियो ने लोगों के दिल छू लिए—ट्रंप समर्थकों ने लिखा- एक सच्चा नेता और अमेरिकन लोगों के लिए !मेलानिया के लिए खास तारीफें भी आईं-वह बिल्कुल ग्लो कर रही थीं—पहली पारी में कभी ऐसा नहीं दिखा। उनके सहज रूप और नृत्य की तुलना करते हुए कुछ ने लिखा- इसे देखकर पता चलता है नेताओं में भी दिल होता है।
दिन की शुरुआत मिलिट्री पार्टियों और वेटरन्स के लिए पिकनिक के साथ हुई, जिसमें B2 बमवर्षक और जेट फ्लाईओवर भी शामिल था।

माली में अगवा हुए भारतीय के परिवार से अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन ने फिरौती की मांग की

माली। पश्चिम अफ्रीका के माली में अगवा हुए भारतीय के परिवार से अल–कायदा से जुड़े संगठन ने फिरौती की मांग की है। अगवा किए तीन भारतीयों में से एक ओडिशा के रहने वाले पी. वेंकटरमण के बहनोई ने शनिवार को एएनआई को बताया –वेंकट ने आखिरी बार मुझे 30 जून को फोन किया था। वह पश्चिम अफ्रीका के माली में एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करता था। उसने बताया कि उसकी कंपनी ने उन्हें बाहर जाने से रोक दिया है, क्योंकि आतंकवादियों ने वहां हमला कर दिया है।
उन्होंने कहा– हमें कंपनी से फोन आया कि वह पुलिस की हिरासत में हैं। इसके बाद समाचार में दावा किया गया है कि अल–कायदा ने कुछ लोगों का अपहरण कर लिया है। हमने कंपनी को फोन किया, और पुष्टि की। उन्होंने हमें यह बात सरकार को बताने से मना कर दिया और कहा कि आतंकवादी लोगों के बदले में फिरौती मांग रहे हैं। वेंकटरमन के बहनोई ने भारत सरकार से वेंकटरमण को सुरक्षित घर वापस लाने की अपील की है। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने माली में भारतीय श्रमिकों के अपहरण पर गहरी चिंता जताई।साथ ही पश्चिम अफ्रीकी देश के अधिकारियों से उनकी सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। दरअसल, 1 जुलाई को माली के सीमेंट फैक्टरी पर आतंकियों ने हमला कर 3 भारतीयों को किडनैप कर लिया था।

ट्रंप को अब सीधी टक्कर देंगे एलन मस्क

नए दल का किया ऐलान, नाम रखा- अमेरिका पार्टी

वाशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में तीसरे दल की संभावनाओं को लेकर जारी अटकलों के बीच टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से एक नई राजनीतिक पार्टी अमेरिका पार्टी के गठन का ऐलान कर दिया। यह घोषणा मस्क ने एक्स पर एक दिन पहले पार्टी को लेकर कराए गए पोल के बाद की है।

अपने पोस्ट में एलन मस्क ने लिखा, ÷2¬1 के अंतर से आपने नया राजनीतिक दल चाहा और आपको मिलेगा! आज अमेरिका पार्टी बनाई जा रही है ताकि आपकी आजादी आपको लौटाई जा सके।÷

यह ऐलान ऐसे समय पर हुआ है जब एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव अपने चरम पर है। कभी ट्रंप के करीबी माने जाने वाले मस्क ने हाल ही में उनकी महा खर्चीली 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' की तीखी आलोचना की थी।

एलन मस्क ने ट्रंप के पिछले चुनाव प्रचार के दौरान करोड़ों डॉलर की मदद की थी। उनके कार्यकाल में बनी "Department of Government Efficiency" (DOGE) के प्रमुख भी रहे थे। लेकिन ट्रंप द्वारा हाल ही में बड़े पैमाने पर टैक्स कट और खर्चे वाले बिल पर हस्ताक्षर करने के बाद दोनों के बीच संबंध पूरी तरह टूट गए। एलन मस्क ने उस विधेयक को अमेरिका के लिए खतरा करार दिया और ऐलान किया कि वे उन सांसदों के खिलाफ खुलकर चुनावी लड़ाई में पैसे झोंकेंगे, जिन्होंने बिल को समर्थन दिया।

इसके जवाब में ट्रंप ने धमकी दी कि वे एलन मस्क की कंपनियों को मिलने वाली सरकारी सब्सिडी बंद कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने यह कह दिया कि वे एलन मस्क को अमेरिका से निर्वासित करने पर विचार कर सकते हैं।

अमेरिका की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एलन मस्क ने एक्स पर एक पोल जारी किया था। उन्होंने लोगों से पूछा था, ÷क्या आप अमेरिका की दो-दलीय व्यवस्था से आजादी चाहते हैं?÷ इस पोल में 12 लाख से अधिक यूजर्स ने भाग लिया और भारी बहुमत से अपना समर्थन दिया।

रिपब्लिकन पार्टी को आशंका है कि एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच यह 'पब्लिक ब्रेकअप' उनकी पार्टी को 2026 के मिड-टर्म चुनावों में भारी नुकसान पहुंचा सकता है। अगर एलन मस्क अपने प्रभावशाली तकनीकी नेटवर्क और धनबल से रिपब्लिकन उम्मीदवारों के खिलाफ उतरते हैं तो पार्टी की संसदीय बहुमत खतरे में पड़ सकती है।

एलन मस्क ने फिलहाल अपनी नई पार्टी के विस्तृत एजेंडे का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने यह साफ किया है कि यह पार्टी राजनीतिक स्वतंत्रता और सिस्टम से आजादी की बात करेगी। दोनों प्रमुख दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स) की विफलताओं को चुनौती देगी। टैक्सपेयर के पैसों के इस्तेमाल, शासन कुशलता और टेक्नोलॉजी आधारित गवर्नेंस पर फोकस करेगी।

इजरायल से युद्ध के बाद पहली बार दिखे अली खामनेई, कहां छिपे थे ईरान के सुप्रीम लीडर?

तेहरान। इजरायल से युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई शनिवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे हैं। वह आशूरा से जुड़े एक शोक समारोह में शामिल हुए। खामेनेई के सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने से नेतृत्व पर सवाल उठने लगे थे।

ईरानी राज्य टेलीविजन ने अशूरा के मौके पर आयोजित एक बड़े धार्मिक कार्यक्रम की फुटेज प्रसारित की, जिसमें खामेनेई काले पारंपरिक वस्त्रों में कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करते दिखाई दिए। उपस्थित लोगों ने 'लब्बैक या हुसैन' के नारे लगाए और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

यह सार्वजनिक उपस्थिति 13 जून को शुरू हुई जंग के बाद पहली बार है, जब खामेनेई किसी जनसमूह के बीच नजर आए। इस दौरान उन्होंने कोई प्रत्यक्ष बयान नहीं दिया था और ना ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे ते। उन्होंने रिकॉर्डेड वीडियो संदेशों के जरिए ही जनता से संवाद किया था।

क्यों छिपे थे खामेनेई?

ईरानी अधिकारियों ने पहले कहा था कि खामेनेई की गैर-मौजूदगी सुरक्षा कारणों से थी। युद्ध के पहले कुछ दिनों में जब इजरायली हवाई हमले अपने चरम पर थे, तब उनकी सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए उन्हें सार्वजनिक उपस्थिति से दूर कर दिया गया। विपक्ष और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के बीच यह चर्चा जोरों पर थी कि खामेनेई किसी बंकर या सुरक्षित स्थान पर हैं। हालांकि, ईरानी प्रशासन ने बार-बार यह स्पष्ट किया कि वे स्वस्थ और नियंत्रण में हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि खामेनेई की यह सार्वजनिक वापसी न केवल उनकी सुरक्षा के प्रति आत्मविश्वास को दर्शाती है, बल्कि यह ईरान की जनता और विरोधियों के लिए एक प्रतीकात्मक संदेश भी है। यह संदेश देने की कोशिश है ईरान का नेतृत्व जंग के बावजूद स्थिर और सक्रिय है।

तुर्किये में लोकतंत्र पर वार! विपक्ष के 3 बड़े महापौर एक साथ गिरफ्तार

अंताल्या। दक्षिणी तुर्किये के तीन प्रमुख शहरों के महापौरों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सरकारी मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। मार्च में इस्तांबुल के महापौर को जेल में डाले जाने के बाद से हिरासत में लिए गए विपक्षी नेताओं की संख्या बढ़ती जा रही है। समाचार एजेंसी 'अनादोलु की खबर के अनुसार अदियामन के महापौर अब्दुर्रहमान टुटडेरे और अदाना नगरपालिका के प्रमुख जेदान करालार को सुबह छापेमारी में हिरासत में लिया गया। दोनों मुख्य विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी या सीएचपी के सदस्य हैं।

खबर के अनुसार अंताल्या के सीएचपी महापौर मुहितिन बोसेक को अंताल्या के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय द्वारा एक अलग रिश्वतखोरी जांच में दो अन्य संदिग्धों के साथ गिरफ्तार किया गया। सीएचपी अधिकारियों को इस वर्ष गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ा है। कई लोगों का मानना है कि तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी को बेअसर करने के उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। सरकार इस बात पर जोर देती है कि अभियोजक और न्यायपालिका स्वतंत्र रूप से काम करें, लेकिन इस्तांबुल के महापौर एक्रेम इमामोग्लू की गिरफ्तारी के कारण सड़कों पर व्यापक स्तर पर प्रदर्शन हुआ।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल कारों की लाइफ कितनी?

इस्लामाबाद। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए पुराने वाहनों पर सख्त रुख अपनाया है। अब राजधानी में 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीज़ल वाहनों में ईंधन भरने पर बैन लगा दिया गया है। यह नियम ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरों की मदद से लागू किया जा रहा है। इस कदम का मकसद दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करना है। हालांकि इस नियम से लोगों में नाराज़गी है लेकिन दिल्ली सरकार का कहना है कि यह कदम लोगों की सेहत के लिए ज़रूरी है।यह सवाल उठ रहा है कि क्या पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी इस तरह का कोई नियम है और वहाँ पेट्रोल तथा डीज़ल कारों को लेकर क्या प्रावधान हैं।

पाकिस्तान में भी है पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान पहले से ही अत्यधिक महंगाई का सामना कर रहा है जहाँ आटे, तेल, दाल, चावल और गैस सिलेंडर जैसे मूलभूत सामानों के दाम आसमान छू रहे हैं। हाल ही में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में भी उछाल आया है जिससे आम लोगों पर गहरा असर पड़ा है। पाकिस्तान में पेट्रोल और डीज़ल कारों के संबंध में कोई खास विस्तृत निर्देश तो नहीं हैं लेकिन कुछ सामान्य दिशा-निर्देश ज़रूर हैं जो कार की उम्र और इस्तेमाल को प्रभावित करते हैं।

कितने समय तक चला सकते हैं डीज़ल-पेट्रोल गाड़ियाँ?

पाकिस्तान में भी पेट्रोल और डीज़ल कारों की अधिकतम उम्र क्रमशः 15 और 10 साल निर्धारित की गई है। 15 साल से पुरानी पेट्रोल कारें और 10 साल से पुरानी डीज़ल कारों को एंड ऑफ लाइफ वाहन माना जाता है। इन वाहनों को सार्वजनिक रूप से सड़कों पर चलाने की अनुमति नहीं है। इसका मतलब है कि 10 साल से ज़्यादा की डीज़ल कारें और 15 साल से पुरानी पेट्रोल कारें चाहे उनकी फिटनेस कैसी भी हो पाकिस्तान में प्रतिबंधित हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ रहा विचार

पड़ोसी मुल्क में लगातार बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीज़ल के आसमान छूते दामों की वजह से वहाँ भी लोग अब इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों को अपनाने पर विचार कर रहे हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि पर्यावरणीय चिंताएँ और आर्थिक दबाव दोनों ही देशों को पुराने वाहनों से दूरी बनाने और वैकल्पिक ईंधन स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

अमेरिका बारिश, बाढ़ : गर्ल्स कैंप डूबा, 27 लड़कियां लापता

ड्रोन-हेलिकॉप्टर से तलाश; गवर्नर बोले- बाढ़ फिर आ सकती है

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 51 लोगों की मौत हो गई। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचाया गया। जबकि लगभग 27 लड़कियां लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं।

टेक्सास के गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया- बाढ़ का खतरा अभी भी बरकरार है। रेस्क्यू टीमें काम कर रही है। जिसमें नौ बचाव दल, 14 हेलिकॉप्टर और 12 ड्रोन शामिल है। अभी तक 850 से ज्यादा लोगों को बचाया भी गया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर टेक्सास में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण बच्चों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की।

अभी भी अचानक बाढ़ का खतरा बरकरार : टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने बाढ़ के हालात को देखते हुए इमरजेंसी हालात की चेतावनी बरकरार रखा है। ग्रेग एबॉट ने कहा- हम लापता लोगों की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह ऑपरेशन लगातार 24 घंटे तक चलता रहेगा। हम हर एक को ढूंढ निकालेंगे।

वहीं दूसरी तरफ अधिकारियों के मुताबिक, टेक्सास के सैन एंटोनियो के आसपास भारी बारिश के बीच 1,000 से ज्यादा रेस्क्यू वर्कर्स लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़) की चेतावनी अभी बनी हुई है।

बाढ़ से 2600 घरों की बिजली गुल

बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया, जिससे सड़कें डूब गईं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरू किया है।

इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी। बाढ़ की वजह से बिजली लाइनें गिर गईं और कर्विल के आसपास के इलाकों में लगभग 2,600 घरों की बिजली गुल हो गई।

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में चूक, गोल्फ क्लब के ऊपर आया विमान

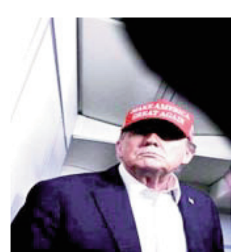

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में भारी चूक की घटना सामने आई है। अमेरिकी वायु रक्षा एजेंसी नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने शनिवार को एक नागरिक विमान को स्न-16 फाइटर जेट की मदद से इंटरसेप्ट किया। यह विमान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेडमिंस्टर स्थित गोल्फ क्लब के ऊपर से उड़ान भर रहा था, जो कि उस समय अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया था। NORAD के मुताबिक, यह दिन भर में पांचवीं ऐसी घुसपैठ थी। इंटरसेप्ट के दौरान F-16 ने हेडबट रणनीति अपनाई, जिसमें लड़ाकू विमान नागरिक विमान के आगे उड़ता है ताकि उसकी ओर ध्यान आकर्षित हो सके। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से वर्जित हवाई क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया।

आपको बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों छुट्टियां मनाने के लिए न्यू जर्सी में हैं। उनकी मौजूदगी के चलते यह हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इस घटना से ट्रंप की सुरक्षा या कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा।

इससे पहले मार्च महीने में भी फ्लोरिडा में उनके निवास मार-ए-लागो के ऊपर नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन हुआ था। तब भी स्न-16 विमानों को भेजा गया था और फ्लेयर छोड़कर नागरिक विमान को चेतावनी दी गई थी।

NORAD ने बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है और सभी पायलटों से आग्रह किया है कि वे उड़ान भरने से पहले NOTAMs (नोटिस टू एयरमेन) और ञ्जस्नक्र (टेम्पररी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन) की जानकारी अवश्य लें। कमांडर जनरल ग्रेगरी गिलॉट ने कहा, ÷TFR नियमों का पालन आवश्यक है ताकि विमानन सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।जनवरी 2025 से अब तक ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें नागरिक विमानों ने जानबूझकर या अनजाने में नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन किया है। अधिकतर मामलों में पायलटों को उचित जानकारी न होने के कारण ये घटनाएं होती हैं। आपको बता दें कि अमेरिका में गर्मी छुट्टी और स्वतंत्रता दिवस के कारण हाल के हफ्तों में निजी विमानों की आवाजाही बढ़ी है, जिससे इन क्षेत्रों में सतर्कता और भी जरूरी हो गई है।

दुनिया भर में घट रही है प्रजनन दर, रूस ही नहीं ये देश भी बच्चे पैदा करने के लिए दे रहे हैं प्रोत्साहन

मास्को। रूस के कुछ हिस्सों में गर्भवती होने वाली स्कूल की लड़कियों को एक लाख रूबल (करीब 1,08,500 रुपये से) अधिक का भुगतान किया जा रहा है, ताकि वे बच्चों को जन्म दें और उनका पालन-पोषण करें। इसे प्रोनैटलिज्म कहा जाता है। यह प्रोत्साहन रूस की नई जनसांख्यिकीय रणनीति का हिस्सा है। यह नीति मार्च 2025 में वयस्क महिलाओं के लिए लागू की गई थी और इसका उद्देश्य देश की जन्म दर में हो रहे नाटकीय गिरावट पर अंकुश लगाना है।

2023 में रूस में प्रति महिला जन्म की संख्या 1.41 थी, जो जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए जरूरी 2.05 के स्तर से काफी कम है। किशोर लड़कियों को बच्चों को जन्म देने के लिए पैसे देना रूस में विवादास्पद है।

हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, 43 प्रतिशत रूसी नागरिकों ने इस नीति का समर्थन किया है, जबकि 40 प्रतिशत इसके खिलाफ हैं। यह इस बात का संकेत है कि राज्य बच्चों की संख्या बढ़ाने को कितनी प्राथमिकता देता है।

युद्ध की वजह से घटी रूस की जनसंख्या रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक बड़ी जनसंख्या को एक समृद्ध महान शक्ति के संकेतों में से एक मानते हैं। हालांकि, यूक्रेन पर हमले और उसके क्षेत्र पर कब्जा करने के प्रयासों ने रूस की जनसंख्या को घटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। युद्ध में मारे गए रूसी सैनिकों की संख्या 2,50,000 तक पहुंच गई है। हालांकि युद्ध की वजह से बड़ी संख्या में शिक्षित रूसी नागरिक देश छोड़ की चले गए हैं।

रूस की जनसांख्यिकीय स्थिति अत्यंत गंभीर है, लेकिन जन्म दर में गिरावट अब एक वैश्विक प्रवृत्ति बन गई है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया के तीन चौथाई से अधिक देशों में इतनी कम प्रजनन दर होगी कि वे अपनी जनसंख्या को बनाए नहीं रख पाएंगे।

पुतिन अकेले नहीं हैं। विश्व के अन्य नेता भी महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियां लागू कर रहे हैं। हंगरी में विक्टर ओर्बन की सरकार तीन या अधिक बच्चों वाले परिवारों को कर में छूट और सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन दे रही है। पोलैंड में दो या अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रति बच्चे 500 ज्लाटी (101) का मासिक भुगतान किया जाता है।अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप महिलाओं को बच्चे पैदा करने के लिए 5,000 डलर भुगतान करने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उनका यह प्रस्ताव मेक अमेरिका ग्रेट अगेन को बढ़ावा देने से जुड़ा है। एलन मस्क और दूसरे लोगों ने भी इसका समर्थन किया है। इस प्रयास का मकसद महिलाओं को बड़े परिवार के लिए प्रेरित करना है।विश्व में प्रोनैटलिज्म की नीतियों का प्रभाव मिश्रित रहा है। कोई भी देश जन्म दर में गिरावट को उलटने का आसान तरीका नहीं खोज पाया है।

लखनऊ की शाही मस्जिद की सुरक्षा को लेकर शासन-प्रशासन से शिकायत

लखनऊ। लखनऊ के अति संवेदनशील इलाके में स्थित शाही मस्जिद की सुरक्षा को लेकर हाल ही में एक गंभीर शिकायत सामने आई है। राजधानी के राजभवन और विधानसभा गेट नंबर 10 के पास स्थित इस ऐतिहासिक मस्जिद के मुतवल्ली, प्रशासनिक पदाधिकारियों, आसपास के व्यापारिक प्रतिष्ठानों के मालिकों और कर्मचारियों का सघन पुलिस वेरिफिकेशन कराने तथा मस्जिद परिसर के अंदर और बाहर वॉयस रिकॉर्डिंग वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता राजाजीपुरम निवासी कानूनी अधिकार कार्यकर्ता संजय शर्मा ने मस्जिद परिसर, उसके आसपास और सामने अतिक्रमण व अवैध कब्जे के चलते संदिग्ध गतिविधियों की आशंका जताई है। बकौल संजय सुरक्षा की दृष्टि से अति-संवेदनशील इलाके में राजभवन,विधान सभा, विधान परिषद, लोक भवन और बापू भवन के निकट इस मस्जिद के आस-पास कई विधायकों के प्रतिनिधियों, कथित पत्रकारों, कथित समाजसेवियों और कथित आरटीआई एक्टिविस्टों के जमाव? होते रहने की चर्चाएँ राजधानी लखनऊ में आम हैं हालाँकि इस इलाके में इन समूहों के जमाव ?ों के उद्देश्य जांच का विषय हैं जिसके लिए उन्होंने व्यापक जनहित में सार्वजनिक रूप से जांच और कार्रवाई की मांग उठाई है द्य शिकायत में कहा गया है कि यह मस्जिद सुरक्षा की दृष्टि से अति संवेदनशील इलाके में स्थित है, जहां अतिक्रमण कर कई दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान खुल गए हैं। इनमें संदिग्ध व्यक्तियों के जमावड़े की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। ऐसे में मस्जिद प्रशासन, मुतवल्ली, कर्मचारियों, व्यापारियों और उनके स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी है। साथ ही, मस्जिद के भीतर और बाहर वॉयस रिकॉर्डिंग वाले पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उनकी फुटेज कम-से-कम दो वर्ष तक सुरक्षित रखी जाए। शिकायतकर्ता ने हाल ही में मलिहाबाद के मिर्जागंज में विदेशी इशारों पर असलहे और बारूद बनाने के खुलासे का हवाला देते हुए कहा कि राजधानी के सबसे संवेदनशील इलाके में स्थित शाही मस्जिद की सुरक्षा को लेकर तत्काल कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने शासन-प्रशासन से अनुरोध किया है कि उपरोक्त सभी सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू कर, की गई कार्रवाई से अवगत कराया जाए। गौरतलब है कि लखनऊ की कई ऐतिहासिक मस्जिदों को लेकर पहले भी सुरक्षा और विवाद के मामले सामने आते रहे हैं, जिनमें प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाती रही है। ऐसे में राजधानी की इस महत्वपूर्ण मस्जिद की सुरक्षा को लेकर उठाई गई मांग पर शासन और प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

रामपुर हलवारा में पौधा रोपकर मुख्यमंत्री करेंगे प्रदेशव्यापी अभियान का शुभारंभ

कौमी पत्रिका

अयोध्या, 7 जुलाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या एक बार फिर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मिसाल बनने जा रहा है। आगामी 9 जुलाई को मुख्यमंत्री अयोध्या के रामपुर हलवारा में सरयू तट के पास वन महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर 8 हेक्टेयर क्षेत्र में 12 हजार पौधे रोपे जाएंगे और इसे त्रिवेणी वन के रूप में विकसित किया जाएगा। कार्यक्रम में 3 मिनट 43 सेकंड की तिलोदकी गंगा के पुनरुद्धार पर लघु फिल्म दिखाई जाएगी। उसके बाद मुख्यमंत्री योगी पर्यावरण जागरूकता पर जनसभा को संबोधित भी करेंगे। यह आयोजन न केवल हरियाली बढ़ाने का एक प्रयास है, बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति जनमानस को जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस वर्ष वन महोत्सव के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान को विशेष बल दिया गया है। इस अभियान के तहत लोग अपनी मां के नाम पर पौधे लगा रहे हैं। अकेले वन विभाग को 13 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। वहीं, कुल 26 विभाग मिलकर 40 लाख से अधिक पौधों का सामूहिक रोपण करेंगे। वहीं प्रदेश में कुल 37 करोड़ से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य है। यह

संयुक्त प्रयास जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय असंतुलन और प्रदूषण जैसी वैश्विक समस्याओं से निपटने की दिशा में अहम कदम है। उप प्रभागीय वन अधिकारी एन. सुधीर के अनुसार, कार्यक्रम की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। अयोध्या जिले के 240 अमृत सरोवरों के किनारे भी पौधारोपण किया जाएगा। अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत बनाए गए ये जलाशय जल संरक्षण के साथ-साथ अब हरियाली को भी संजोएंगे। इन जल निकायों के किनारे पौधों की श्रृंखला जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या को न सिर्फ धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में पहचान दिला रहे हैं, बल्कि अयोध्या सहित पूरे प्रदेश को एक हरित और सतत पर्यावरणीय मॉडल के रूप में भी स्थापित कर रहे हैं। यह अभियान आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ भविष्य का रास्ता तैयार करेगा।

पांच स्थानों पर तैयार हो रहे विशेष वन-स्थल

क्रम- वन का नाम- स्थान- क्षेत्र (हे.)- पौधों की संख्या- रेंज

1- एकता- कैंट क्षेत्र- 01- 2500- अयोध्या

2- आक्सी- कैंट क्षेत्र- कु?सदात- 03- 4800- रूदौली

3- शौर्य वन- कैंट- 01- 2500- अयोध्या

4- गोपालवन- गोशालाओं में

5- त्रिवेणी वन- रामपुर हलवार- 8 हेक्टेयर- 12000- माया

इस महाअभियान में जनसहभागिता को प्राथमिकता दी गई है। आम नागरिक, छात्र, स्वयंसेवी संगठन, स्कूल-कॉलेज, सामाजिक संस्थाएं- सभी को इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे पर्यावरण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ेगी और भावनात्मक जुड़ाव भी कायम होगा।

पिंजौर, मोरनी में पर्यटन विकास पर खर्च होंगे 92 करो? रुपए: डॉ अरविंद शर्मा

चंडीगढ़, 6 जुलाई – हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा पर्यटन क्षेत्र में सभी संभावनाओं पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर व टिक्कर ताल, मोरनी में पर्यटन विकास के लिए 92 करो? रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होगी। उन्होंने अगले साल मैंगो मेले को और भव्य बनाने की भी घोषणा की। रविवार को पिंजौर में 32वें मैंगो मेले के समापन अवसर पर मुख्यातिथि विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा व विशिष्ट अतिथि आरती सिंह राव पहुंचे और आम प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दोनों कैबिनेट मंत्री मोदी आम व नायब आम देकर हतप्रभ रह गए। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या उपरांत अपने संबोधन में विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि तीन दिवसीय 32वां मैंगो मेले में इस बार रिकार्डतो? ? अ?ई लाख पर्यटकों की भी? पहुंची और पहली बार आम प्रसंस्कों के लिए लगाए गए बिक्री स्टाल पर आम उत्पादकों को 25 लाख रुपए की बिक्री हुई। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करते हुए मैंगो मेले के दिनों में ब?ौतरी करने और विलुप्त होती जा रही आम प्रजातियों को बचा रहे किसानों के प्रोत्साहन के लिए योजना बनाने की मांग की जाएगी। पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर व टिक्कर ताल, मोरनी को स्वदर्शन 2.0 योजना के तहत 92 करो? रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा, ताकि इस इलाके में पर्यटकों में अप्रत्याशित ब?ौतरी की जा सके। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने बॉलीवुड गायक विपुल मेहता के साथ ?मैं जट यमला-पगला दीवाना? गाया और आए हुए पर्यटकों का मन मोह लिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा को 32वें मैंगो मेले में उम? रिकार्डतो? भी? के लिए बधाई देते हुए कहा कि यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर में बीते 3 दिन में वैभवता के साथ प्राकृतिक सौंदर्यता के बीच देशभर के आम उत्पादकों को एक शानदार मंच मिला है। उन्होंने कहा कि यह मेला परंपराओं को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाने और एकता, समृद्धि को ब?ाने वाला है। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में किसानों को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के बेहतरीन कदम उठाए गए हैं। कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद से लेकर नकदी फसलों को बेहतर भाव दिलाने में हरियाणा की भाजपा सरकार अन्य राज्यों के लिए उदाहरण पेश कर रही है। 32वें मैंगो मेले में कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा ने कहा कि पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा के नेतृत्व में पर्यटन विभाग द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र में इतना शानदार आयोजन किया है, इसके लिए वो बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि कालका इलाके की मिट्टी की सौंधी खुशबू और मेहनतकश किसानों के लिए यह इलाका एक बेहतरीन मंच है, जो उनकी आम की किस्मों को न केवल लोकप्रियता देता है, बल्कि बिक्री के लिए भी अच्छे अवसर उपलब्ध करवाता है। विधायक शक्तिरानी शर्मा ने पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा से कहा कि कालका इलाके में यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर व टिक्कर ताल, मोरनी को ब? स्तर पर विकसित किया जाए।

हरियाणा में 31 मार्च 2004 से पहले शामलात भूमि पर बने अवैध मकानों को वैध करने का रास्ता साफ: डीसी पार्थ गुप्ता

यमनानगर। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि विकास एवं पंचायत विभाग हरियाणा सरकार ने उन ग्रामीण परिवारों को बड़ी राहत दी है जिन्होंने 31 मार्च 2004 से पहले शामलात देह की गैर-कृषि भूमि पर मकान या मकान का हिस्सा बना लिया था। अब ऐसे निर्माणों को कानूनी दर्जा देने की प्रक्रिया अधिसूचित कर दी गई है। यह निर्णय हरियाणा अधिनियम संख्या 19, 2024 तथा हरियाणा अधिनियम संख्या 5, 2025 के माध्यम से लागू किया गया है। डीसी ने बताया कि मुख्य बिंदु हरियाणा अधिनियम संख्या 19, 2024 (12 दिसंबर 2024) के अनुसार, पंजाब ग्राम शामलात अधिनियम, 191 की धारा 5ए में नया उपखंड (1ए) जोड़ा गया है, जिसमें यह प्रावधान किया गया कि पंचायतें 31 मार्च 2004 से पहले बने घरों को अधिकतम 500 वर्ग गज (निर्माण+ 25 प्रतिशत खुला हिस्सा) तक की शामलात भूमि, बाजार दर पर राज्य सरकार की अनुमति से बेच सकती हैं। यह भूमि किसी जलाशय, तालाब, रैवेन्यू रास्ते या सार्वजनिक उपयोग की भूमि नहीं होनी चाहिए। डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह ने बताया कि हरियाणा अधिनियम संख्या 5, 2025 (1 अप्रैल 2025) के तहत उक्त धारा में दो अहम बदलाव किए गए। राज्य सरकार की जगह अब विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक को अनुमति प्रदान करने का अधिकार होगा। बाजार दर की अनिवार्यता हटाकर निर्धारित दर (प्रेसक्राइब्ड रेट) का प्रावधान जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि 17 जनवरी 2025 को अधिसूचित संशोधित नियमों के अनुसार, इच्छुक व्यक्ति पंचायत को निर्धारित प्रारूप में इन नियमों के प्रकाशन की तिथि से 12 मास के अन्दर जिला कलेक्टर को आवेदन कर सकेंगे। भूमि की बाजार दर 31 मार्च 2004 को प्रचलित कलेक्टर रेट के डेढ़ गुणा बराबर होगी। उन्होंने बताया कि 28 अप्रैल 2025 को निदेशक, विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा जारी एसओपी में आवेदन की पूरी प्रक्रिया तय की गई है, जिसमें पंचायत प्रस्ताव, खंड एवं जिला स्तर पर जांच और अंतिम अनुमोदन निदेशक द्वारा किया जाएगा।

श्रम विभाग की 10 सेवाएं राइट टू सर्विस के दायरे में

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने श्रम विभाग की दस प्रमुख सेवाओं को हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के अंतर्गत अधिसूचित किया है। मुख्य सचिव डॉ. अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है। अब ठेका श्रम (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 (1970 का केंद्रीय अधिनियम 37) के उपबंधों के अधीन ठेकेदारों के लिए मुख्य नियोक्ता की स्थापना, लाइसेंस का पंजीकरण और नवीकरण 26 दिनों के भीतर किया जाएगा। इसी प्रकार, कारखाना अधिनियम, 1948 के अधीन कारखाना विभाग से योजनाओं का अनुमोदन तथा कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का केंद्रीय अधिनियम 63) के तहत कारखाना लाइसेंस और लाइसेंस का नवीकरण 45 दिन के भीतर जारी किया जाएगा। पंजाब दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1958 (1958 का पंजाब अधिनियम 15) के अंतर्गत दुकान पंजीकरण के लिए केवाईसी के आधार पर अलग-अलग समय सीमा तय की गई है। यदि केवाईसी अमान्य है, तो पंजीकरण एक दिन में किया जाएगा; जबकि केवाईसी मान्य होने पर इसे 15 दिनों में करना अनिवार्य होगा। भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 (1966 का केंद्रीय अधिनियम 27) के तहत नियोजित प्रतिष्ठानों का पंजीकरण अब 30 दिनों में करना होगा।

NAME CHANGE
I hitherto known as ASHISH KUMAR alias ASHISH GARG S/o ROSHAN LAL residing at House No. 69, Pocket B - 5, Sector - 4, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110085 have changed my name and shall hereafter be known as ASHISH GARG.

NAME CHANGE
I, SITARAM is legally father of No. 2802326H Rank-HAV Name-DHURVE PURUSHOTTAM SITARAM, R/o VPO-ZATALA, POST-ZATALA, TEH-GHATANJI DIST-YAVATMAL PIN - 445306, STATE-MAHARASHTRA, have changed my name from SITARAM to SITARAM SOMA DHURVE and date of birth from 22/02/1957 to 01/01/1948 for all future purposes. Vide affidavit dated 04/07/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I,KUSUM is legally mother of No. 2802326H Rank-HAV Name-DHURVE PURUSHOTTAM SITARAM, R/O VPO ZATALA, POST-ZATALA, TEH-GHATANIJP DIST-YAVATMAL PIN-445306, STATE-MAHARASHTRA, have changed my name from KUSUM to KUSUM SITARAM DHURVE and date of birth from 22/02/1962 to 01/01/1957 for all future purposes. Vide affidavit dated 04/07/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Abhijit s/o Raghuvir Singh R/o Pali Kheda, PO. Krishna Nagar, Mathura, U.P-281004, have changed my name to Abhijeet Kumar permanently

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ABDUR RAHMAN S/O MALHU R/o B-262 Moosa Masjid Jamia Nagar okhla Delhi-110025 declare that name of my father has been wrongly written as HAJI MALLOO in my passport No. H1561597 The actual name of my father is MALHU for all future purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, GUNJA SINGH W/o PRAVEEN SINGH R/o 107 A, Gali-14, Onkar Nagar B, Tri Nagar, Onkar Nagar, North West Delhi, Delhi-110035, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as GUNJAN and PARVEEN SINGH in my minor daughter namely PRIYA SINGH aged 14 years in her School Records. The actual name of mine and my husband are GUNJA SINGH and PRAVEEN SINGH respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I PARI SHIRSHVAL D/O VIPIN KUMAR R/O HOUSE NO-291, NEAR PANI KI TANKI, SECTOR-05, NOIDA, PO: NOIDA, DISTRICT GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201301, declare that name of mine has been wrongly written as PARI SHRISHVAL in my 12th class educational documents. The actual name of mine is PARI SHIRSHVAL which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,. No. JC-678625Y Rank- NB/SUB Name- KANHAIYA SINGH, UNIT/POSTED 503 ASC BNC/O 56 APO, R/o VILL-OJHAWALIYA, PO-ANDHARI, DISTT- BHOJPUR, STATE- BIHAR, PIN-802222, have changed my minor daughter name from KISU KUMARI to KISHU KUMARI for all future purposes. Vide affidavit dated 07.07.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, ROSHAN KUMAR is Son of. No. JC-678625Y Rank- NB/SUB Name- KANHAIYA SINGH, UNIT/POSTED 503 ASC BNC/O 56 APO, R/o VILL-OJHAWALIYA, PO- ANDHARI, DISTT- BHOJPUR, STATE- BIHAR, PIN-802222,have changed my name from ROSHAN KUMAR to ROUSHAN KUMAR for all future purposes. Vide affidavit dated 07.07.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SHUBHANGI is I egally span of no-2812541F Rank, SEP, name -dole devidas Babasaheb,R/O Vill-morala, post -patsara, TEH-ashti, Dist -BEED, State -maharashtra, pin -414203, have changed my name from, Shubhangi to Shubhangi Devidas Dole, for all future purpose.vide affidavit date,06-07-2025 before public notary public notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PARVATI is legally mother of No. 2809000P Rank HAV Name NAVALE NILESH APPAJI R/O, VILL NAVALEWADI, POST- MALAWADI, TER-MAN (MALAWADI), DIST SATARA, STATE - MAHARASHTRA, PIN-415508, have changed my name from PARVATI to PARVATI APPAJI NAVALE and date of birth from 03/09/1966 To 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 01.07.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Mohd Imran S/o Abdul Sattar R/o H. No. 3991, Gali Khan Khana, Jama Masjid, Urdu Bazar, Delhi-110006, have changed my name to Mohammad Imran for all future purposes

NAME CHANGE
I, Ajay kumar s/o Kamal singh R/o house no -351 street no-6 Monga nagar Karawal Nagar road Delhi-110094, have changed my name to Ajay Chauhan

नाम परिवर्तन
सूचित करना है कि मेरे पुत्र अर्पित मिश्रा कि माता का सही नाम अंजू मिश्रा (ANJU MISHRA) है । जबकि कक्षा 12 की मार्कशीट (Roll no 23694122) मैं त्रुटिवश अनुज मिश्रा (ANUJ MISHRA) अंकित हो गया है । अंजू मिश्रा पत्नी अवधेश कुमार मिश्रा पता – मकान न –198/1–D साहब नगर, कल्यानपुर कानपुर

NAME CHANGE
I, Janak Radomir s/o Kaushal Kishore Rai R/o E-212 Saraswati Kunj Plot No-25 I P Extension Delhi-110092 have changed my name to Janak Radomir Rai for all Purposes

NAME CHANGE
I, Akshay Rai Sood R/O A-12, Shivaji Vihar, Janta Colony, Tagore Garden, Delhi-110027, have changed my minor daughter's name from Parvi to Parvi Sood permanently

NAME CHANGE
I, RUKSANA W/O MOHD MUJAHID residing at 32/443, TRILOK PURI, NEAR MAYUR VIHAR, DELHI-110091 . have changed my name to RUKHSANA MUJAHID for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MUZAHID ALI S/O SARWAR ALI residing at 32/404, TRILOK PURI, NEAR MAYUR VIHAR, DELHI-110091 . have changed my name to MOHD MUJAHID for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KRISHIV YASHESHKUMAR SANIYAWALA S/O YASHESH CHAMPAKLAL SANIYAWAL resident of TOWER-1, FLAT NO-201, PYRAMID URBAN HOMES, SECTOR-70A, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA-122101 have changed my name to KRISHIV SANIYAWALA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Gyanender Kumar S/o Sh. Chhote Lal R/o RZ-149, P-Block, M.D Road, Gopal Nagar, Najafgarh, South-West Delhi-110043 have changed the name of my minor daughter Nedhi aged 15 Years and she shall hereafter be known as Nidhi Rishi. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, SALMAN HUSAIN S/O TAHIR HUSSAIN resident of D-19/6, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to SALMAN HUSSAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAISA BEGUM W/O TAHIR HUSSAIN resident of D-19/6, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to RAHEESA BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, TAHIR HUSAIN S/O AMIR HUSSAIN resident of D-19/6, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to TAHIR HUSSAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No-2402049P Rank-HAV Name-SHIVAJI S residing at VPO-PAHI, PS-MUBARAKPUR, TEHSIL-SADAR, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276404, have change my minor son's name from SHIVAM SARAN to SHIVAM SAHANI for all future purposes vide Affidavit dated 26/05/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given that Mrs. Rachna Takkar W/o Shri Mr. Jatin Takkar is purchasing the half-left side portion of Second Floor without terrace Rights(adjoining B-126), property bearing No.B-127, Kalkaji, New Delhi-110019, Measuring Area 160 sq yards from Amarjit Singh Jaggi alias Dr. A.S. Jaggi and Mrs. Manjit Kaur Jaggi alias Dr. Manjit Kaur Jaggi. If anyone has any objection or claims regarding the said property, they are requested to contact undersigned within 7 days from the date of publication of this Notice.
Rachna Takkar
W/o Shri Jain Takkar
B-120, 3rd Floor, Kalka Ji
New Delhi-110019
M: 9891569999

NAME CHANGE
It is for general information that I DINESH KUMAR S/O HARKESH SINGH R/O GRAM WAIR, BADSHAHPUR, POST WAIR, SIKANDRABAD, BULANDSHAHR UTTAR PRADESH-203205, declare that name of mine, my wife and my minor daughter have been wrongly written as DINESH PANWAR, RINKU PANWAR and VANSHIKA PANWAR in my minor daughter namely VANSHIKA aged 17 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are DINESH KUMAR, TARAVATI and VANSHIKA respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता, जो कि डीडीए जनता फ्लैट संख्या 31, प्रथम तल, निर्मित क्षेत्र 94.86 वर्ग मीटर तथा सुपर क्षेत्र 169.83 वर्ग मीटर, ब्लॉक-सी, पॉकेट-I, सेक्टर-11, रोहिणी रेजिडेंशियल स्कीम, नई दिल्ली – 110085 की स्वामिनी हैं, ने उक्त संपत्ति श्री सुमित साहनी से विक्रय विलेख दिनांक 21.02.2005 के माध्यम से खरीदी है। उक्त संपत्ति को आरबीएल बैंक लिमिटेड, शाखा- पीतमपुरा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। कृपया ध्यान दें कि निम्नलिखित मूल चेन दस्तावेज़ खो गए हैं- 1. मूल आवंटन पत्र जो कि डीडीए द्वारा कु. रीना के पक्ष में जारी किया गया था। 2. मूल कब्जा पत्र जो कि डीडीए द्वारा कु. रीना के पक्ष में जारी किया गया था। 3. मूल विक्रय विलेख दिनांक 13.11.1994, जो कि पीओआई द्वारा डीडीए के माध्यम से कु. रीना के पक्ष में निष्पादित किया गया था, दस्तावेज़ संख्या 9558 के रूप में पंजीकृत। 4. मूल पंजीकृत जीपीए और नोटराइज्ड विक्रय अनुबंध दिनांक 13.11.1997, जो कि कु. रीना द्वारा श्री ओ.पी. भगवानी के पक्ष में निष्पादित किया गया। 5. मूल पंजीकृत जीपीए और नोटराइज्ड विक्रय अनुबंध दिनांक 29.12.1997, जो कि श्री ओ.पी. भगवानी द्वारा श्री अरुण कुमार शर्मा के पक्ष में निष्पादित किया गया (पावर ऑफ अटॉर्नी, दस्तावेज़ संख्या 60068)। 6. मूल जीपीए और विक्रय अनुबंध दिनांक 07.09.1998, जो कि श्री अरुण कुमार शर्मा द्वारा श्री सुरिंदर कुमार एवं श्री रंजीत सिंह के पक्ष में निष्पादित किया गया। 7. मूल जीपीए और विक्रय अनुबंध दिनांक 18.04.2000, जो कि श्री सुरिंदर कुमार एवं श्री रंजीत सिंह द्वारा श्री अरुण कुमार शर्मा के पक्ष में निष्पादित किया गया। 8. मूल पंजीकृत जीपीए, वसीयतनामा एवं नोटराइज्ड विक्रय अनुबंध दिनांक 24.05.2000, जो कि श्री अरुण कुमार शर्मा द्वारा श्री हरबंस लाल ग्रोवर के पक्ष में निष्पादित किया गया (पावर ऑफ अटॉर्नी, दस्तावेज़ संख्या 25474)। 9. मूल विक्रय विलेख दिनांक 24.11.2003, जो कि श्री हरबंस लाल ग्रोवर द्वारा श्रीमती विद्या वंती के पक्ष में निष्पादित किया गया, दस्तावेज़ संख्या 27794 के रूप में पंजीकृत। 10. मूल विक्रय विलेख दिनांक 15.05.2004, जो कि श्रीमती विद्या वंती द्वारा श्री सुमित साहनी के पक्ष में निष्पादित किया गया, जिसे उप-पंजीयक कार्यालय, दिल्ली में दस्तावेज़ संख्या 14375, वॉल्यूम संख्या 4621, पृष्ठ संख्या 122-130, दिनांक 15.05.2004 के रूप में पंजीकृत किया गया। उपरोक्त दस्तावेजों के खो जाने के संबंध में एक ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या- 2970364/2025) दिनांक 03.07.2025 को क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दर्ज की गई है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, BHANWATI SAHNI wife of No-2402049P Rank-HAV Name- SHIVAJI S residing at VPO-PAHI, PS-MUBARAKPUR, TEHSIL-SADAR, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276404, have change my name from BHANWATI SAHNI to BHANMATI for all future purposes vide Affidavit dated 26/05/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
जन साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल गुड्डी पत्नी स्वर्गीय विनोद निवासी म. न. 96 A, हौज़ रानी, मालवीय नगर, नई दिल्ली-17 ने अपने पुत्र अनुज उर्फ गोलू UID न. 988735005470 जो कि मेरी मुवक्किला के नियंत्रण से बाहर है तथा नशा करता है और पिछले 5 साल से मेरी मुवक्किला से अलग रह रहा है, को मेरी मुवक्किला ने अपनी चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है तथा मेरी मुवक्किला ने उपरोक्त अनुज उर्फ गोलू से सारे सम्बन्ध खत्म कर दिए है। अगर कोई व्यक्ति उपरोक्त अनुज उर्फ गोलू से किसी प्रकार का लेन-देन करता है तो उसका वो स्वयं जम्मिदार होगा और यदि उपरोक्त अनुज उर्फ गोलू किसी अपराधिक गतिविधि में लिप्त होता है या किसी से कोई लेन देन करता है तो उसके लिए वो स्वयं जम्मिदार होगा 7 मेरी मुवक्किला उपरोक्त अनुज उर्फ गोलू द्वारा किये गए किसी भी गैर कानूनी काम या लेन-देन के लिए जम्मिदार नहीं होंगी।
अशोक कुमार (एडवोकेट)
चैंबर नं0 216, साकेत कोर्ट नई दिल्ली।

NAME CHANGE
I, GURMEET KAUR Wife of HARDEEP SINGH Presently residing at WARD NO-2, 21 BD A 20 BD, 61 HEAD, BIKANER, RAJASTHAN-334023, have changed my name from GURMEET KAUR to GURMEET KOUR for all future purposes vide Affidavit dated 07/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, G KAVITA Wife of No. 15494725W Rank-HAV Name-PRASAD GADAPURAM Presently residing at H. NO 16-4-11, THIRUMALA NAGAR, GODAVARI KHANI, RAMAGUNDAM, TELANGANA-505209, have changed my name from G KAVITA to KAVITHA GADAPURAM for all future purposes vide Affidavit dated 07/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Mamta Sahani w/o Harish Kumar Gera R/o H.No.2N/19, Wrad No.11, NH-2, NIT Faridabad-121001, Haryana, have changed my name to Pooja Gera permanently.

NAME CHANGE
I, Anil Kumar s/o Vijay Kumar R/o B03, Sanjay Colony, Okhla Phase-2, Delhi-110020, have changed my name to Anil Rai permanently.

NAME CHANGE
I, Rizwana w/o Mohd Aarfeen R/o H.NO.12, A/8 D, Gali No.7 A, Vijay Mohalla, Maujpur, Delhi-110053,have changed my name to Rizvana Parveen permanently.

NAME CHANGE
I, Chhaya w/o Sandeep Gupta R/o 28/8, West Patel Nagar, Patel Nagar, Delhi-110008, have changed my name to Chhaya Gupta permanently

PUBLIC NOTICE
Mr. Nitin Salar s/o Mr. Sunil Salar Owner of the LEASEHOLD RESIDENTIAL FLAT/DWELLING UNIT BEARING NO.202, ON 3RD FLOOR (AS PER SALES PLAN 2ND FLOOR), HAVING SUPER AREA MEASURING 84.48 SQ. MTRS, IN TOWER-4 (AS PER SALES PLAN TOWER-3A), ALONG WITH RIGHT TO USE ONE COVERED CAR PARKING SPACE IN PANCHSHEEL HYNISH, BUILT ON PLOT NO.GH-08A, SITUATED AT SECTOR-1, GREATER NOIDA, DISTT GAUTAM BUDH NAGAR, UP , Mr. Nitin Salar s/o Mr. Sunil Salar have lost Original General Power of Attorney executed by Mrs. Sujatha Kamisetti Prasad in favour of Mr. J.D Prasad Kamisetti as docs no.179, page no.1-9 book no.4 dated 06.12.2017, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced Original GPA aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor,
Patpargang Village, Mayur Vihar
Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Mukesh Singh Raghav S/o Mr. Sukhveer Singh Raghav is the owner of Freehold Residential Flat no. 5, Second Floor, area measuring 85 Sq. Yds. i.e., 71.06 Sq. Meters, with roof rights, Built on Plot No. 76, Khasra no. 543 Min, Situated at Floora Enclave, Indergarhi, in the area of Village Dasna, Pargana Dasna, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Certificate dated 27.10.2023 Vide Doc. No. 11588, Book No. 1 Vol. No. 10479, Pages 1-16, SR-Sadar-V, Ghaziabad. Initially, Mr. Saurabh Shukla & Mr. Gaurav Shukla was the purchase Residential Flat No. 5, Second Floor, without right rights, area measuring 85 Sq. Yds. i.e., 71.06 Sq. Meters, vide Sale Deed dated 16.06.2017, thereafter M/s Indian Overseas Bank sale the Flat no. 5, Second Floor, area measuring 85 Sq. Yds. i.e., 71.06 Sq. Meters, with roof rights, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Aakriti Garg W/o Mr. Nitin Kumar Garg and same has been finance by IndusInd Bank Ltd. Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, RAKESH KUMAR KATARIA S/O JADISH LAL resident of H NO-37 STATE BANK NAGAR PASCHIM VIHAR DELHI-110063 have changed my name to RAKESH KATARIA for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
मैं, राज बाला, पत्नी बीरसेन सिंह, यह घोषणा करती हूँ कि मैं अपने चार बेटों, पहले बेटे अमित कुमार, उसकी पत्नी ज्योति और दूसरे बेटे अनिल कुमार, उसकी पत्नी रितु, तीसरे बेटे नवीन कुमार, उसकी पत्नी किरण और चौथे बेटे संदीप कुमार, उसकी पत्नी मीनू को मेरे सभी चल/अचल/पैट्रिक संपत्तियों/संपत्तियों से दोनों के गलत व्यवहार के कारण बेदखल करती हूँ। भविष्य में पैसे या लेनदेन और पुलिस केस और आपराधिक गतिविधि अवैध/कानूनी और संपत्ति के उद्देश्यों से दोनों द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कार्यों के लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूँगी। पता डी-67, गली नंबर-2/8, डी-ब्लॉक, ईस्ट गोकुल पुर, अमर कॉलोनी, दिल्ली-110094 चारो को स्थित मेरे परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया जाए।

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे मुवक्किल श्रीमति सुदेश पाहुजा पत्नी स्व0 श्री एस0 एल0 पाहुजा, निवासी 204, प्लॉट न0 3, डी-ब्लॉक, आनंदम रेसिडेंसी, पालम कुंज, द्वारका, सैक्टर-7, पालम एक्सटेन्शन, साउथ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110077 ने अपने पुत्र कार्तिक पाहुजा को उनके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी सभी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और उनसे अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिये है यदि कोई भी व्यक्ति भविष्य में उनसे कोई भी लेन-देन करता है तो वह स्वय इसका जिम्मेदार होगा एवं मेरे मुवक्किल का इससे कोई लेना-देना नहीं होगा।
ARJUN SHARMA Advocate
CH. NO. 837, DWARKA COURTS,
SEC-TO, NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE
Notice to public in general that my client Sh. Umesh Kumar Grover s/o Late Amarnath Grover r/o 11/55, Ground Floor, Back Side, Subhash Nagar, New Delhi -110027 has severed his relations and debarred his son Mohit Grover from all his movable/immovable property because of his bad behaviour. If anybody deals with him will be at their own risk & responsibility.
Jai prakash singh Advocate
Dwarka Court Delhi -110075

NAME CHANGE
I, PUSHPA Mother of No-919155-T, Rank-SGT, Name-NITHIN SP residing at 42 AYYAN ENCLAVE, 5th MAIN, 6th CROSS, VALLABHANAGARA UTTARAHALLI, BENGALURU SOUTH, PO-SUBRAMANYAPURA, DIST-BENGALURU, KARNATAKA-560061 have changed my name from PUSHPA to PUSHPAVATHI BL for all future purposes vide Affidavit dated 07/07/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती आयशा बानो निवासी मकान संख्या जे-3/100/6, संगम विहार, नई दिल्ली-110080 ने अपने बेटे आसिम अली बहू श्रीमती यसमीन और पोते अरहान अली, को अपनी सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, व अपने सभी सबंध उनके गलत आचरण, गलत व्यवहार व आज्ञाहीन होने के कारण समाप्त कर दिये है, यदि कोई भी व्यक्ति उनके साथ किसी भी प्रकार का कोई भी व्यवहार या लेंन देंन करता है, तो मेरे उपरोक्त मुवक्किल की किसी भी प्रकार की ि?म्मेदारी नहीं होगी, वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा ।
VIMLESH YADAV ADVOCATE
CHAMBER NO.125,
PATIALA HOUSE COURTS
NEW DELHI-110001

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I PRATAP SINGH S/O GOPAL SINGH R/O F-107. NEAR GUMBAD, VTC KATARIYA SARAI, DISTT SOUTH WEST DELHI, DELHI-110016 declare that name of my wife has been wrongly written as LAXMI DEVI in my minor son namely PRIYANSHU RAWAT aged 17 years in his 10th class and name of mine and my wife have been wrongly written as PRATAP RAWAT and LAXMI RAWAT in his 12th class educational documents. The actual name of mine and my wife are PRATAP SINGH and LAXMI respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SAGARIKA PRADHAN WIFE OF LATE SHRI BANSIDHAR JENA RESIDENT OF A-904, NAVNIRMAN APARTMENT, PLOT NO. 6A, SECTOR-2, SOUTH WEST DEHI-110075, declare that name of mine has been wrongly written as SAGARIKA in my husband PPO NO-501200300037. And name of my husband has been wrongly written as B JENA in my Aadhar Card-674513999450. The actual name of mine and my husband are SAGARIKA PRADHAN and BANSIDHAR JENA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Kumar Kunal S/o Mahendra SIngh, Resident at: AH- 406, Amrapali Village Apartments, Kala Pathar Road, Nyay Khand-2, Indirapuram, Ghaziabad (U.P.)- 201014 have changed my name and shall hereafter be known as Kunal Singh.

NAME CHANGE
I Abhishek Gupta S/o Ramkishore Gupta R/o Flat No-204, Tower-F, Ace City, Sector -1, Greater Noida West, Bishrakh, PO: I.A. Surajpur Dist: Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201306 have changed the name of my minor Son Arha Gupta aged 11 years and he shall hereafter be known as ARHANSH GUPTA .

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **1) विपिन राय, पुत्रः जय नारायण, पताः म.नं. बी–6/38बी, एमवी–III, दिल्ली और आरसी 103/ए80, प्रकाश नगर, खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 2) सतेंद्र, पुत्रः स्व. हरि चंद, पताः आरसी 873, गली नं. 4, प्रकाश नगर, खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 1102/2015, dated 30.11.2015, U/s 279/337 IPC & Sec 185 MV Act, पुलिस थाना गाजीपुर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1) विपिन राय, 2) सतेंद्र** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्षित कर दिया गया है कि उक्त **1) विपिन राय, 2) सतेंद्र** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1102/2015, dated 30.11.2015, U/s 279/337 IPC & Sec 185 MV Act, पुलिस थाना गाजीपुर, दिल्ली** के अभियुक्त **1) विपिन राय, 2) सतेंद्र** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03
पूर्वी जिला, कमरा नं. 16
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8812/ED/2025

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अरावली पहाड़ी पर मिला युवक का रक्तरंजित शव

गुरुग्राम। सोहना खंड क्षेत्र में अरावली की पहाड़ियों पर एक युवक का शव मिला है। युवक की आंखों पर पट्टी और उसके हाथ पीछे की तरफ बंधे थे और उसका गला तेज धार हथियार से रेता गया था। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है।शव के पास चूड़ियां पड़ी मिलीं। पुलिस युवक की हत्या को प्रेम प्रसंग से जोड़कर देख रही है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि सोहना खंड क्षेत्र में अरावली की पहाड़ी में अंसल प्रॉपर्टीज के सुरक्षा गार्ड ने एक युवक का शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके से 22 साल के युवक का खून से लथपथ शव को पोस्टमार्टमके लिए भेज दिया। पुलिस को आशंका है कि टी-शर्ट व निक्कर पहने युवक की हत्या प्रेम प्रसंग के चलते हुई है। पुलिस के अनुसार मृतक की आंखों पर पट्टी बंधी थी और उसके हाथ पीछे कमर की तरफ चुन्नी से बंधे हुए थे। पास में ही कुछ टूटी हुई चूड़ियां पड़ी थी। पुलिस के अनुसार युवक की उसी स्थान पर हत्या की गई है। इसकी जांच की जा रही है। मौके पर फोरेंसिक टीम व फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को बुलाया गया। सभी तरह से जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया गया। एसीपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि हत्या के इस मामले में आरोपितों की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। मृतक युवक की शिनाख्त भी नहीं हो पाई है।

सरकारी विभागों की जमीनों पर भू माफिया का कब्जा हटवाएगी सरकार

चंडीगढ़। जमीनों पर हो रहे अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई करने वाले सरकारी विभागों की अपनी ही जमीनों पर भू माफिया ने अवैध कब्जे कर लिए हैं। प्रदेश में सबसे अधिक कब्जे ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों की जमीनों पर किए गए हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 24 विभागों से अवैध कब्जों की रिपोर्ट तलब की है। विभाग की ओर से 2018 से हटाए गए कब्जों की जानकारी भी मांग की है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव ने 24 विभागों को पत्र लिखकर अवैध अतिक्रमण का ब्योरा मांगा है। विभागों को भेजे पत्र में वित्तायुक्त की ओर से राजस्व विभाग के वेब पोर्टल पर विभागों व संस्थानों से संबंधित भूमियों पर अवैध कब्जों की जानकारी न देने पर भी नाराजगी जताई है। विभाग की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि उन अवैध कब्जों की जानकारी दी जाए, जिन मामलों में कोर्ट में केस दायर नहीं किए गए हैं। उन पर पीपी एक्ट 1972 या किसी अन्य न्यायोचित धारा के अधीन केस दायर करवाया जाए। इसके साथ ही अपने-अपने विभागों व संस्थानों की सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने बारे कार्रवाई करते हुए विभाग को तुरंत अवगत कराया जाए। इसके साथ वित्तायुक्त ने वर्ष 2018 से लेकर अब तक कितने अतिक्रमण हटाए गए हैं और उसका कुल रकबा कितना है, इसकी भी रिपोर्ट मांगी है। राजस्व विभाग की ओर से पशुपालन एवं डेयरी विभाग के महानिदेशक को पत्र लिखकर जानकारी मांगी है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित अस्पतालों पर कितने अवैध कब्जे हैं और कितनों को हटाया गया है।

नर्सरी कक्षा के बच्चों का भी एमआईएस पोर्टल पर जनरेट हो रजिस्ट्रेशन नंबर

चंडीगढ़। हरियाणा के प्राइवेट स्कूल संघ ने नर्सरी कक्षा के बच्चों का भी एमआईएस पोर्टल पर स्टूडेंट्स रजिस्ट्रेशन नंबर जनरेट करने का ऑप्शन देने की मांग करते हुए शिक्षा निदेशक को एक पत्र लिखा है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने बताया कि प्राइवेट स्कूलों में एमआईएस पोर्टल पर ऑनलाइन एडमिशन बाल वाटिका थर्ड से आरंभ होते हैं, जिनकी उम्र साढ़े चार वर्ष होती है। उनका ऑनलाइन पोर्टल पर स्टूडेंट्स रजिस्ट्रेशन नंबर जनरेट होता है, लेकिन नर्सरी कक्षा यानी तीन से चार वर्ष के बच्चे का एमआईएस पोर्टल पर एसआरएन जनरेट नहीं होता है। निःशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के सेक्शन 12(1)(सी) के प्रावधान अनुसार मान्यता प्राप्त स्कूलों को अपने विद्यालय की एंट्री लेवल कक्षा में कुल दाखिल सीटों की 25 फीसदी सीटें दिखानी अनिवार्य हैं। अधिकतर प्राइवेट स्कूलों में एंट्री कक्षा नर्सरी से शुरू होती है जिसमें तीन से चार वर्ष तक के बच्चे का दाखिला किया जाता है लेकिन इस उम्र के बच्चों का एमआईएस पोर्टल पर स्टूडेंट्स रजिस्ट्रेशन नंबर जनरेट का कोई फीचर नहीं दिया गया है। इसलिए इनका दाखिला ऑनलाइन ही किया जाता है।

पलवल में 11 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म,हालत गंभीर

पलवल। पलवल में एक किरायदार युवक द्वारा 11 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। दोपहर पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद आरोपी ने बच्ची के कपड़े फाड़ दिए और गंभीर हालत में उसे छोड़कर माता-पिता को फोन कर अस्पताल ले जाने की सूचना दी। तत्काल माता-पिता ने बच्ची को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी किराए के कमरे में अकेले रहता था और इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के परिवार ने बताया कि आरोपी पहले भी बच्ची के साथ अभद्र व्यवहार करता था, जिसकी शिकायत भी की गई थी। पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी है और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

प्राकृतिक खेती से तैयार फसल को खरीदने के लिए सरकार ने गुरुग्राम में स्थापित की अनाज मंडी : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों द्वारा पैदा की फसल को खरीदने के लिए प्रदेश सरकार ने गुरुग्राम में अनाज मंडी तैयार की है। अनाज मंडी में फसल की क्वालिटी चैक करने के लिए एक लैब स्थापित की गई है। लैब में क्वालिटी तय होने के बाद गठित की गई कमेटी द्वारा फसल का भाव तय कर उसको खरीदा जाएगा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र, लाडवा में आयोजित 7वें फल उत्सव मेले में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने फल केंद्र परिसर में आम का पौधा रोपित किया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने बागवानी क्षेत्र के प्रगतिशील 10 किसानों को 5100 रुपए, ट्राफी और

प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही मेले में लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर आम की किस्म के बारे में विशेषज्ञ से जानकारियां प्राप्त की। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश में एक लाख एकड़ में प्राकृतिक खेती करके फसलों को तैयार किया जा सके। अब तक 10 हजार एकड़ में किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती की जा रही है, ये दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में लाडवा में इंडो इजराइल तकनीक के तहत उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र स्थापित किया गया था। इस केंद्र की 10 हजार पौधों से शुरुआत हुई थी, अब प्रतिवर्ष 1 लाख पौधों की पौध किसानों के लिए तैयार की जा रही है। साथ ही आम, लीची, नाशपाती, आड़ू व चीकू सहित छह फसलों पर अनुसंधान किया जा रहा है। इसके फल केंद्र में वैज्ञानिकों द्वारा एक ऐसा आम का पेड़ तैयार किया जा रहा है, जिसके फल की मार्केट में करीब 1 लाख रुपए प्रति किलो कीमत मिल सकती है। साथ ही एक पौधे को छह कलमों से तैयार करके छह प्रकार के फल एक ही पेड़ से प्राप्त किया जा रहे हैं। श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने और परंपरागत खेती में बदलाव लाने के लिए प्रदेश में ऐसे 17 केंद्र खोले जाने हैं, जिनमें से 11 बनकर तैयार हो चुके हैं।

जल्द ही अंबाला में लीची और स्ट्रॉबेरी के लिए यमुनानगर में उप केंद्र स्थापित किया जाएगा। किसानों के लिए गेहूं और धान की फसल के अलावा बागवानी, मछली पालन, मधुमक्खी पालन, डेयरी व अन्य फसलों को अपनाने की जरूरत हैकृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार किसानों के लिए योजनाएं बना रही है। योजना बनने के बाद किसानों की तरफ से जो समस्या, दिक्कत सामने आती है, उसे उसी हिसाब से योजना में परिवर्तन करके किसानों को लाभ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि देश में किसान महत्वपूर्ण कड़ी है।

ट्रेड यूनियनों की हड़ताल को मिला रिटायर्ड कर्मचारी संघ का समर्थन

एजेंसी

यमुनानगर। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा जिला कार्यकारिणी की बैठक संघ कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 9 जुलाई की राष्ट्रीय हड़ताल के समर्थन में बढ़चढ़कर भागेदारी करने का निर्णय लिया गया। जिला प्रधान जोत सिंह ने बैठक के दौरान बताया कि लम्बे समय से देश में हर वेतन आयोग की रिपोर्ट अनुसार कर्मचारियों के साथ-साथ रिटायर्ड कर्मचारियों को नियमानुसार पैंशन बढौतरी मिलती आ रही है। कहीं कोई भेदभाव रिटायर्ड कर्मचारियों के साथ नहीं हुआ। लेकिन अब केन्द्र सरकार द्वारा मार्च में संसद में वित्त विधेयक 2025 पास किया है जो 31 दिसम्बर 2025 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को वेतन संसोधान के लाभ से वंचित करता है। उन्हें न्यायालय में भी अपील करने का अधिकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारियों को मुफ्त यात्रा व इलाज की घोषणा केवल आडम्बर है, बल्कि पेंशन पर सरकार की नजर है। विरोध स्वरूप देश के सभी जिला में पहले भी भारी संख्या में विरोध प्रदर्शन करके प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री को ज्ञापन के माध्यम से सचेत किया गया। केन्द्र सरकार पहले ही 18 माह का महंगाई भत्ते का बकाया देने से इनकार कर चुकी है,ऐसी स्थिति में अब आन्दोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारी संघ 15 जुलाई 2025 को जिला उपायुक्त कार्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करके प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। अगर इसके बाद भी केन्द्र सरकार ने पैंशन संबंधी वित्त विधेयक वापिस नहीं लिया तो 17 सितम्बर को नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर अखिल भारतीय विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

कुरुक्षेत्र में बनेंगे गीता के 18 अध्यायों से जुड़े द्वार

एजेंसी

चंडीगढ़। धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र को नई पहचान दिलाने की कवायद में लगी प्रदेश सरकार ने यहां गीता के 18 अध्यायों पर आधारित द्वार बनवाने का फैसला किया है। इसके अलावा गीता के प्रति श्रद्धालुओं व पर्यटकों का जुड़ाव बढ़ाने के लिए गीता स्टडी, मेडिटेशन और रिसर्च सेंटर बनाया जाएगा। हाल ही में हुई कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की 82वीं बैठक में लिए गए फैसलों पर अमल करने का काम अब शुरू हो गया है। नई योजना के अनुसार धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में गीता के 18 अध्यायों पर 18 भव्य द्वार बनाए जाएंगे। फिलहाल, पिपली गीता द्वार और सन्निहित सरोवर सूर्य द्वार बनाए गए हैं। राज्यपाल की मौजूदगी में हुई बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड को सभी द्वार बनाने की योजना का ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन जगहों को भी चिह्नित किया जाएगा, जहां पर यह द्वार बनाए जाएंगे। इन स्थानों में

पिहोवा रोड ज्योतिसर, कुरुक्षेत्र-कैथल मार्ग, झांसा रोड व सेक्टर-3 बाईपास सहित कई अन्य स्थान हैं। सरकार ने अष्टकोशी परिक्रमा के पुनरुद्धार के निर्देश दिए हैं। कुरुक्षेत्र के बाहरी मोहल्ला स्थित प्राचीन नाभि कमल मंदिर से अष्टकोशी परिक्रमा शुरू होती है। अब परिक्रमा मार्ग का जीर्णोद्धार किया जाएगा, साथ ही श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए शेल्टर और पीने के पानी की व्यवस्था सहित अन्य प्रबंध किए जाएंगे। 48 कोस तीर्थ निगरानी कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने इस योजना की पुष्टि करते हुए कहा कि गीता के 18 अध्यायों पर आधारित 18 गीता द्वार बढ़ने से धर्मनगरी की सुंदरता तो बढ़ेगी।

सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर उठाए कठोर कदम : डॉ. सुशील गुप्ता

एजेंसी

यमुनानगर। आम आदमी पार्टी के संगठन विस्तार को लेकर जिला स्तरीय बैठक का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता की अध्यक्षता में जगाधरी में किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संगठनात्मक मजबूती, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आगामी रणनीतियों पर चर्चा करना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि हरियाणा में आआपा जन-जन तक पहुंच बनाने के लिए संगठित ढंग से कार्य कर रही है। सभी जिलों में नए अध्यक्ष नियुक्त किए जा चुके हैं। हमारी प्राथमिकता एक मजबूत, स्वच्छ और जनसेवी संगठन का निर्माण है। उन्होंने बढ़ते अपराध और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि जिले में आए दिन गोलियां चल रही हैं, शराब के ठेकों की नीलामी में अपराधियों की दखल चिंता का

विषय है। सरकार को कानून व्यवस्था पर तुरंत कठोर कदम उठाने चाहिए।प्रदेश संगठन मंत्री आदर्श पाल सिंह ने कहा कि डॉ. सुशील गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी हरियाणा में तेज़ी से विस्तार कर रही है। जिले के हर ब्लॉक और गाँव का दौरा कर एक समर्पित टीम बनाकर संगठन को जमीनी स्तर पर मज़बूती प्रदान करेंगे।

दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम से निजात दिलाने के लिए उपायुक्त ने किया दौरा

एजेंसी

पलवल। जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बघौला में आम जनमानस को जाम से निजात दिलाने के लिए गंभीरता से मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि यहां जाम की समस्या को खत्म करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएं। प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग मिलेगा। साथ ही उन्होंने सावन मास की कांवड़ यात्रा के लिए भी सुगम मार्ग उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने पुलिस व प्रशासनिक और विभागीय अधिकारियों को साथ लेकर बघौला का दौरा किया। उन्होंने विस्तार से बघौला को जाम रहित बनाने पर गंभीरता से मंथन किया। समाधान के लिए उन्होंने पुलिस-प्रशासन व विभागीय अधिकारियों के अलावा बघौला के सरपंच तथा ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा की। गांव का गंदा पानी किसी भी स्थिति में सड़कमार्ग पर नहीं आना चाहिए। इसके लिए जनस्वास्थ्य विभाग तथा

उन्होंने जामग्रस्त क्षेत्र में पूरे सड़क मार्ग का दौरा करते हुए हर संभावित समाधान पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि भारी व हलके वाहनों के लिए अलग-अलग लेन बनाने की संभावना की पूर्ण जांच करें। उपायुक्त डा. वशिष्ठ ने निर्देश दिए कि पंचायती विभाग हर जरूरी कदम उठाएं, जिसमें एनएचएआई को पूर्ण सहयोग दिया जाए। गंदे पानी के जमावड़े के कारण सड़क पर गड्ढे हो जाते हैं, जिसके कारण जाम की स्थिति पैदा होती है। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने एनएचएआई के अधिकारियों को भी कड़े शब्दों में जाम की समस्या के समाधान के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएआई के पीडी को निर्देश दिए कि वे सड़क मार्ग की प्रोजेक्ट रिपोर्ट उन्हें प्रेषित करते हुए निर्धारित समयावधि में काम करवाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि फिलहाल सावन मास की कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत अस्थाई तौर पर जरूरी प्रबंध करें।

कांवड यात्रा को सुगम बनाने के लिए फ्लाईओवर से कांवड़ यात्रा को गुजारने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, अतिरिक्त उपायुक्त जयदीप कुमार, एसडीएम ज्योति संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

ऐप पर टास्क पूरा कर रुपये कमाने का प्रलोभन देकर की ठगी

एजेंसी

गुरुग्राम। व्हाट्सऐप के माध्यम से लिंक भेजकर ऐप पर टॉस्क पूरा करके रुपए कमाने का प्रलोभन देकर धोखाधड़ी से ठगी करने के मामले में तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साइबर अपराध थाना मानेसर मनोज कुमार ने बताया कि ठगी गई राशि में से 25 हजार रुपये आरोपी के खाते में ट्रांसफर हुए थे। पुलिस के अनुसार एक महिला ने 15 अप्रैल 2025 को पुलिस थाना साइबर अपराध मानेसर को एक लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में कहा था कि उसके पास वाट्सऐप पर एक लिंक आया था। लिंक में टास्क पूरा करके रुपये कमाने की बात कही गई थी। रुपये कमाने का प्रलोभन देकर उससे ठगी कर ली गई। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू की। साइबर अपराध थाना मानेसर के निरीक्षक मनोज कुमार की पुलिस टीम ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उन्होंने गुरुग्राम से काबू किया गया है। आरोपियों की पहचान नरेश गोठवाल निवासी गांव बोनावास, कोटपुतली (राजस्थान), सोनू निवासी वीर तेजाजी नगर जिला कोटपुतली (राजस्थान) व विजय कुमार निवासी गांव बडनगर जिला कोटपुतली (राजस्थान) के रुप में हुई।पुलिस जांच व आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि ठगी की राशि में से 25 हजार रुपये आरोपी नरेश (खाताधारक) के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। आरोपी नरेश ने अपना बैंक खाता आरोपी विजय को छह हजार रुपए में बेचा था। आरोपी विजय ने यह बैंक खाता आरोपी सोनू को 10 हजार रुपए में बेचा था।

हरियाणा पहुंचे बृज भूषण शरण ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित,खापों ने जताया विरोध

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के चरखी दादरी जिला के गांव बौंद कलां में सरपंच अतर सिंह ने अपनी बेटी रचना परमार उर्फ भंभो के वियतनाम में आयोजित अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने की उपलब्धि पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

गांव बौंद कलां में यह कार्यक्रम राजपूत सभा ने रखा था लेकिन कई खाप पंचायतों और किसान संगठनों ने इस कार्यक्रम में बृजभूषण शरण सिंह के बुलाने का विरोध किया था। फोगाट खाप का कहना था कि बृजभूषण के खिलाफ विनेश फोगाट की अगुआई में पहलवानों ने आंदोलन किया था। उनके आने से आपसी भाईचारा खराब होगा। रोहतक की नेहरा खाप ने भी विरोध किया। वहीं राजपूत सभा ने चेतावनी दी थी कि अगर असामाजिक तत्व विरोध करने पहुंचे तो इनका इलाज रविवार सुबह 11 बजे हुई। इससे पहले गांव में रचना परमार को गाड़ी में बैठाकर एक विजय यात्रा निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक

किया जाएगा। इस कार्यक्रम में महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा सीट से सांसद धर्मबीर सिंह और चरखी दादरी के विधायक सुनील सांगवान को भी बुलाया था। सांसद धर्मबीर व विधायक सुनील सांगवान कार्यक्रम में पहुंचे थे मगर ये बृजभूषण शरण सिंह के आने से पहले ही अपना संबोधन कर चले गए। कार्यक्रम में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भाग लिया। समारोह में सांसद धर्मबीर सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और कम भीड़ को देखकर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने घोषणा की कि बलाली खेल स्टेडियम में 21 लाख रुपये की लागत से सुविधाओं का विकास किया जाएगा। समारोह में विधायक सुनील भी मौजूद रहे और उन्होंने रचना को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जेट एयरवेज के पूर्व सीईओ ने प्रधानमंत्री तक पहुंचाई गुरुग्राम की गंदगी की तस्वीरें

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम की गंदगी को लेकर शासन-प्रशासन को सिर्फ विपक्ष के नेता ही घेरते थे, लेकिन अब एयरलाइंस कंपनी जेट एयरवेज के पूर्व सीईओ ने भी यहां की बदहाली को वीडियो जारी करके कमेंट किया है। कमेंट के साथ उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी शिकायत भेजी है। उन्होंने पीएम से अपील की है कि वे हस्तक्षेप करें। पांच जुलाई की रात को जेट एयरवेज कंपनी के पूर्व सीईओ संजीव कपूर गुरुग्राम में थे। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर सेक्टर-44 क्षेत्र में सड़क के किनारे फैले कूड़े-कचरे की तस्वीरें सांझा कीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने कमेंट में लिखा कि-महीनों बाद स्थिति पहले से बदतर हो गई है। शर्म की बात है। उन्होंने तस्वीरें नगर निगम गुरुग्राम, डीसी गुरुग्राम व सीएम कार्यालय हरियाणा को शेयर करते हुए कहा कि उनको न तो इस धरती का सम्मान है। न टैक्स देने वाले नागरिकों का और न ही गायों का और आप हरियाणा को डिज्नीलैंड बनाना चाहते हैं। हास्यास्पद। इस कमेंट से उन्होंने गुरुग्राम की बदहाली को दिखाने का काम किया है। संजीव कपूर ने ये तस्वीरें प्रधानमंत्री मोदी को भी टैग की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है, ताकि गुरुग्राम को सुधारा जा सके। उन्होंने पीएम को टैग की गई तस्वीरों के साथ लिखा है-नरेंद्र मोदी जी, कृपया कुछ कीजिये। स्वच्छ भारत। संजीव कपूर ने एक पोस्ट में लिखा कि-बाबुओं की यह कहने की हिम्मत कि हम एक ऐप बना रहे हैं। उसके जरिए हमें कचरे की तस्वीरें और स्थान भेजें। उन्होंने इस सुझाव का मजाक उड़ाते हुए कहा कि क्या वे आंखों पर पट्टी बांधकर गाड़ी चलाते हैं? मुझे यकीन है कि ऐप लॉन्च की धूम मचेगी और फिर वे काम पूरा होने पर विचार करेंगे। इससे साफ है कि अधिकारियों द्वारा कैसे तकनीकी समाधानों के नाम पर वास्तविक समस्याओं को टाला जा रहा है।जेट एयरवेज के पूर्व सीईओ संजीव कपूर की ओर से गुरुग्राम में फैली गंदगी पर सवाल खड़े करने के बाद लोग भी सक्रिय हो गए। उनकी पोस्ट पर अनेक लोगों ने रिप्लाई करते हुए गुरुग्राम नगर निगम पर गुस्सा निकाला।

आईएमटी रोजका मेव क्षेत्र के विकास में सभी स्थानीय निवासी बने सहयोगी- उपायुक्त

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के साथ आईएमटी रोजका मेव क्षेत्र के आसपास के करीब नौ गांवों के किसानों, सरपंचों व अन्य स्थानीय लोगों ने उनके कैंप कार्यालय में बैठक की और सभी ने इस क्षेत्र के विकास में जिला प्रशासन को सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बैठक में आश्वासन दिया कि वे हर प्रकार से यहां पर शांति व विकास के पक्षधर हैं। उपायुक्त ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि आईएमटी क्षेत्र के विकास को लेकर जिला प्रशासन व किसानों के बीच लगातार संवाद जारी रहा है। इसी क्रम में आज इस क्षेत्र के किसानों व आसपास के गांवों के सरपंचों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जो लगभग ढाई घंटे चली। बैठक में 9 गांवों के किसानों, सरपंचों व उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए। उपायुक्त ने बताया कि इससे पहले भी मार्च, मई, जून महीने में व बीते दिन भी बैठक कर किसानों को सरकार की योजनाओं और निर्णयों से अवगत कराया गया है?। औद्योगिक विकास, स्थानीय युवाओं को रोजगार, क्षेत्र में फैक्ट्रियों की स्थापना, रेंट इनकम व 75 प्रतिशत स्थानीय रोजगार सुनिश्चित करने जैसी बातों को लेकर कुछ किसान बार-बार सरकारी कार्य में बाधा डाल रहे हैं, जो विकास में रुकावट बन रहा है। वहीं, अधिकांश स्थानीय किसान क्षेत्र के समावेशी विकास, भाईचारा, और शांति के पक्ष में हैं। यहां पर कब्रिस्तान और खेल मैदान

सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुआवजा पहले ही वितरित किया जा चुका है और न्यायालय का निर्णय भी आ चुका है, ऐसे में उस विषय पर अब चर्चा की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। फिर भी अगर कोई नई मांग या सुझाव आता है, तो प्रशासन उसे गंभीरता से सुनने को तैयार है। उपायुक्त ने कहा कि जैसी मांगों पर कार्य पहले ही प्रारंभ किया जा चुका है। उपायुक्त ने इस दौरान सभी से अपील की कि सभी पक्ष मिलकर इस क्षेत्र के विकास में सहभागी बनें और युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए सहयोग करें। स्थानीय निवासी हर प्रकार से इस क्षेत्र में शांति बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी बाहरी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

देशी ढाणी रेस्टोरेंट पर पहुंचे मीनू बेनीवाल बोले, हरियाणा ओलंपिक खेलों की तैयारी हो गई शुरू

एजेंसी

बहादुरगढ़। हरियाणा ओलंपिक संघ की एजीएम के बाद अब सालों से लटके हरियाणा ओलंपिक खेलों की तैयारी शुरू हो गई है। जिलावार खिलाड़ियों का डाटा तैयार किया जा रहा है ताकि हरियाणा ओलंपिक खेलों के वक्त खिलाड़ियों की सुविधा और अकोमेडेशन की प्रॉपर व्यवस्था हो सके। हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने बताया कि जिला वाइज खेल सुविधाओं और स्टेडियमों की स्थिति भी जांची जा रही है ताकि जिस जिले में जिस खेल के खिलाड़ी और सुविधा बेहतर पाई जाएगी वहां उस खेल का आयोजन करवाया जा सके। मीनू बेनीवाल बहादुरगढ़ की देशी ढाणी रेस्टोरेंट पर पहुंचे थे। यहां हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री ने उनका स्वागत किया। अनिल खत्री के साथ हरियाणा ओलंपिक खेलों को लेकर चर्चा भी की। मीनू बेनीवाल ने बताया कि जूनियर गेम्स के लिए लड़के और लड़कियों की फुटबाल टीम के चयन ट्रायल्स भी पूरे हो गए हैं। पहली बार स्वतंत्र रूप से सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी माहौल में फेयर ट्रायल्स हुए हैं और जल्द टीम की घोषणा हो जाएगी। मीनू बेनीवाल ने बताया की खेल संघों के विवादों की स्थिति में हरियाणा ओलंपिक संघ नियमों के तहत दखल देता है क्योंकि जो भी खेल संगठन हरियाणा ओलंपिक संघ से एफिलिएटेड है उसके विवाद की स्थिति में एडहॉक कमेटी का गठन सरकार की अनुमति से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विवाद की स्थिति में एडहॉक कमेटी के गठन की अंडरटेकिंग मान्यता के समय सम्बंधित एसोसिएशन देती है। मीनू बेनीवाल ने बताया कि एडहॉक कमेटी में अर्जुन अवार्डी, खेल शिक्षक-प्रशिक्षक और महिला प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाएगा। मीनू बेनीवाल ने बताया कि हरियाणा ओलंपिक संघ अब न केवल 2036 ओलंपिक के लिए बल्कि उससे पहले 2028 और 2032 ओलंपिक खेलों के मद्देनजर भी अपनी तैयारी कर रहे हैं और कहे और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रहे हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 40 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.90 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरुआत के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे टूटकर 85.66 प्रति डॉलर पर खुला। अमेरिका के अपने व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क बढ़ोतरी की समय-सीमा नौ जुलाई से पहले नए समझौते करने का दबाव रविवार को बढ़ा दिया और देशों को धमकी दी है कि एक अगस्त से उच्च शुल्क लागू हो सकते हैं। इससे रुपये पर और दबाव पड़ेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.53 पर खुला। बाद में 85.66 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 26 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 85.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 97.08 पर आ गया।

बीई 6 और एक्सईवी 9ई इलेक्ट्रिक एसयूवी की डिलेवरी होगी जल्द

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने बीई 6 और एक्सईवी 9ई एसयूवीएस के पेक टू वेरिएंट की डिलीवरी जुलाई के अंत से शुरू करने की घोषणा की है। इन मॉडलों में अब 79केडब्ल्यूएच बैटरी पैक का विकल्प मिलेगा, जो लगभग 500 किलोमीटर की वास्तविक ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम है।बीई 6 की एक्स-शोरूम कीमत 59केडब्ल्यूएच बैटरी के लिए रुपए 21.90 लाख और 79केडब्ल्यूएच बैटरी के लिए रुपए 23.50 लाख रखी गई है। वहीं एक्सईवी 9ई की कीमत 59केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ रुपए 24.90 लाख और 79केडब्ल्यूएच वेरिएंट के लिए रुपए 26.50 लाख तय की गई है। महिंद्रा ने इन इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को केवल बैटरी रेंज ही नहीं बल्कि प्रीमियम फीचर्स से भी लैस किया है। इनमें 16-स्पीकर हार्मन कार्डन साउंड सिस्टम विद डोल्बी अटमास, फुल ग्लास रूफ और लेवल 2 अडास जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। एक्सईवी 9ई में ट्रिपल स्क्रीन 'सिनेमास्कोप' डिस्प्ले है जबकि बीई 6 में मोटरस्पोर्ट-प्रेरित डिजिटल कॉकपिट मिलता है। बीई 6 पेक टू अब और प्रीमियम हो गया है क्योंकि इसमें सेज लेदरट इंटीरियर्स और आइवरी रूफ लाइनिंग जैसे फीचर्स भी शामिल किए गए हैं जो पहले केवल महंगे वेरिएंट में मिलते थे। कंपनी ने ग्राहकों को यह विकल्प भी दिया है कि वे पहले से बुक किए गए वेरिएंट को 79केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प में अपग्रेड कर सकते हैं।

ब्रिक्स देशों पर ट्रंप की चेतावनी-अमेरिका-विरोधी नीतियां अपनाने पर 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगेगा

न्यूयॉर्क।

ब्रिक्स समूह की अमेरिका-विरोधी नीतियों की आलोचना करते हुए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि ऐसे किसी भी देश पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा जो इन नीतियों से जुड़ता है। यह बयान उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर रविवार रात को दिया। ट्रंप ने लिखा` कि ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले किसी भी देश पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। इसमें कोई अपवाद नहीं होगा। अमेरिका सोमवार, 7 जुलाई से दोपहर 12 बजे (पूर्वी समयानुसार) से विभिन्न देशों को टैरिफ और समझौतों से संबंधित औपचारिक पत्र भेजेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ब्रिक्स समूह का 17वां शिखर सम्मेलन 6-7 जुलाई को ब्राजील में हो रहा है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा हाल ही में शामिल हुए मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया के नेता भाग ले रहे हैं।

देश के प्रमुख 8 शहरों में कार्यालय पट्टा मांग होगी नौ करोड़ वर्गफुट के पारः सीएंडडब्ल्यू

पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की मांग बढ़ी

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड (सीएंडडब्ल्यू) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष आठ शहरों में कार्यालय स्थलों की सकल पट्टा मांग वर्ष 2025 में नौ करोड़ वर्ग फुट को पार कर जाएगी।

कोविड-19 महामारी के बाद भी भारतीय कार्यालय बाजार में मजबूती का दौर जारी है और यह तेजी से वृद्धि कर रहा है। कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से जून 2025 के बीच इन आठ शहरों में कार्यालय पट्टा मांग 4.17 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में बढ़ी है। पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की मांग में इजाफा देखने को मिला, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में थोड़ा कमी आई है। 2024 में इन शहरों में कुल पट्टा मांग 8.9 करोड़ वर्ग फुट थी। कुशमैन एंड वेकफील्ड ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा नौ करोड़ वर्ग फुट के पार हो जाएगा, जो भारतीय कार्यालय बाजार के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगा। कंपनी के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 'टेनेंट रिप्रेजेंटेशन' प्रभाग के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि भारत का कार्यालय बाजार मजबूत आर्थिक विकास के कारण वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा (बीएफएसआई), और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जो कार्यालय स्थलों की मांग को बढ़ावा दे रही है।

आधार हाउसिंग फाइनेंस ने इन्दौर में खोली पहली पूर्ण महिला-संचालित शाखा

इन्दौर।

आवास क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, आधार हाउसिंग फाइनेंस ने इन्दौर में अपनी पहली पूर्ण महिला-संचालित शाखा का शुभारंभ किया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषि आनंद ने इस शाखा के उद्घाटन पर यह जानकारी दी। ऋषि आनंद ने बताया, यह देश भर में हमारी लगभग 600 शाखाओं में से पहली ऐसी शाखा है जिसका प्रबंधन पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जाएगा। कंपनी की योजना इस वित्तीय वर्ष के दौरान भारत भर में ऐसी 12 और शाखाएं खोलने की है। उन्होंने यह भी बताया कि आधार हाउसिंग फाइनेंस की मध्य प्रदेश में वर्तमान में 46 शाखाएं हैं। राज्य में कंपनी के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियाँ (रू) फिलहाल 2,750 करोड़ हैं, और चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक इनके 3,200 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

अब सिर्फ 23.30 लाख में मिलेगा यूएई का गोल्डन वीज़ा

भारत में शुरू हुआ नामांकन आधारित नया प्लान

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार ने भारतीयों के लिए गोल्डन वीज़ा योजना में बड़ा बदलाव किया है। अब भारतीय नागरिक केवल 1 लाख दिरहम (लगभग 23.30 लाख) देकर जीवनभर के लिए दुबई का गोल्डन वीज़ा हा सिल कर सकते हैं। पहले इसके लिए कम से कम 20 लाख दिरहम (4.66 करोड़) की प्रॉपर्टी खरीदना या बड़ा कारोबारी निवेश ज़रूरी था। नई योजना नामांकन आधारित है, यानी अब वीज़ा किसी योग्य व्यक्ति को नामांकित करके भी मिल सकता है। यह योजना भारत और बांग्लादेश में पहले चरण में शुरू की गई है। भारत में इसे रेयाड ग्रुप संचालित कर रहा है, जिसकी जिम्मेदारी आवेदन प्रक्रिया और जांच की है। आवेदकों की पृष्ठभूमि की जांच की जाएगी जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग, आपराधिक रिकॉर्ड और सोशल मीडिया एक्टिविटी शामिल हैं। साथ ही देखा जाएगा कि व्यक्ति यूएई की अर्थव्यवस्था, संस्कृति, विज्ञान, व्यापार या प्रोफेशनल सेवाओं में कैसे योगदान दे सकता है। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन और वन वेस्को के वीज़ा केंद्रों के माध्यम से की जा सकती है। दुबई जाने की जरूरत नहीं होगी। इस वीज़ा के तहत व्यक्ति अपनी फैमिली, नौकर और ड्राइवर को साथ रख सकता है और किसी भी तरह का बिज़नेस कर सकता है।

शेयर बाजार सपाट बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सपाट बंद हुए। सप्ताह के पहले ही दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार आज तय दायरे में काम करता दिखा और इसमें दिन भर उतार-चढ़ाव रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंकों की हल्की तेजी के साथ 83,442.50 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह आज 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 0.30 अंकों की तेजी के साथ 25,461.30 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 12 कंपनियों के शेयर ही बढ़कर बंद हुए। वहीं शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इसी तरह, निफ्टी की 50 में से 22 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 28 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे ज्यादा 3.00 फीसदी बढ़ा जबकि बीईएल (भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड) के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.41 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों की बात करें तो आज कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 1.07 फीसदी, ट्रेंट 0.94 फीसदी, रिलायंस इंजस्ट्रीज 0.90 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.89 फीसदी, आईटीसी 0.87 फीसदी, भारती एयरटेल 0.75 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.71 फीसदी, पावरग्रिड 0.65फीसदी, एनटीपीसी 0.64 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा के शेयरों में 1.83 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.28 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.07 फीसदी, इंफोसिस 0.93फीसदी, एचसीएल टेक 0.86 फीसदी, एसबीआई 0.55 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.53फीसदी, टाइटन 0.50 फीसदी, टाटा स्टील 0.37 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.34 फीसदी गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में खुले। सेंसेक्स करीब 50 अंक की गिरावट के साथ 83,398 अंक पर खुला। निफ्टी 53.75 अंक गिरकर 25,407.25 पर खुला। वहीं निवेशकों की नजर आज अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर अपडेट पर टिकी होगी। अमेरिकी के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने रविवार को कहा कि टैरिफ 1 अगस्त से उन देशों पर लागू होंगे जिन्होंने ट्रम्प प्रशासन के साथ समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया है। निवेशक अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की तैयारी करेंगे। तिमाही सीजन इस सप्ताह शुरू होने वाला है। वहीं अमेरिकी टैरिफ लगाने की समयसीमा में बदलाव के कारण एशिया बाजारों में गिरावट देखी जा रही है। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 0.26 प्रतिशत गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.48 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 खुलने पर स्थिर रहा। इस बीच, अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था।

सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

सोने का भाव 96,395 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी ,07,446 रुपए प्रति किग्रा

नई दिल्ली।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। सप्ताह के पहले` दिन सोमवार को एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.61 फीसदी लुढ़का है, ये 96,395 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है। चांदी अभी भी एक लाख के पार कारोबार कर रही है लेकिन आज इसमें 0.91 फीसदी की गिरावट आई है। चांदी 1,07,446 रुपए प्रति किग्रा के आसपास है। कॉमेक्स पर सोना 0.84 फीसदी की तेज गिरावट के साथ 3314.40 डॉलर प्रति औंस पर है। बता दें कि अप्रैल में ट्रंप ने 10 फीसदी बेस टैरिफ और कुछ मामलों में 50 फीसदी तक का अतिरिक्त टैरिफ का ऐलान कर दिया था लेकिन बाद में इन्हें 90 दिन के लिए स्थगित कर दिया गया था, ताकि बातचीत का समय मिले। इसकी आखिरी तारीख 9 जुलाई को खत्म हो रही है। बाजार के जानकारों ने कहा कि अगर ट्रंप 9 जुलाई को ही अंतिम तिथि बनाए रखने पर जोर देते हैं और फिर से ये टैरिफ लगता है, तो डॉलर निश्चित रूप से कमजोर होगा और सोने की कीमत में उछाल आ सकता है।

जून में वाहनों की खुदरा बिक्री में 5 फीसदी वृद्धि

दोपहिया और ट्रैक्टरों की मांग में तेजी

नई दिल्ली।

जून 2025 में भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 4.84 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस महीने कुल वाहन पंजीकरण 20,03,873 इकाई रहा, जो पिछले साल जून में 19,11,354 इकाई था। यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 2,97,722 इकाई हो गई, जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री में 5 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई और यह 14,46,387 इकाई पर पहुंच गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी बढ़कर 1,00,625 इकाई रही, और वाणिज्यिक वाहनों का पंजीकरण भी 7 फीसदी बढ़कर 73,367 इकाई हो गया। ट्रैक्टरों की बिक्री सबसे ज्यादा 9 फीसदी की वृद्धि के साथ 77,214 इकाई रही। एफएडीए के एक अे धिकारी ने बताया कि भारी वर्षा और नगदी की कमी के कारण ग्राहकों की आमद प्रभावित हुई, लेकिन कुछ हद तक नई बुकिंग और प्रोत्साहन योजनाओं ने बिक्री को सहारा दिया। अप्रैल-जून तिमाही में कुल खुदरा बिक्री 5 फीसदी बढ़कर 65,42,586 इकाई हो गई। इसी अवधि में यात्री वाहनों की बिक्री 3 फीसदी, दोपहिया वाहनों की बिक्री 5 फीसदी, तिपहिया वाहनों की बिक्री 12 फीसदी और ट्रैक्टर बिक्री 6 फीसदी बढ़ी।

ट्रैवल फूड सर्विसेज का 2,000 करोड़ का आईपीओ खुला

प्राइस बैंड 1,045-1,100 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली।

मुंबई स्थित ट्रैवल क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) कंपनी ट्रैवल फूड सर्विसेज (टीएफएस) का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) सोमवार को निवेश के लिए खुल गया है। यह इश्यू 9 जुलाई 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 2,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना में है। यह एक पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) आधारित इश्यू है, जिसमें लगभग 1.82 करोड़ इक्विटी शेयर बिक्री के लिए रखे गए हैं। इसमें कंपनी की ओर से कोई नया इक्विटी इश्यू नहीं किया जा रहा है। प्रमोटर कपूर फैमिली ट्रस्ट सेलिंग शेयरहोल्डर के रूप में शामिल है। आईपीओ का प्राइस बैंड 1,045 से 1,100 प्रति शेयर तय किया गया है। लॉट साइज 13 शेयरों का है, यानी खुदरा निवेशक को कम से कम 14,300 का निवेश करना होगा। अधिकतम सीमा के तहत रिटेल निवेशक 169 शेयर (13 लॉट) यानी 1,85,900 तक निवेश कर सकते हैं।

इश्यू के तहत 50 फीसदी हिस्सा क्यूआईबीएस, 35 फीसदी रिटेल निवेशकों और 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए आरक्षित है। इश्यू से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 1,100 प्रति शेयर की दर से 600 करोड़ जुटा लिए हैं। प्रमुख एंकर निवेशकों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ, एक्सिस एमएफ, कोटक एमएफ, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, और फिडेलिटी शामिल हैं। टीएफएस एयरपोर्ट्स, रेलवे स्टेशनों और हाइवे पर फूड सर्विसेज देने वाली एक अग्रणी कंपनी है। आईपीओ को लेकर बाजार में सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है।

टाटा हैरियर ईवी को मिले 24 घंटे में 10 हजार ऑर्डर

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की नई हैरियर ईवी की 2 जुलाई से शुरू हुई बुकिंग को ग्राहकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला। इस ईवी कार के महज 24 घंटों में ही 10,000 से ज्यादा ऑर्डर दर्ज हो गए।

जबकि इस साल की शुरुआत में महिंद्रा एक्सईवी 9ई ने लॉन्च के दिन 16,900 यूनिट की बुकिंग पाई थी। टाटा ने पुणे प्लांट में इसका प्रोडक्शन भी शुरू कर दिया है। हैरियर ईवी एक बार चार्ज करने पर 622 किलोमीटर तक की सर्टिफाइड रेंज दे सकती है। इसमें दो बैटरी विकल्प हैं ङ्क 65-केडब्ल्यूएच और 75-केडब्ल्यूएच। छोटे बैटरी पैक के साथ इसकी सर्टिफाइड रेंज 538 किलोमीटर और बड़े बैटरी पैक के साथ 627 किलोमीटर (एमआईडीसी स्टैंडर्ड) है।

टाटा का सी 75 टेस्टिंग स्टैंडर्ड 65-केडब्ल्यूएच बैटरी के लिए 420ङ्क445 किलोमीटर और 75-केडब्ल्यूएच वैरिएंट के लिए 480ङ्क505 किलोमीटर तक की वास्तविक रेंज का दावा करता है।

टॉप वेरिएंट क्यूडब्ल्यूडी फॉर्मेट में डुअल मोटर और ऑल-व्हील ड्राइव सेटअप के साथ आता है, जो 622 किलोमीटर की सर्टिफाइड रेंज देता है। इसमें 540-डिग्री कैमरा फंक्शन है जो 360-डिग्री व्यू के साथ कार के नीचे का दृश्य भी दिखाता है, जिससे ऑफरोड या खराब रास्तों में ड्राइवर को मदद मिलती है। ईवी वैरिएंट में 6 मल्टी-टेरेन मोड दिए गए हैं जैसे मड, रॉक, सैंड और स्नो/ग्रास।

इसके बूस्ट मोड से यह एसयूवी 6.3 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है।

इसमें 14.5-इंच का सैमसंग नियो क्यूएलईडी इंफोटेनमेंट डिस्प्ले है, जो किसी भी टाटा कार में अब तक का सबसे बड़ा स्क्रीन है। इसमें शार्क फिन एंटीना पर एडिशनल कैमरा लगा है जिसकी फीड डिजिटल आईआरवीएम पर दिखती है और यह डैशकैम की तरह रिकॉर्डिंग भी करता है।

जेन स्ट्रीट के बहाने सेबी ने खोला हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग के खिलाफ मोर्चा

नियम को और सख्त नियम बनाने की तैयारी

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और स्टॉक एक्सचेंज जेन स्ट्रीट मामले के बाद वैश्विक हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग (एचएफटी) और क्वांट फर्मों द्वारा अपनाई जा रही ट्रेडिंग रणनीतियों की जांच का दायरा बढ़ा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि जेन स्ट्रीट मामले में तत्काल व्यापक स्तर पर नियमों का उल्लंघन नहीं देखा गया है। मगर सिटाडेल सिक्योरिटीज, ऑप्टिवर, मिलेनियम और आईएमसी ट्रेडिंग जैसी एचएफटी और क्वांट फर्में भारत में तेजी से विस्तार कर रही हैं और ट्रेड अनुबंधों के हिसाब से भारत दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव बाजार है, ऐसे में बाजार नियामक सेबी का लक्ष्य खास सतर्कता बरतनी है। जानकारों का कहना है कि सेबी और एक्सचेंज वायदा, विकल्प और कैश मार्केट में हेरफेर करने वाले ट्रेडिंग पैटर्न और कीमतों को प्रभावित करने के प्रयासों का पता लगाने के लिए निगरानी तंत्र बढ़ा रहे हैं। इससे इन फर्मों की एक्सचेंजों को अपनी रणनीतियों का खुलासा किए बिना बेहतर निगरानी संभव हो सकेगी। जेन स्ट्रीट में अगस्त 2024 में संदिग्ध ट्रेडिंग का पता चला था जिसने मौजूदा निरीक्षण तंत्र में कुछ कमजोरियों को उजागर किया है। महीनों तक जमीनी स्तर पर काम करने के बाद सेबी ने पिछले हफ्ते अमेरिकी कंपनी के खिलाफ 4,840 करोड़ रुपये का जब्ती आदेश जारी किया। यह जटिल ट्रेडिंग रणनीतियों की निगरानी की कठिनाइयों को उजागर करता है। सेबी की आंतरिक समिति ने उन्नत प्रणालियों की सहायता से ट्रेडिंग के इन प्रारूप की पहचान की और अगस्त 2024 की शुरुआत में जेन स्ट्रीट से प्रतिक्रिया मांगी थी। इस मामले ने सेबी को निफ्टी 50 और सेंसेक्स जैसे इंडेक्स में 'किलिंग वोलेटिलिटी' या 'एक्सप्लोडिंग वोलेटिलिटी' जैसी समान हेरफेर रणनीतियों की जांच करने के लिए प्रेरित किया है। हेरफेर के जोखिमों को कम करने के लिए सेबी ने हाल के महीनों में डेरिवेटिव ट्रेडिंग के कड़े नियम जारी किए हैं। इनमें ओपन इंटरेस्ट के लिए नया 'डेल्टा' कैलकुलेशन, संशोधित मार्केट-वाइड पोजीशन लिमिट और निपटान जोखिमों को कम करने के लिए दिन में कम से कम चार बार इंट्राडे मार्केट-वाइड पोजीशन लिमिट की निगरानी करना शामिल है।

मुकेश अंबानी को अब अमेरिकी एथेन से भरे जहाज का इंतज़ार

अब भारत मंगवा रहा है वो गैस जो पहले जाती थी चीन

नई दिल्ली।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर के बीच भारत को बड़ा फायदा नजर आ रहा है। एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति में शा मिल मुकेश अंबानी अब अमेरिकी एथेन से भरे जहाज का इंतज़ार कर रहे हैं, जो पहले चीन भेजा जाना था लेकिन अब भारत के लिए रास्ता बदल चुका है। यह जहाज, जिसका नाम एसटीएल किंन जिंग है, अमेरिका के गल्फ कोस्ट से एथेन गैस लेकर चला है और अब सीधे गुजरात के दाहेज में रिलायंस के टर्मिनल पर पहुंचेगा। वहां मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ने 2017 में एक यूनिट बनाई थी, जो इस गैस से एथिलीन नाम का केमिकल बनाती है। एथिलीन प्लास्टिक और कई दूसरे सामान बनाने में इस्तेमाल होता है। रिलायंस ने 2017 में खुद को दुनिया की पहली कंपनी बताया था, जिसने इतने बड़े स्तर पर नॉर्थ अमेरिका से एथेन लाने की योजना बनाई थी। अब वही प्लानिंग भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में अहम भूमिका निभा सकती है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, भारत के वार्ताकार अमेरिका से कह सकते हैं - ध्हम आपकी गैस खरीद रहे हैं, इसलिए 43 अरब डॉलर के व्यापार घाटे पर ज़्यादा चिंता न करें। 68 साल के मुकेश अंबानी ने आज से कई साल पहले ही यह समझ लिया था कि नॉर्थ अमेरिका से एथेन गैस मंगवाना फायदेमंद साबित हो सकता है। उनके पिता धीरूभाई अंबानी को कभी पॉलिएस्टर प्रिंस कहा जाता था। मुकेश अंबानी ने भले ही रिटेल और डिजिटल जैसे नए कारोबार में करीब 57 अरब डॉलर का बड़ा बिजनेस खड़ा किया हो, लेकिन अब भी उनकी सबसे बड़ी कमाई पुरानी ऑयल-टू-केमिकल्स यूनिट से होती है, जिससे हर साल लगभग 74 अरब डॉलर (करीब लाख करोड़) की आमदनी होती है। पहले रिलायंस और बाकी कंपनियां एथिलीन नाम का केमिकल बनाने के लिए नाफ्था का इस्तेमाल करती थीं, जो कच्चे तेल को रिफाइन करने से निकलता है। लेकिन नाफ्था से एथिलीन बनाने में सिर्फ 30 फीसदी तक ही गैस का सही इस्तेमाल हो पाता है। इसके उलट एथेन से करीब 80 फीसदी गैस का फायदा मिलता है। पहले तेल तो मंगवाना ही पड़ता था, इसलिए नाफ्था से ही काम चल जाता था और उसी से पॉलिएस्टर और प्लास्टिक जैसे प्रोडक्ट बनाए जाते थे। लेकिन अब एथेन सस्ता और ज़्यादा असरदार विकल्प बनता जा रहा है। एथेन की कीमत नाफ्था के मुकाबले करीब आधी पड़ती है।

बारिश का कहर: प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

ललित गर्ग

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल जिम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें।

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में ह्यऑल वेदर रोडह्ण, हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नजर जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवजे की घोषणाएं, और ह्यहम साथ हैंह्ण जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर जमीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य जमीनी जरूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्त्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल जिम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

संपादकीय

भाई साथ-साथ

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने त्रिभाषा फामूर्ले द्वारा मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की योजना का आरोप लगाया। हिन्दी को अनिवार्य बनाने के फैसले के विरोध में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मार्च निकालने की तैयारी में थे। मगर सरकार के फैसला वापस करने के बाद विजय रैली निकाली जिसमें शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ने कहा कि अब हम एक-दूसरे का साथ देने के लिए आ गए हैं। मिल कर आपको (सरकार) बाहर कर देंगे। राज ने कहा, किसी भी झगड़े या विवाद से महाराष्ट्र बड़ा है। हम बीस साल बाद साथ आ रहे हैं। जो काम बाला साहेब नहीं कर सके, वह देवेंद्र फडनवीस ने कर दिखाया। आपसी अनबन के दो दशक लंबे अंतराल के बाद दोनों नेताओं ने मंच साझा किया। भाजपा ने इसे खोए आधार को वापस पाने की हताश कोशिश और पारिवारिक मेल-मिलाप सरीखा ठहराया। उद्धव ने अपने संबोधन में कहा कि हम किसी को धमकाएंगे नहीं, लेकिन उनको भी बर्दाश्त नहीं करेंगे जो हमें धमकाते हैं। उन्होंने सभी मराठियों को साथ आने, मराठियों की पहचान को मिटना नहीं चाहिए जैसी बातें कीं जबकि राज ने मराठी को अपना एकमात्र एजेंडा बताया और कहा, हम महाराष्ट्र को बंटता हुआ नहीं देखना चाहते। असल सवाल है, दोनों ठाकरे पुराने सारे मतभेद मिटा कर साथ कैसे काम करते हैं। हालांकि, दोनों चचेरे भाइयों का आनन-फानन मंच साझा करना, शुद्ध राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करने वाले ठाकरे बंधुओं को इसका प्रतिफल तो जनता ही देगी क्योंकि मात्र भाषा के मुद्दे से देशवासियों को प्रभावित कर पाना आसान नहीं है। दूरगामी राजनीति करने के लिए ठाकरे बंधुओं को भाजपा गठबंधन को चुनौती देने के लिए बड़े मुद्दे तलाशने होंगे। मराठी मानुष के पक्षधर रहे बाल ठाकरे जिस हिन्दुत्व का बखान करते रहे थे, यह राग बिल्कुल उसके विपरीत जाता प्रतीत हो रहा है। मराठी बोलने को लेकर हाथापाई और अभद्रता के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर जनता में नाराजगी है। मुंबई में उत्तर भारतीयों ही नहीं, दक्षिण भारतीयों के वोट बैंक को कई दशकों से तवज्जो दी जा रही है। हालांकि सत्ता के लिए गठजोड़ करना आम है परंतु ठाकरे परिवार की राजनीति ढुलमुलाती नजर आ रही है। तमाम कट्टरता के बाजूद राज को पिछले चुनावों में मिली करारी मात को भी नहीं भूलना चाहिए। भाषा, वेशभूषा या रहन-सहन के आधार पर देश को बांटा जाना उचित नहीं कहा जा सकता।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममां तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

आमदनी चवन्नी खर्चा रुपैया

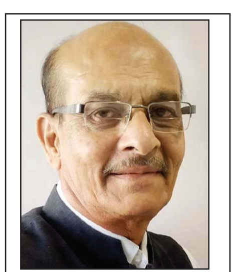

सनत जैन

कर्ज के कारण परिवार सहित आत्महत्या, चिंताजनक....

भारत जैसे विकासशील देश में आर्थिक असमानता और सामाजिक दबाव के बीच एक नई खतरनाक प्रवृत्ति उभर रही है। कर्ज के कारण परिवार सहित आत्महत्या करने की प्रवृत्ति दिनों दिन बढ़ती चली जा रही है। देश में यह ना केवल वित्तीय विफलता है।बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, मानसिक, स्वास्थ्य व्यवस्था और उपभोक्तावादी सोच की करुणामय त्रासदी भी है। पहले आम आदमी कर्ज मजबूरी के कारण लेता था। यह मजबूरी भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा या विवाह शादी जैसे कार्यक्रम के लिए कर्ज लिया जाता था। व्यवसायिक विस्तार के लिए भी छोटे-मोटे कारोबारी कर्ज लेते थे। भारतीय संस्कृति में कर्ज लेना सबसे बुरा माना जाता था। पहले सामाजिक व्यवस्था में कर्जदार व्यक्ति को सम्मान भी नहीं मिलता था। कर्ज भी व्यक्ति को उसकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए साहूकार से मिलता था। 2003 के बाद आसानी से बैंकों के माध्यम से कर्ज उपलब्ध होने लगा। बैंक और एनएफसी कंपनियां घर-घर जाकर लोन देने लगी। लोगों को मोबाइल, फोन, टीवी, फ्रिज, मोटर साइकिल, कार, पढ़ाई के लिए आसानी से कर्ज मिलने लगा। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन लॉटरी, ऑनलाइन गेम और जुए के लिए भी लोग कर्ज लेने लगे हैं। आमदनी चवन्नी और खर्चा रुपैया की प्रवत्ती बढ़ती जा रही है। जिसके कारण निम्न और मध्यम वर्ग कर्ज के बोझ से दब गया है। जब उसे कर्ज से उभरने का कोई रास्ता नहीं दिखता है। ऐसी स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों को मारकर खुद आत्महत्या कर लेता है। ऐसे मामले लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। क्रेडिट कार्ड, ईएमआई, माइक्रो फाइनेंस, बाय नाउ-पे लेटर जैसी कर्ज की स्कीमें, जरूरत और विलासिता के बीच का अंतर मिटा चुकी हैं। आम आदमी सुविधाओं, भौतिक सुविधाओं और बाजारवाद के चंगुल में फंसकर कर्ज के मकड़ जाल में फंस जाता है। जिससे निकल पाना उसके लिए लगभग असंभव हो जाता है। किश्तों का बोझ, आय का अभाव, समाज का दिखावटी दबाव, आपसी प्रतिस्पर्धा यह सब मिलकर सामाजिक व्यवस्था मे कर्जदार को मानसिक रूप से तोड़ देता है। दिखावे की प्रवत्ति के कारण भारतीय समाज बड़े दबाव में है। 2003 के पहले यह दबाव देखने को नहीं मिलता था। बाजारवाद और दिखावे ने भारतीय समाज को आत्महत्या जैसे कृत्य के लिए मजबूर कर दिया है। अब हालात इतने विकट हो चुके हैं। व्यक्ति अकेले आत्महत्या नहीं कर रहा है। अपने छोटे-छोटे बच्चों, पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आत्मघात की प्रवत्ती दिनों दिन बढ़ती जा रही है। यह केवल आर्थिक असफलता नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दबाव का संकेत है। भौतिक आवश्यकताओं की मांग बढ़ने से भारत में यह परिवर्तन पिछले 20 वर्षों में देखने को मिल रहा है। व्यक्ति को जब लगता है, कर्ज से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। समाज उसे विफलता की नजर से देखेगा। ऐसी स्थिति में वह स्व्यं और परिवार को कष्ट से ह्लमुक्तह्व करने के लिए परिवार के सदस्यों की हत्या एवं स्वयं आत्महत्या जैसा कदम उठाने लगा है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। इसके पीछे का मनोविज्ञान समझना समय की जरूरत है। पिछले एक दशक में जिस तरह से आम आदमी पर जुमार्ने और टैक्स बढ़ाए गए हैं। उसने लोगों की पूरी सोच को बदल दिया है। वास्तविक जरूरत से चार गुना खर्च बाजारवाद का दबाव है, जो दिखावे के कारण होता है। जिसके कारण लोग परेशान हैं। सरकार को चाहिए वह कर्ज माफी या स्कीमों तक सीमित ना रहे। व्यापक स्तर पर सामाजिक सोच में बदलाव, वित्तीय साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श और कर्ज के बोझ से दबे हुए लोगों को बाहर निकालने में सहायता देने का रास्ता विकसित करे। स्कूलों से लेकर पंचायतों तक लोगों को सिखाया जाए, कर्ज एक सुविधा है। जिसे जरूरत होने पर ही उपयोग करना चाहिए। कर्ज लेते समय यह ध्यान रखना होगा, कर्ज चुकाना भी उसकी जिम्मेदारी है। समाज को ऐसे लोगों की मदद करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। उन्हें तिरस्कार की दृष्टि अथवा अपेक्षित करने से काम नहीं चलेगा। जब तक सरकार कर्ज को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित रखेगी। उससे समस्या का समाधान नहीं होगा। उल्टे यह त्रासदी के रूप में समस्या गहराती जाएगी। जरूरत है, इंसान को इंसान समझने की। गलतियों से समाज और व्यक्ति सीखता है। 2003 के पहले भारतीय समाज कर्ज को बुरा मानती थी। 2003 के बाद से कर्ज स्टेटस सिंबल बन गया है। इन दोनों के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। कर्ज के कारण आत्महत्या और सामूहिक आत्महत्या की जो प्रवृत्ति बनी है, वह आगे चलकर और भी बढ़ेगी। यह स्थिति सामाजिक एवं कानून व्यवस्था के लिए भी बड़ी खतरनाक होगी। सामाजिक व्यवस्था में चोरी-डकैती और कई तरह के अपराध बढ़ेंगे। सरकार और सामाजिक संस्थाओं का इस समस्या पर चिंतन जरूरी है।

हिमालयी क्षेत्र : उड़ानों को नियंत्रित करना होगा

सुरेश भाई

मनुष्य अपनी यात्रा को आरामदायक और जल्दी पूरा करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल बड़ी तेजी से कर रहा है। आजकल मध्य हिमालय की देवभूमि उत्तराखंड स्थित चारधाम के दर्शन करने पहुंच रहे यात्री भी हेली सेवाओं के उपयोग करने में पीछे नहीं हैं।

अनेक कंपनियों के हेलीकॉप्टर यहां बड़ी संख्या में उड़ान भर रहे हैं, जिनके लिए गाइडलाइंस बनाई गई हैं। बावजूद इसके यात्रा शुरू होने के पिछले 40 दिनों में पांच हेलीकॉप्टर क्रैश हो गए हैं, अनेक तीर्थ यात्रियों की जान गई है।

इस उच्च हिमालयी क्षेत्र की संकरी घाटियों और ऊंचे-ऊंजे पर्वतों के बीच से गुजर रहे हेलीकॉप्टर्स पहले भी दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। अंधाधुंध उड़ानें और उनकी तेज आवाज हिमालय की पारिस्थितिकी पर विपरीत प्रभाव डाल रही हैं। हेलीकॉप्टरों की उड़ान के लिए मंदाकिनी नदी के तट से 600 मीटर की ऊंचाई तक का मानक है। यात्रियों की सुरक्षा के विषय पर भी विशेष सावधानी बरतने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, लेकिन हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट से उच्च हिमालयी क्षेत्रों की जैव-विविधता को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा भी इस हिमालय क्षेत्र में उड़ानों के संबंध में सुझाव दिए गए हैं, जिन्हें केदारनाथ की हेली सेवाओं की गाइडलाइंस में शामिल किया गया है। यहां एक बार में दो हेलीकॉप्टर ही आना-जाना कर सकते हैं। सायं के समय की उड़ान पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद यहां पर स्थित दुर्लभ वन्य जीव हिम तेंदुए, कस्तूरी मृग, भरड़, भालू, मोनाल समेत अनेक वन्य जीवों व पक्षियों के झुंड के बीच नीची उड़ान के कारण भगदड़ मच जाती है, जिस कारण असुरक्षित दिशा में भागने से इन बेजुबान जानवरों की चट्टानों से गिर कर मौत हो जाती है। वन विभाग भी इस बाबत चेतावनी देता रहता है, लेकिन जीव-जंतुओं का जान गंवाना जारी है।

चिंताजनक है कि हजारों हैक्टेयर में फैले केदारनाथ अभयारण्य, गंगोत्री वन्य जीव पार्क के जीव-जंतु सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हेलीकॉप्टरों की नीची उड़ान के कारण वन्यजीवों के सहवास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस कारण उनकी संख्या भी घट सकती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नीची उड़ान के कारण ग्लेशियरों के पिघलने की दर भी बढ़ सकती है जबकि पर्यटकों और सैलानियों के सैर-सपाटे लिए ओम पर्वत जैसे ग्लेशियरों के ऊपर भी उड़ानें भरी जा रही हैं। अनियंत्रित पर्यटकों की आवाजाही इसका सबसे बड़ा कारण है क्योंकि बहुत समय से अनुभव किया जा रहा है कि चारधाम के यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए जब-जब राज्य सरकार और पर्यावरणविद् पहल करते हैं, तो स्थानीय स्तर पर पर्यटन से आय प्राप्त करने वाले संस्थान विरोध पर उतारू हो जाते हैं।

मध्य हिमालय में पहुंच रहे पर्यटक कम पैसे, कम समय में आरामदायक दर्शन करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं, ऐसे में में सावधानी के लिए बनाई गई गाइडलाइंस का इस्तेमाल नहीं होता है तो उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर की क्रैश होने की घटनाओं को रोका नहीं जा सकेगा। लापरवाही और मानकों की अनदेखी से दुर्घटनाएं हो रही हैं। अंधाधुंध हेली सेवाओं के ऊपर विशेष जांच और मॉनिटरिंग की आवश्यकता है जिसमें तकनीक आदि को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। मौसम विभाग की अधिकतर सूचनाएं सही साबित हो रही हैं। इसको भी ध्यान में रख कर उड़ानों पर नियंत्रण हो।

चारधाम में मई और जून के महीने में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं ने बहुत चिंताजनक स्थिति खड़ी की है जिसमें सबसे पहले 8 मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में हेलीकॉप्टर क्रैश में 6 लोग मारे गए थे जिसके चार दिन बाद बद्रीनाथ से लौट रहा एक अन्य हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 17 मई को एम्स की हेली एंबुलेंस किसी यात्री को लिफ्ट करने केदारनाथ जा रही थी, लेकिन क्रैश हो गई। 8 जून को केदारनाथ जाने वाला एक और हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा है एक हेलीकॉप्टर गौरीकुंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें सात लोगों की जान चली गई।

दूसरी ओर देखा जाए तो केंद्र सरकार ने चारधाम के लिए चौड़ी सड़कों का निर्माण लगभग पूरा कर दिया है, और इसमें दो बड़ी गाड़ियों के लिए आने- जाने की सुविधा है। जितने अधिक से अधिक लोग बस, टैक्सी और जमीन पर चलने वाले वाहनों से यात्रा करेंगे उससे स्थानीय होटल और ढाबों को भी रोजगार मिलेगा। पर्यटकों, यात्रियों, सैलानियों को भी यहां की प्रकृति का नजारा देखने को मिलेगा। बाहर से आने वाले लोगों की मुलाकात स्थानीय लोगों से होगी, वे यहां की संस्कृति और प्रकृति के साथ अनुकूल व्यवहार भी करेंगे। उत्तराखंड हिमालय की संवेदनशील स्थिति और यहां के पर्यावरण से प्लास्टिक उन्मूलन को ध्यान में रखते हुए बाहर से आने वाले लोगों की जिंदगी को बचाने के साथ ही हिमालय के इकोसिस्टम को भी बचा कर रखना होगा।

रियाद से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट हुई डायवर्ट, वजह स्पष्ट नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियाद (सऊदी अरब) से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-926 को अचानक जयपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। यह विमान रविवार शाम 5 बजे के बाद रियाद से रवाना हुआ था और इसका निर्धारित आगमन समय रात 1 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर था। हालांकि, दिल्ली पहुंचने से पहले ही विमान को जयपुर में उतार दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, डायवर्जन की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। एअर इंडिया ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

यात्रियों में असमंजस, एयरलाइन की चुप्पी

फ्लाइट के डायवर्ट होने की सूचना मिलने के बाद यात्रियों और उनके परिजनों में चिंता फैल गई। दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट का इंतजार कर रहे परिजन अचानक स्टेटस में बदलाव देखकर परेशान हो गए। सोशल मीडिया पर भी यात्रियों ने जानकारी न दिए जाने को लेकर नाराजगी जताई है। राहत की बात यह रही कि जयपुर में विमान की सुरक्षित लैंडिंग हो गई और सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं।

हरियाणा में महिला से चलती ट्रेन में गैंगरेप, फिर रेलवे ट्रैक पर फेंका, पैर कटा

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा के पानीपत रेलवे स्टेशन पर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां दो युवकों ने एक 35 वर्षीय महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और फिर उसे जबरन ट्रेन में बैठाकर सोनीपत ले गए। वहां उन्होंने महिला को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया, जहां से गुजरती ट्रेन ने महिला का एक पैर काट दिया। घायल अवस्था में महिला को ट्रैक के पास पड़े देख स्थानीय लोगों ने जीआरपी को सूचना दी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर सोनीपत जीआरपी मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल महिला को पहले जिला नागरिक अस्पताल और फिर पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। जहां उसका आपरेशन किया गया। पीड़िता ने डॉक्टरों को आपबीती सुनाई और मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। महिला पानीपत की रहने वाली है और 23 जून को संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई थी। उसके पति ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

नवी मुंबई के एक गोदाम में लगी भीषण आग, कई वाहन जलकर हुए खाक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई के टुर्भे सेक्टर-20 स्थित एपीएमसी मार्केट के पास स्थित एक ट्रक पार्किंग क्षेत्र के गोदाम में देर रात भीषण आग लग गई। हादसे में कई वाहन जलकर खाक हो गए, जिससे भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। देर रात को ही आग बुझाने का ऑपरेशन शुरु कर दिया गया। धुआं और गर्मी की तीव्रता के कारण आग पर काबू पाने में खासी दिक्कतें आईं हैं।

किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

प्रशासन के मुताबिक, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, गोदाम में रखे इंधन, प्लास्टिक सामग्री और अन्य ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैली। प्रशासन ने इलाके को घेरकर लोगों को दूर रहने की अपील की है।

अचानक रुकी ट्रेन, यात्री पहुंचे गार्ड के डिब्ब में देखा तो सभी बेसुध मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सहारनपुर के बीच में चलने वाली पैसेंजर ट्रेन अपने गंतव्य को जा रही थी। दिल्ली से ठीकठाक चली। सभी निर्धारित स्टेशनों पर रुकते हुए चल रही थी। ट्रेन में ज्यादातर डेली पैसेंजर सवार थे। इन पैसेंजरों का पता होता कि ट्रेन किस समय कौन से स्टेशन पर पहुंचेगी और कहां पर कितनी देर ठहराव होगा?

इस दौरान बागपत के अलावलपुर हॉल्ट में ट्रेन रुक गयी। यात्री को लगा कि कोई दूसरी ट्रेन का पास (पहले गुजारना) होगा, इसलिए रुकी होगी, लेकिन काफी देर तक कोई ट्रेन दोनों ओर से नहीं आयी। कुछ यात्री उतरकर नीचे आ गए। इस कुछेक यात्रियों की नजर गार्ड के डिब्बे में पड़ी। उसमें किसी तरह की हलचल नहीं हो रही थी। क्योंकि जब ट्रेन बीच में या किसी हॉल्ट में खड़ी हो जाती है, गार्ड ट्रेन डिब्बे से लटककर आगे की ओर नजर दौड़ता है। लेकिन गार्ड नहीं दिख रहा था। यात्रियों को पहले लगा कि हो सकता है कि गार्ड कोई काम कर रहा होगा, लेकिन ज्यादा देर तक दिखा तो यात्रियों को शक हुआ। कुछ यात्री भागकर गार्ड डिब्बे की ओर गए। पहले नीचे से आवाज दी लेकिन कोई जवाब नहीं आया तो ऊपर चढ़ अंदर चले गए। अंदर का सीन देखकर यात्री हैरान हो गए। ट्रेन के गार्ड नशे में धुत पड़े हुए थे। उनको होश नहीं था। लोगों ने झट से इसका वीडियो बनाया। वीडियो में एक बोतल भी दिखाई गयी है, जो शराब की बताई जा रही है। इस वजह से ट्रेन करीब 40 मिनट तक खड़ी रही। इसके बाद ट्रेन आगे की ओर रवाना हुई।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के 3 उग्रवादी गिरफ्तार, दो किशोर भी हिरासत में

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है जबकि दो किशोरों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित 'पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (पीआरईपीएके) के तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं को रविवार को केइराओ खुनोऊ क्षेत्र से पकड़ा गया, जिनमें से दो किशोर हैं जिनके खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

26 को मालदीव जा सकते हैं पीएम मोदी, स्वतंत्रता दिवस समारोह के बनेंगे मुख्य अतिथि

-मुइज्जू ने पिछले साल प्रधानमंत्री को इस अवसर के लिए किया था आमंत्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी 26 जुलाई को मालदीव जा सकते हैं। यह नवंबर 2023 में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद से मालदीव की उनकी पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी के मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल 2024 में पीएम मोदी को इस अवसर के लिए आमंत्रित किया था, जिसे हाल ही में मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने अपनी भारत यात्रा के दौरान दोहराया।

यह संभावित यात्रा भारत और मालदीव के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी। बता दें मुइज्जू की इंडिया आउट नीति और भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की मांग के कारण मालदीव और भारत के बीच कुछ समय तक तनाव रहा था। हालांकि हाल के महीनों में मालदीव ने भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। मुइज्जू ने पिछले साल अक्टूबर में भारत की यात्रा की थी, जहां दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी में बदलने पर सहमति जताई थी।

भारत ने मालदीव की वित्तीय चुनौतियों से निपटने के लिए 30 बिलियन रुपए और 400 मिलियन डॉलर की द्विपक्षीय मुद्रा स्वैप समझौते के तहत सहायता प्रदान करने का भी फैसला लिया था। मालदीव हर साल 26 जुलाई को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है, जो 1965 में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने की याद दिलाता है। इस दिन रंगारंग परेड, राष्ट्रीय कैडेट कोर और राष्ट्रीय सुरक्षा सेवा की प्रस्तुतियां, स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन और झंडा फहराया जाता है। यह आयोजन मालदीव की राजधानी माले में होता है।

2025 में यह मालदीव का 60वां स्वतंत्रता दिवस होगा, जिसे और भी खास बनाने के लिए भारत के पीएम मोदी की उपस्थिति को अहम माना जा रहा है। बता दें कि 2025 में भारत और मालदीव के राजनयिक संबंधों की भी 60वीं वर्षगांठ है। मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक अहम रणनीतिक साझेदार है। इस संभावित यात्रा के दौरान पीएम मोदी भारत द्वारा समर्थित परियोजनाओं का उद्घाटन कर सकते हैं, जिसमें ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना शामिल है। यह परियोजना माले को विलिंगिली, गुल्हीफाल्हु और थिलाफुशी से जोड़ने वाली भारत द्वारा वित्त पोषित एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है। भारत ने इस परियोजना के लिए 400 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट और 100 मिलियन डॉलर का अनुदान प्रदान किया है।

बता दें मालदीव के विदेश मंत्री खलील इस साल तीन बार भारत आए, जो दोनों देशों के

बीच संबंधों को मजबूत करने की मालदीव की मंशा को दर्शाता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी खलील के साथ मुलाकात के दौरान भारत की मालदीव के विकास और प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई थी। यह यात्रा यदि होती है, तो मुइज्जू के कार्यकाल में पीएम मोदी की मालदीव की पहली यात्रा होगी।

ब्रिटिश के फाइटर प्लेन को ठीक करने 24 इंजीनियरों की टीम पहुंची तिरुवनंतपुरम

तिरुवंनतपुरम। केरल में तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी के कारण लगभग एक महीने से फंसा ब्रिटिश रॉयल नेवी का एफ-35 लड़ाकू विमान आखिरकार मरम्मत के लिए 24 इंजीनियरों की एक टीम तिरुवनंतपुरम पहुंची है। बता दें कि तकनीकी खराबी के कारण 14 जून को तिरुवनंतपुरम के एयरपोर्ट पर इसे उतारा गया था।

यह टीम विमान में आई खराबी का पता लगाएगी। इसके बाद मरम्मत का काम शुरू होगा। विमान की कीमत लगभग 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटिश उच्चायोग के एक प्रवक्ता ने बताया कि इंजीनियरों की टीम तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि रिटेन की एक इंजीनियरिंग टीम को एफ-35बी विमान का आकलन और मरम्मत करने के लिए तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भेजा गया है। प्रवक्ता ने यह भी बताया कि ब्रिटेन ने हवाई अड्डे के रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) केंद्र में विमान को ले जाने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इस बारे में भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत चल रही है। रविवार को ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स एयरबस ए400एम एटलस एफ-35 लड़ाकू विमान का आकलन करने के लिए तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम को लेकर पहुंचा। कुछ समय पहले उसने तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट से उड़ान भरीद्ध जबकि टीम को यहीं छोड़ दिया। हवाई अड्डा सूत्रों ने बताया कि लड़ाकू विमान को एमआरओ में ले जाया गया है। ब्रिटिश उच्चायोग ने भारतीय अधिकारियों और हवाई अड्डा टीम को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन भारतीय अधिकारियों और हवाईअड्डा टीम के निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए बहुत आभारी है।

पुणे स्टेशन पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर कुल्हाड़ी से हमला, आरोपी गिरफ्तार

-कांग्रेस ने जताया विरोध, शहर में आक्रोश का माहौल

पुणे (एजेंसी)। पुणे शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के सामने स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर रविवार मध्य रात्रि एक व्यक्ति द्वारा कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियार से हमला किए जाने की घटना से हड़कंप मच गया। आरोपी की पहचान सूरज शुक्ला, निवासी वाराणसी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है, जो पिछले डेढ़ महीने से पुणे में रह रहा था और रुद्राक्ष की माला बेचकर जीविकोपार्जन कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, घटना के समय आरोपी के हाथ में एक कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज थी, जिससे उसने प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सूरज शुक्ला अचानक प्रतिमा वाले चबूतरे पर चढ़ गया और उसे क्षतिग्रस्त करने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले पर पुणे पुलिस उपायुक्त (जोन-2) मिलिंद मोहिते का कहना था कि शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आरोपी की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं है। हालांकि, उसने जानबूझकर प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है।

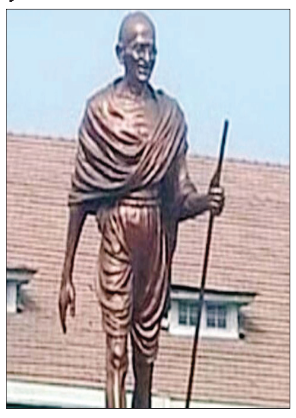

पुलिस अब आरोपी की मानसिक स्थिति की जांच के लिए मेडिकल परीक्षण कराने की प्रक्रिया में है।

पुलिस ने सूरज शुक्ला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। कुल्हाड़ी जब्त कर ली गई है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं, शहर में सामाजिक संगठनों और गांधीवादी विचारधारा से जुड़े लोगों में रोष है और उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किए गए हमले की कांग्रेस पार्टी ने कड़ी निंदा की है। पुणे कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने कहा कि यह हमला राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सम्मान और मूल्यों पर सीधा हमला है।

भारी बारिश के अलर्ट के चलते कई राज्यों में स्कूल-कॉलेज की छुट्टी घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को भारी बारिश से मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र के कई जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पहले कंफ्यूजन था कि मोहर्रम की छुट्टी 7 जुलाई को मिलेगी या नहीं। भारतीय मौसम विभाग ने 6 से 12 जुलाई तक कई राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी है।

दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, यूपी, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। तापमान में गिरावट के साथ ही कुछ घंटों की बारिश ने जलभराव की समस्या बढ़ा दी है। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल पहुंच पाना एक बड़ी समस्या है। दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश के चलते स्कूल खुले। कुछ इलाकों में मुहर्रम के चलते आज भी छुट्टी घोषित कर दी गई थी।

कर्नाटक के कोडागु (कूर्ग) जिले में तेज बारिश के कारण सोमवार को सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। कर्नाटक के अन्य क्षेत्रों में विशेष रूप

से दक्षिण कर्नाटक में 6 और 9-12 जुलाई के बीच भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन ने स्कूल बंद करने का फैसला लिया है। वहीं छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में भारी बारिश के चलते सोमवार को स्कूल बंद किए गए हैं। आईएमडी ने 6-7 जुलाई को छत्तीसगढ़ में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है, जिसके कारण अन्य जिलों में भी स्कूल बंद हो सकते हैं। पूर्वी राजस्थान के जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर 7-9 जुलाई को अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई है। सवाई माधोपुर, करौली, भरतपुर और दौसा जैसे कुछ जिलों में पहले भी बारिश के कारण स्कूल बंद किए गए हैं। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा में 6-12 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से बाढ़, लैंडस्लाइड और बादल फटने की स्थिति बनी हुई है। कई जिलों में पिछले कुछ दिनों से स्कूल बंद हैं।

सोमवार को महाराष्ट्र में बारिश के कारण स्कूल बंद करने का आदेश दिया गया है। आईएमडी ने महाराष्ट्र के कई हिस्सों, विशेष रूप से मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और विदर्भ क्षेत्रों में 6-12 जुलाई तक बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। महाराष्ट्र के पालघर में भारी बारिश के चलते स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे। पालघर की जिला कलेक्टर ने आपदा प्रबंधन के तहत सोमवार को जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग सेंटर्स और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित की है।

बता दें स्कूलों को बंद करने का फैसला स्टूडेंट्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। भारी बारिश के कारण पानी भरने, लैंडस्लाइड और ट्रैफिक्र बाधित होने की आशंका रहती है। शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को स्कूलों में उपस्थित रहने के लिए कहा है। इससे आपदा प्रबंधन में सहायता प्रदान की जा सके। रहवासियों को सतर्क रहने, बहते पानी से दूर रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। मौसम की स्थिति के आधार पर 8 जुलाई को भी स्कूल बंद किए जा सकते हैं।

संदेशखाली हिंसा: शाहजहां शेख ही निकला मास्टरमाइंड, सीबीआई ने दर्ज किया केस

कोलकाता (एजेंसी)। लगभग 6 साल पहले पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हुई हिंसा के मामले की जांच सीबीआई कर रही है। जांच एजेंसी ने टीएमसी के बाहुबली नेता शाहजहां शेख समेत 25 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। कोलकाता हाईकोर्ट के निर्देश पर यह मामला सीबीआई को सौंपा गया था। कोर्ट ने राज्य पुलिस पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाया था। जांच ऐजेंसी के दर्ज एफआईआर में हत्या, अपहरण, दंगा फैलाने और सबूत मिटाने जैसी धाराएं शामिल की गई हैं।

कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को जांच सौंपी। उन्होंने मामले की अत्यंत गंभीरता से जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि जांच की निगरानी एक संयुक्त निदेशक द्वारा की जानी चाहिए। जस्टिस सेनगुप्ता ने जांच सीबीआई को सौंपते हुए कहा, मौजूदा मामले में भी, जिसमें और भी गंभीर आरोप हैं। मुझे लगता है कि पुलिस अलग-अलग चरणों में मुख्य आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही, जिससे

न्याय की घोर विफलता हुई। इसलिए, जांच की बागडोर फिर से उन्हें सौंपना न्याय के हित में नहीं होगा।

देवदास मंडल समेत भाजपा 3 कार्यकर्ताओं प्रदीप मंडल और सुकांत मंडल का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस ने शाहजहां शेख का नाम पहले आरोपियों की सूची से हटा दिया था, जिस पर अदालत ने सख्त नाराजगी जताई थी। हाईकोर्ट ने इसे न्याय के साथ खिलवाड़ बताते हुए सीबीआई को जांच सौंपने का आदेश दिया। अब सीबीआई ने शाहजहां शेख को मुख्य आरोपी मानते हुए मामले की तह तक जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदीप मंडल, देवदास मंडल और सुकांत मंडल संदेशखली में अपने गांव पर कथित हमले के बाद मृत पाए गए थे। कथित तौर पर इस भीड़ का नेतृत्व शेख ने किया था। शुरुआत में पश्चिम बंगाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी, लेकिन बाद में पीड़ितों के परिवार ने सीबीआई जांच की मांग करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

राज ठाकरे को पुनर्मिलन बनाए रखना है तो बीजेपी-शिंदे से बनानी होगी दूरी

-शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मनसे प्रमुख को दी चेतावनी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और संजय राउत ने अपने साप्ताहिक कॉलम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे को सीधे तौर पर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि राज अगर उद्धव ठाकरे के साथ राजनीतिक पुनर्मिलन को बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें पूरी ईमानदारी से बीजेपी और एकनाथ शिंदे से दूरी बनानी होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक संजय राउत का लेख दरअसल एक 'वॉर्निंग नोट' है जो यह याद दिलाता है कि बीजेपी और शिंदे से नजदीकियों का अब तक मनसे को कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिला, बल्कि उनकी पार्टी की स्थिति आज रसातल में है।

राउत ने लिखा- उद्धव और राज ठाकरे की राजनीतिक राहें अलग हो गई थीं और वे जैसे दो धार बन चुके थे। अमित शाह के कारण हुई फूट के बाद शिवसेना महाविकास आघाड़ी का

हिस्सा बनी, वहीं राज ठाकरे ने बीजेपी और शिंदे गुट से 'प्रेम की चाय' पी। उन्होंने दिल्ली जाकर अमित शाह से भी मुलाकात की थी, लेकिन इससे न महाराष्ट्र को कुछ मिला और न ही उनकी पार्टी मनसे की राजनीति आगे बढ़ी।

राउत ने आरोप लगाया कि दिल्ली और वहां के 'व्यापारी-राजनेताओं' को ठाकरे बंधुओं के बीच फूट से फायदा होता है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी और उसके सहयोगी चुनाव जीतने के लिए मतदाता सूची में लाखों प्रवासियों के नाम जोड़ रहे हैं और इससे मनसे को भी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने लिखा- महाराष्ट्र के हित में यही है कि मराठी वोट प्रतिशत बढ़े और इसके आधार पर नगर निगम, जिला परिषद और विधानसभा चुनावों में एकजुट चुनौती पेश की जाए तभी मराठी व्यक्ति स्वाभिमान से जी सकेगा अन्यथा सिर्फ ढोल पिटेंगे, नारे लगेंगे और बिगुल बजेगा। यह जोश बना रहना चाहिए! मराठी एकता की जय हो! अभी बस दहाड़ते रहो। वहीं तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ठाकरे बंधुओं की रैली को समर्थन दिए जाने के बाद राउत ने साफ कहा कि उनकी पार्टी हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी प्राथमिक शिक्षा में थोपे जाने के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य लंबे समय से हिंदी के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। वे हिंदी नहीं बोलते, हमारा रुख अलग है। हमने न तो हिंदी बोलने से मना किया है, न हिंदी फिल्मों या अखबारों पर कोई रोक है।

भारत का पाकिस्तान नहीं असली दुश्मन चीन, 10 अलग-अलग मोर्चों पर दे रहा चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जगजाहिर है, लेकिन भारत का असली दुश्मन चीन है, जो लगातार 10 अलग-अलग मोर्चों पर भारत को चुनौती दे रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डिप्टी आर्मी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया कि पाकिस्तान सिर्फ एक मोहरा है, जबकि असली खेल चीन खेल रहा है। जनरल सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि चीन ने सहायता नहीं की होती तब पाकिस्तान भारत के सामने एक दिन भी नहीं टिक पाता। लेकिन चीन पाकिस्तान को मदद कर रहा हैं,जबकि भारत को लगातार परेशान कर रहा है।

अब भारतीय सेना ने चीनी मूल के कलपुर्जों के इस्तेमाल पर कड़ा रुख अपनाया है। आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो के एडीजी मेजर जनरल सीएस मान ने साफ किया कि भविष्य में किसी भी सैन्य प्रणाली, खासकर ड्रोन सिस्टम में चीनी पुर्जों का इस्तेमाल नहीं होगा। यह कदम भारत की आंतरिक सुरक्षा में चीन की दखलअंदाजी को खत्म करने की दिशा में उठाया गया है।

वहीं चीन केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि कूटनीतिक मोर्चों पर भी भारत को घेरने में लगा हुआ है। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद चीन ने ढाका में अपना प्रभाव बढ़ाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूनुस ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास एक पुराने एयरबेस को चीन को सौंपने की मंशा जाहिर की है, इससे भारत की पूर्वी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इस लेकर सरकार को सेना पूरी तरह से सतर्क हो गए है। 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा पर, खासकर लद्दाख, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में, अक्सर चीन के साथ तनाव देखा जाता है। चीन न केवल सैन्य तनाव पैदा करता है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध निर्माण कर भारत की सुरक्षा को चुनौती दे रहा है। नेपाल और भूटान जैसे भारत के मित्र देशों की सीमाओं पर भी ड्रैगन की बुरी नजर है। चीन हमेशा भारत के पड़ोसी मुल्कों को धमकाता रहता है।

हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में भी चीन अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन का जहाज शियांग यांग होंग 03 भारत के समुद्री परीक्षण क्षेत्रों के आसपास मंडरा रहा था। इसके अलावा, दक्षिण चीन सागर में सैन्य निर्माण कर चीन क्षेत्रीय वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, जिससे भारत के रणनीतिक हित प्रभावित हो सकते हैं।

इतना ही नहीं भारत और चीन के बीच बढ़ता व्यापार घाटा भी चिंता का विषय है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह घाटा 99 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत में चीनी उत्पादों की घटिया गुणवत्ता और उससे एमएसएमई को हो रहे नुकसान पर भी गंभीर चिंता जाहिर की गई है। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सस्ते चीनी सामान से देश की साइबर और डेटा सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है।

जानकारी

कमजोरी दूर करेगा यह प्रोटीन पाउडर

जानें घर पर प्रोटीन पाउडर बनाने का तरीका

आमतौर पर प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल जिम जाने वाले लोग और एथलीट्स ही ज्यादा करते हैं। इसका कारण ये है कि प्रोटीन मसल्स को बढ़ाते हैं और शरीर को गठीला बनाते हैं। मगर प्रोटीन की जरूरत तो हर किसी को होती है। सर्दी के मौसम में अगर आप रोजाना सुबह एक ग्लास दूध के साथ 2 चम्मच प्रोटीन पाउडर मिलाकर पीएं, तो आप दिनभर एनर्जी से भरे रहेंगे और आपकी सेहत भी दुरुस्त रहेगी। प्रोटीन हार्ट और लंग्स को भी स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा ये शरीर के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। बाजार में उपलब्ध अधिकांश प्रोटीन पाउडर्स बहुत महंगे होते हैं और इनमें कई हानिकारक तत्वों के मिले होने के भी मामले पाए गए हैं। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं घर पर ही अपने और परिवार के सभी सदस्यों के लिए टेस्टी, सुरक्षित, शाकाहारी और हेल्दी प्रोटीन पाउडर बनाने का आसान तरीका।

1 ग्लास दूध में 2 चम्मच मिलाकर पीने से मिलेगा कमजोरी से छुटकारा

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए जरूरी सामग्री

■ प्रोटीन बेस ■ पौधों और फलों से प्राप्त प्रोटीन वाले बीज ■ एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स के लिए नट्स ■ फ्लेवर के लिए आपका मनपसंद भारतीय मसाला ■ प्रोटीन बेस

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए आपको सबसे पहले प्रोटीन बेस की जरूरत होगी, जो आपको लोकल मार्केट या ऑनलाइन स्टोर पर आसानी से मिल जाएगा। सबसे सेफ और नैचुरल प्रोटीन बेस वो होते हैं, जिन्हें पौधों से प्राप्त किया जाता है। इसके लिए आप 2 में से कोई एक प्रोटीन पाउडर बेस चुन सकते हैं–

स्पिरुलिना से बना प्रोटीन बेस: इसमें 2 चम्मच स्पिरुलिना पाउडर में 8 ग्राम

न्यूट्रीशनल यीस्ट प्रोटीन बेस: इसमें भी 2 चम्मच बेस में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बेस के बाद अब आपको कुछ अन्य चीजें इसमें मिलानी हैं।

प्रोटीन से भरे बीज चुनें

बाजार में ऐसे ढेर सारे बीज उपलब्ध हैं, जिनमें प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है। प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए बीजों का इस्तेमाल करना बहुत अच्छा होता है। चूंकि बीज पौधों से प्राप्त होते हैं और पूरी तरह प्राकृतिक होते हैं, इसलिए ये पाउडर आपके घर के हर सदस्य के लिए सुरक्षित होता है। प्रोटीन पाउडर के लिए आप नीचे बताए गए बीजों में से 1 या 1 से ज्यादा बीज चुन सकते हैं। आमतौर पर 4-5 चम्मच बीज काफी होते हैं।

■ सूरजमुखी के बीज ■ चिया बीज ■ अलसी का बीज ■ कद्दू के बीज ■ ब्राउन राइस पाउडर

नट्स से बढ़ाएं प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स की पावर

अपने प्रोटीन पाउडर को ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें नट्स को भी मिला सकते हैं। सभी नट्स जैसे- काजू, बादाम, अखरोट, पिस्ता, मूंगफली आदि में ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स होते हैं, जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं और हेल्दी रखते हैं। प्रोटीन पाउडर में आप अपने मनपसंद नट्स का पाउडर बनाकर मिला सकते हैं।

अपना मनपसंद फ्लेवर मिलाएं

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें अपना मनपसंद फ्लेवर भी मिला सकते हैं। मगर यहां अगर आप अच्छा और हेल्दी प्रोटीन पाउडर चाहते हैं तो आपको आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं, बल्कि घर पर ही मसालों और ड्राई फ्रूट्स से बने फ्लेवर्स मिलाने चाहिए, जैसे- तुलसी के सूखी पत्तियों का पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर, आर्गेनो पाउडर या हल्दी पाउडर आदि। ऊपर बताई गई सभी चीजों को मिलाएं और बस आपका प्रोटीन पाउडर तैयार है। इस प्रोटीन पाउडर को आप 3 साल के बच्चों से लेकर किसी भी उम्र तक के बुजुर्ग को दे सकते हैं। पौधों से प्राप्त चीजों से बना होने के कारण ये पूरी तरह सुरक्षित है।

डॉक्टर अक्सर कहते हैं कि बीमारियां उन लोगों को ज्यादा निशाना बनाती हैं, जिनकी रोगों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है। विज्ञान की भाषा में इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटना या इम्यून सिस्टम कमजोर होना कहते हैं। व्यक्ति ऊपर से तंदुरुस्त नजर आ सकता है, फिर भी उसकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकती है। इसके उलट, किसी दुबले-पतले इन्सान का इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है।

दरअसल, खून को शरीर में दौड़ाने वाली कोशिकाएं अन्य अंगों के साथ मिलकर बीमारियों से लड़ने की यह क्षमता (रोग प्रतिरोधक) हासिल करती हैं। शरीर में पैदा होने वाले कई हालात के साथ ही बाहरी कारण इस प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। किसी बच्चे में जन्म से ऐसा हो सकता है या वो हवा-पानी (पर्यावरण) में पल-बढ़ रहा है, उसके बुरे असर के कारण भी ऐसा हो सकता है।

डॉ. आयुष पाण्डे के अनुसार, जिन बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है, वे बार-बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होते हैं और ये संक्रमण जल्दी दूर नहीं होते। यह रोगों से लड़ने की क्षमता ही है जिसके कारण कुछ बच्चों में सर्दी जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी दूर हो जाती हैं और कुछ बच्चों में, यहां तक कि बड़ों में भी, लंबे समय तक बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने के संकेत

- भूख न लगना, पेट में दर्द होना, ऐंठन, बार-बार दस्त आना
- बच्चों का सही शारीरिक विकास न हो पाना
- बच्चों का दिमाग न चलना
- शरीर में अंदरूनी सूजन
- एनीमिया यानी खून की कमी होना

रोगों से लड़ने की ताकत कम होने के कारण

- एचआईवी, जिस वायरस से एड्स होता है
- कुछ प्रकार के कैंसर
- कुपोषण यानी भोजन में पोषक तत्वों की कमी
- वायरल हेपेटाइटिस
- कभी-कभी दवाओं के असर से भी यह ताकत कम हो जाती है।

ऐसे बढ़ाई जा सकती है रोगों से लड़ने की ताकत

- इम्यून सिस्टम सर्दी और फ्लू का कारण बनने वाले वायरस से बचाव करता है। ये आठ कदम आपके इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। यह आपको उन वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।
- खूब फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाइए।
- सप्ताह में जितने ज्यादा दिन हो सके, कम से कम 30 मिनट का कसरत करें।
- पर्याप्त नींद लें।
- जब-जब भी जरूरत हो, हाथ जरूर धोएं।
- टीकाकरण कराएं। छोटे बच्चों को हर साल फ्लू का टीका लगवाना चाहिए।
- अपना वजन कंट्रोल रखें।
- सिगरेट-शराब न पीएं।

भोजन की थाली में छुपी है अच्छी सेहत

इम्यून सिस्टम (रोगों से लड़ने की ताकत) मजबूत करने का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत है भोजन। आपकी थाली में सब्जियां और फल ज्यादा होने चाहिए। भारत में सरकार ने अपने 'मायप्लेट' प्रोग्राम के तहत दिशा-निर्देश जारी किए हैं और बताया है कि भोजन की आदर्श थाली कैसी होती है।

शरीर में किसी तरह की कमजोरी या असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर को बताना चाहिए और उनसे यह भी जानना चाहिए कि क्या मरीज वह भोजन कर रहा है जिसमें उसके लिए जरूरी विटामिन और खनिज हो। अधिक खुराक न लें। बहुत ज्यादा सोना बुरा हो सकता है।

तनाव कम करने की कोशिश करें

आज हर व्यक्ति को तरह-तरह के तनाव से जूझना पड़ रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की यही क्षमता तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। इसलिए तनाव कम लें, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

तनाव दूर करने के लिए उठाएं ये कदम

- पर्याप्त नींद लें।
- खुद को रिलेक्स रखें यानी हर वक्त तनाव में न रहें। बीच-बीच में कुछ ऐसे काम करते रहें, जिसने सुकून महसूस हो जैसे कोई शॉर्ट फिल्म देखना या संगीत सुनना।
- व्यायाम जरूर करें।
- अपने लिए समय निकालें।
- उन लोगों से मिलते-जुलते रहें, जिन्हें आप अपनी समस्याएं बताते हैं और सही समाधान मिलता है।
- तनाव ज्यादा बढ़ जाए तो परेशान बने रहने के बजाए डॉक्टर से मिलें। काउंसिलिंग से कई तरह के तनाव दूर हो सकते हैं।

डॉ. गगन अग्रवाल बताते हैं कि जो मां अपने बच्चे को स्तनपान कराती है, उस बच्चे में रोगों से लड़ने की ताकत ज्यादा होती है। जिस घर में छोटे बच्चे हों, वहां साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। बच्चों को बाहर की चीजें खिलाने के बजाए घर की बनी पौष्टिक चीजें खिलाएं।

सेहत

87 प्रतिशत बच्चे बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं मोबाइल

आंखों पर पड़ रहा है असर

बच्चों में स्क्रीन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। पर सबसे खतरनाक बात ये है कि हमारे नवजात शिशु भी कंप्यूटर और मोबाइल जैसे उपकरणों के आदी हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, आज बच्चे टीवी देखने या कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने में बहुत अधिक समय खर्च कर रहे हैं। ऐसा उन बच्चों में ज्यादा है, जो प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा स्क्रीन से चिपकी रहती थीं। एक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 12 महीने की उम्र के बच्चे औसतन रोज 53 मिनट स्क्रीन पर खर्च कर रहे हैं, वहीं 3 साल की उम्र और इससे ज्यादा के बच्चे लगभग 150 मिनट से अधिक फोन और कंप्यूटर के इस्तेमाल पर खर्च कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार इस तरह इन बच्चों में आगे चलकर कुछ बड़ी बीमारियों के शिकार होने की संभावनाएं ज्यादा है। आइए जानते हैं इस अध्ययन के बारे में-

शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि 8 वर्ष की आयु तक, बच्चों द्वारा किसी न किसी प्रकार के स्क्रीन पर समय बिताने की सबसे अधिक डाटा पाए गए हैं, जो इस बात का संकेत करते हैं कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकट में है। अध्ययन में अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) की वरिष्ठ लेखिका एडविना येंग ने कहा, 'हमारे नतीजे बताते हैं कि स्क्रीन की आदतें जल्दी शुरू होती हैं।' अल्बनी और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन मेडिकल सेंटर के विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, अपस्टैट किड्स स्टडी के आंकड़ों का विश्लेषण किया है, जो मूल रूप से बांझपन के उपचार के बाद विकसित बच्चों के विकास के क्रम की जांच करना था।

अनुसंधान में कदम

अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लगभग 4,000 बच्चों की माताओं ने 12, 18, 24, 30 और 36 महीने की उम्र में अपने बच्चों की मीडिया की आदतों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। उन्होंने इसी तरह के सवालों का जवाब दिया, जब बच्चे 7 और 8 साल के थे। अध्ययन ने जन्म के रिकॉर्ड और अन्य सर्वेक्षणों से माताओं और बच्चों पर अतिरिक्त जनसांख्यिकीय जानकारी संकलित की। वहीं इस शोध में अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल मीडिया एक्सपोजर से बचने की सिफारिश की। जहां ये संस्था बताती है कि 18 से 24 महीने के बच्चों को धीरे-धीरे स्क्रीन मीडिया की आदत ज्यादा जल्दी लग रही है, वहीं 2 से 5 साल की उम्र के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे स्क्रीन पर खेलने के समय को कम करने की कोशिश करनी होगी।

वर्तमान अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि कुल मिलाकर 87 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनमें ये स्क्रीन का इस्तेमाल धीरे-धीरे बढ़ रहा है। हालांकि, जबकि स्क्रीनिंग समय 7 और 8 साल की उम्र तक के बच्चों में प्रति दिन 1.5 घंटे से कम है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कमी स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समय से संबंधित है। शोधकर्ताओं ने बच्चों को दो समूहों में वर्गीकृत किया जो इस बात पर आधारित था कि उनकी औसत दैनिक स्क्रीन का समय 1 वर्ष से 3 वर्ष की आयु तक बढ़ गया है।

पहला समूह, जिसमें 73 प्रतिशत बच्चे औसतन 51 मिनट एक दिन का स्क्रीन पर बिताते थे। वहीं दूसरे समूह, जिसमें 27 प्रतिशत बच्चे दिन में लगभग 4 घंटे स्क्रीन पर खर्च करते हैं। वहीं माता-पिता की शिक्षा के उच्च स्तर दूसरे समूह में शामिल किए जाने की कम बाधाओं से जुड़े थे। यानी जिन बच्चों के मां-बाप जितने ज्यादा पढ़े-लिखे थे उतना ही उनके बच्चे स्क्रीन डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं कम पढ़े-लिखे मां-बाप के बच्चे इसका इस्तेमाल कम कर रहे थे। वहीं शोधकर्ताओं की मानें, तो लड़कों की तुलना में लड़कियों में स्क्रीन पर बिताने का समय कम था। वहीं इस तरह इन बच्चों को देखते हुए शोधकर्ताओं का कहना है कि मां-बार ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों को स्क्रीन से दूर रखें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 5004

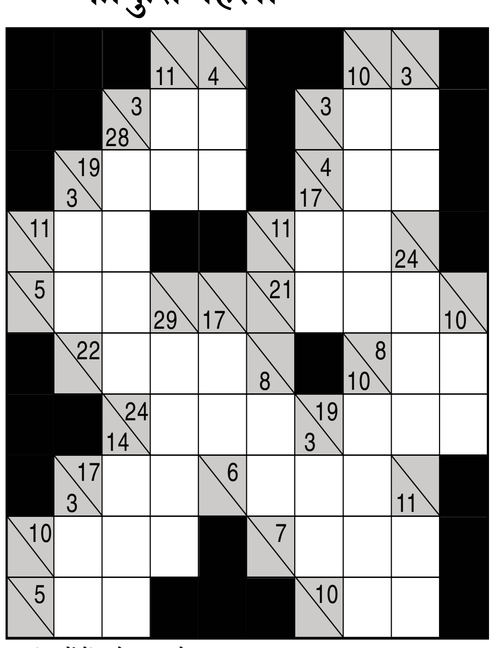

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

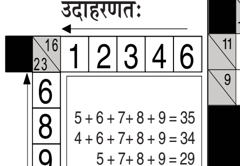

काकुरो - 5003 का हल

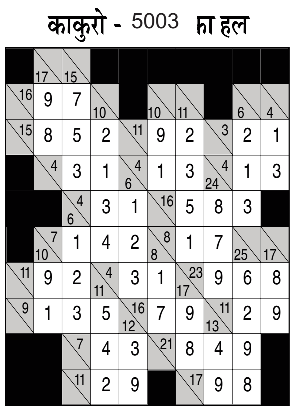

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5004

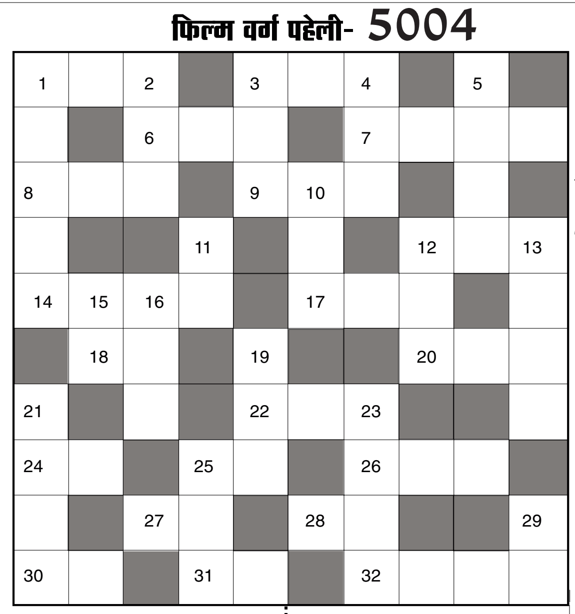

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5003

उ	त्स	व		चि	श	ग		खौ	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		शा	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा		र्द	
गू		मा	चि	स		ज	ख्मी		जं
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
टा		ना	ना		दे			म	स्ती

सूडोकु 5004

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 5003 हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली -5004

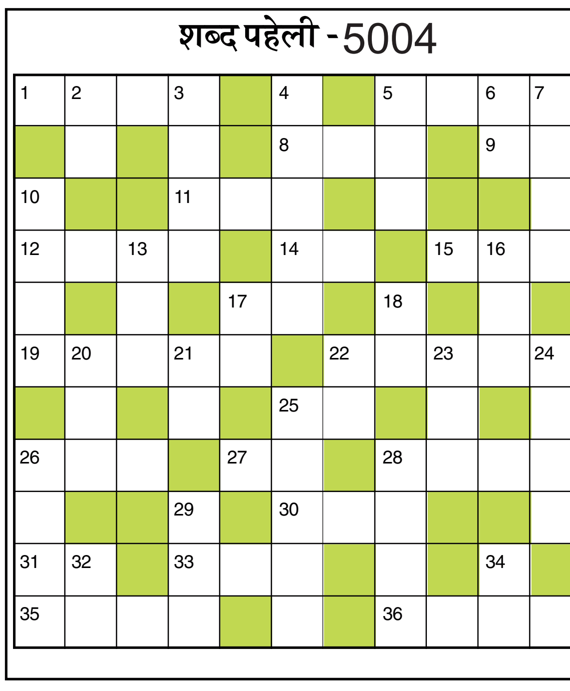

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली - 5003 हल

	सो	नि	या	गां	धी		म	हा	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
ना		म	न	सि	ज		र	ग		मे
ब	ला	त			वा	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
श	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ह	ल		न		क
का	ज	ल		शा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
चो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने भिवाड़ी में सीईटीपी और एसटीपी प्लांट का किया औचक निरीक्षण

एजेंसी

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भिवाड़ी में दूषित जलभराव और साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन के साथ औचक निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री यादव ने सीईटीपी और एसटीपी प्लांट, तथा बाईपास टी-पॉइंट पहुंचकर वहां की स्थिति का जायजा लिया। भूपेंद्र यादव ने कहा कि दूषित जलभराव भिवाड़ी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष से प्रशासन के साथ मिलकर इस समस्या को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ प्रयास अब रंग ला रहे हैं, जिससे काफी हद तक समाधान भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इस समस्या को पूरी तरह जड़ से समाप्त करने में करीब एक वर्ष और लग सकता है, उसके बाद भिवाड़ी एक साफ और स्वच्छ शहर के रूप में सामने आएगा। भूपेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तिजारा में आयोजित सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने भिवाड़ी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सभी संसाधनों की कोई कमी नहीं रहने देने का आश्वासन दिया।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भिवाड़ी देश के नक्शे पर एक उभरता हुआ औद्योगिक केंद्र है, और दिल्ली के निकट होने के कारण यह सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया बनकर उभर रहा है। उन्होंने अपील की कि भिवाड़ी के सभी गांव और स्थानीय निवासी इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग करें।

अमित शाह ने गुजरात की नमक सहकारी समितियों को दिया समर्थन, अमूल की बढ़ती विरासत की सराहना की

एजेंसी

आणंद। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात की पहली सहकारी नमक उत्पादन पहल की शुरुआत की सराहना की। उन्होंने इसे सहकारिता क्षेत्र में एक उपलब्धि करार दिया। सहकारिता मंत्रालय के गठन के चार साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि कच्छ जिला नमक सहकारी समिति की एक मॉडल समिति के रूप में शुरुआत हुई है, जो आने वाले दिनों में नमक उत्पादन करने वाले हर मजदूर के लिए अमूल की तरह एक सशक्त सहकारी आंदोलन बनेगा।

उन्होंने कहा, नमक उत्पादन एकमात्र ऐसा क्षेत्र था जो सहकारी आंदोलन से अब तक अछूता था। आज वह कमी पूरी हो गई है। उन्होंने कच्छ जिला सहकारी नमक महासंघ के पीछे की प्रेरणाशक्ति हुंबल भाई

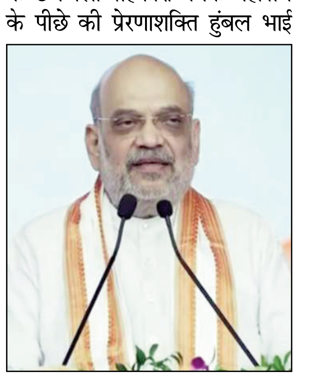

का जिक्र किया। अमित शाह ने कहा कि यह कदम गुजरात के पारंपरिक नमक श्रमिकों को एक संगठित और सामुदायिक नेतृत्व वाले मॉडल के जरिए उचित लाभ सुनिश्चित करेगा। गृह मंत्री ने अमूल के मोगर चॉकलेट प्लांट और खटराज पनीर प्लांट की विस्तारित सुविधाओं का भी उद्घाटन किया और नए सरदार पटेल सहकारी डेयरी फेडरेशन का शुभारंभ किया। अमूल की सफलताओं का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा, गुजरात में 36 लाख और शेष भारत में 20 लाख महिलाएं अमूल के संचालन को शक्ति देती हैं। उनके प्रयासों की बदौलत अमूल का मौजूदा कारोबार 80 हजार करोड़ रुपए है। अगले साल हम एक लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लेंगे और यह लाभ सीधे 56 लाख महिलाओं के खातों में जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सहकारिता मॉडल का उद्देश्य सिर्फ लाभ कमाना नहीं, बल्कि पूरे समुदाय को समृद्ध बनाना है और अमूल इसका सशक्त उदाहरण है। गुजरात देश के सबसे बड़े और सबसे विविध सहकारी क्षेत्रों में से एक है, जिसमें कृषि, डेयरी, चीनी, हाउसिंग, क्रेडिट और मार्केटिंग से जुड़ी 83,000 - 87,200 से अधिक सहकारी समितियां हैं जिनमें 1.71 से 1.79 करोड़ सदस्य शामिल हैं। आणंद पिछले के डेयरी मॉडल में ही अमूल, बनास डेयरी और दूधसागर डेयरी जैसी प्रमुख संस्थाएं आती हैं, जो मिलकर 36 लाख दूध उत्पादकों को सेवाएं देती हैं और 24 लाख लीटर प्रतिदिन से अधिक दूध का प्रसंस्करण करती हैं। इससे सालाना 90 हजार करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व आता है। इस क्षेत्र में महिलाएं तेजी से हिस्सा बन रही हैं।

हिमाचल प्रदेश के 10 जिलों में बाढ़ का अलर्ट, मंडी व चंबा में फटे बादल, 16 दिन में 78 मौतें

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रेड अलर्ट के बीच मंडी और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं सामने आईं, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं मौसम विभाग ने राज्य के 10 जिलों में अगले 24 घंटों के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर सभी जिलों ऊना, चंबा, कुल्लू, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, शिमला, सिरमौर और मंडी में फ्लैश फ्लड का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 7 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन व सिरमौर में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट और चंबा व कुल्लू में येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 8 जुलाई को भी ऊना, हमीरपुर, कांगड़ा व सिरमौर में ऑरेंज और शिमला-बिलासपुर में येलो अलर्ट रहेगा। 9 और 10 जुलाई को अधिकांश जिलों में येलो अलर्ट जारी रहेगा। 11 व 12 जुलाई को भी बारिश की आशंका जताई गई है, लेकिन किसी तरह का अलर्ट व चेतावनी नहीं दी गई है। बीते 24 घण्टों के दौरान हमीरपुर जिला के अघ्घर में सर्वाधिक 110 मिमी वर्षा हुई। कांगड़ा जिला के नगरोटा सुर्रियां में 100, अम्ब, ऊना व संधोल में 70-70, गुलेर व धर्मशाला में 60-60, कटुआला, घमरूर, बरठीं, सुजानपुर व भराड़ी में 40-40, नादौन, काहू, मंडी व नैनादेवी में 20-20 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। चंबा जिले के चुराह उपमंडल में बघेईगढ़ नाले में रविवार सुबह बादल फटने से आई भीषण बाढ़ ने नकरोड़-चांजू सड़क पर बना पुल बहा दिया, जिससे चार ग्राम पंचायतों चरड़ा, चांजू, देहरा और बघेईगढ़ का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है।

पेपर लीक व पेपर कॉपी घोटाले की जांच से भाग रही बीजेपी सरकार- भूपेंद्र सिंह हुड्डा

नई दिल्ली। पेपर लीक, पेपर कॉपी और घोटाले बीजेपी सरकार में हुई भर्तियों की पहचान बन गए हैं। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के अभ्यर्थियों से आज दिल्ली में अपने निवास पर बातचीत कर रहे थे। अलग अलग पेपर देने वाले अभ्यर्थियों का एक ग्रुप हुड्डा को ज्ञापन देने पहुंचा था। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा है कि एचपीएससी द्वारा करवाई गई असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के पेपर में गंभीर गड़बड़ियां उजागर हुई हैं। हिस्ट्री के साथ-साथ हिंदी, जूलॉजी, केमिस्ट्री और फिजिक्स आदि जैसी भर्तियों के पेपरों में भी गंभीर गड़बड़ड़ियां सामने आई हैं। अभ्यर्थियों ने बाकायदा कमीशन को लिखित शिकायतें भेजी हैं और इन परीक्षाओं को रद्द करने की मांग उठाई है। सबसे बड़ी गड़बड़ी तो इन परीक्षाओं में यह हुई कि सभी जगह सील टूटे हुए पेपर अभ्यर्थियों को बांटे गए। पेपर की सील टूटने से पेपर लीक की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में जरूरी था कि सरकार अभ्यर्थियों की मांग को मानते हुए उच्च स्तरीय जांच करवाती है लेकिन सरकार इससे भागती नजर आई। इसे स्पष्ट है कि सरकार खुद तमाम धांधली और घोटालों की जनक है। अभ्यर्थियों ने हुड्डा को बताया कि हिस्ट्री के पेपर में 24 सवाल छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के एक पेपर से हूबहू कॉपी किए गए हैं।

दीवानगंज रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतरा, रेलवे ने दिए जांच के आदेश

रायसेन। मध्य प्रदेश में रायसेन जिले के दीवानगंज रेलवे स्टेशन के पास देर रात मालगाड़ी की एक बोगी पटरी से उतर गई। इस घटना के बाद रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी स्टाफ मौके पर पहुंच गए हैं। फिलहाल ट्रैक की मरम्मत का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है। वहीं इस दुर्घटना की जांच को लेकर एक समिति बनाई जाएगी। देर रात करीब 3:30 बजे चेन्नई डिविजन से अंबाला डिवीजन की ओर जा रही मालगाड़ी की एक डिब्बा अचानक दीवानगंज स्टेशन के पास पटरी से उतर गया। यह घटना डाउन ट्रैक पर हुई, जिससे रेल पटरी के स्लीपर भी क्षतिग्रस्त हो गए और रेल मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की आवाज से आसपास के लोग दहशत में आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और राहत-मरम्मत कार्य शुरू किया। रेलवे पीआरओ ने बताया कि मालगाड़ी चेन्नई डिविजन से चलकर अंबाला डिवीजन की ओर जा रही थी। मालगाड़ी में ऑटोमोबाइल लदा हुआ था। मिडिल लाइन से डाउन लाइन पर जाते वक्त लोको से 15वें नंबर का डब्बा ट्रैक से नीचे उतर गया।

मुठभेड़ में मारे गये नक्सली की शिनाख्त 8 लाख का इनामी स्नाइपर सोढ़ी कन्ना के रूप में हुई

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क एरिया में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच 4 जुलाई को हुई मुठभेड़ में एक नक्सली का शव बरामद हुआ था, जिसकी शिनाख्त नक्सलियों के स्नाइपर 8 लाख का इनामी बटालियन नंबर 1 की कंपनी नंबर 2 का डिप्टी कमांडर सोढ़ी कन्ना के रूप में हुई है। सर्चिंग में मारे गये नक्सली के शव के साथ एक .303 रायफल तथा पांच जीवित राउंड, एके-47 का मैगजीन व 59 जीवित राउंड, एक जोड़ी नक्सली वर्दी, कोडेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज, डेटोनेटर, नक्सली पिट्ठू, नक्सली साहित्य, रेडियो व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद हुआ है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने सोमवार को बताया कि, जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिस पर डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, एसटीएफ, कोबरा 202, कोबरा 210 और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को 4 जुलाई से सर्च ऑपरेशन पर भेजा गया था।

हमारा सपना 'भगवा-ए-हिंद' होना चाहिए : धीरेंद्र शास्त्री

एजेंसी

पटना। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हम किसी मजहब के विरोधी नहीं हैं। अभी वर्तमान में कहीं भाषा तो कहीं क्षेत्रवाद की लड़ाई चल रही है, कहीं जातिवाद की लड़ाई चल रही है। लेकिन, हिंदुओं को बंटने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि जातिवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद के लिए जीना चाहिए। कुछ ताकतें गजवा-ए-हिंद बनाना चाहती हैं, लेकिन हमारा एक ही सपना है कि भगवा-ए-हिन्द होना चाहिए।बिहार की राजधानी पटना में सनातन महाकुंभ में आए लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर धर्म पर घात हुआ तो मैं प्रतिघात करूंगा। मैं हिंदू हूं और हिंदुत्व की बात करूंगा। उन्होंने कहा, ÷सनातन मतलब शाश्वत, सनातन मतलब यही सत्य है। सनातन मतलब हिंसा नहीं, अहिंसा, सनातन का मतलब है पूरे विश्व का विश्वगुरु, हर हर महादेव। बिहार के पागलों, एक बात गांठ बांध लो, हम सब हिंदू एक हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी मजहब के विरोधी नहीं हैं। न हमें मुसलमानों से दिक्कत है, न हमें ईसाइयों से दिक्कत है। हमें उन हिंदुओं से दिक्कत है, जो जातिवाद के नाम पर हिंदुओं को लड़ाते हैं। हम सब हिंदू

एक हैं, एक समान हैं। उन्होंने साफ कहा कि हम पटना राजनीति के चक्कर में नहीं आए हैं बल्कि रामनीति के लिए आए हैं। हम किसी भी पार्टी के नहीं हैं, जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, उस-उस पार्टी के हम हैं। हम राम के हैं, सनातन के हैं। हम हिंदुओं को जोड़कर रहेंगे। आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने चुनाव के बाद बिहार में पदयात्रा करने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि हम हिंदुओं को जोड़कर रहेंगे। चुनाव के बाद बिहार में भी पदयात्रा करेंगे। हम यह पदयात्रा चुनाव के बाद इसलिए करेंगे, ताकि हम पर राजनीति करने का आरोप न लगे। अब जातिवाद नहीं, राष्ट्रवाद के लिए जीएंगे।

झारखंड के गिरिडीह में मुहर्रम जुलूस के दौरान हादसा, एक की मौत, चार घायल

एजेंसी

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिला अंतर्गत चाकोसिंघा गांव में मुहर्रम के जुलूस में बिजली का करंट दौड़ने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कम से कम चार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में भी दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को गिरिडीह के अस्पताल में दाखिल कराया गया है। गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की ओर से तत्काल सहायता उपलब्ध कराई गई। बताया गया कि जिले के थोड़थंभा ओपी क्षेत्र में रविवार की दोपहर परंपराओं के अनुसार ताजिया के साथ जुलूस निकाला गया था। एक बड़े ताजिया को लोगों ने जैसे ही कंधे पर उठाया, वह 11 हजार वोल्ट के बिजली तार के संपर्क में आ गया। ताजिया उठा रहे तमाम लोगों को जोरदार झटका लगा। पांच-छह लोग जमीन पर गिरकर छटपटाने लगे। इनमें से एक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद जुलूस में अफरा-तफरी मच गई। पूरे इलाके में मातम पसर गया। हाईटेंशन बिजली के तार से ताजिया सट जाने से फैले करंट की वजह से चार लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 10 से अधिक लोग बुरी तरह झुलस

जुलूस के दौरान करंट से हादसे की यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले साल इसी जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के चकमंजो गांव में मुहर्रम पर निकाले गए ताजिया में करंट प्रवाहित होने से हैदर अंसारी नामक एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य जख्मी हो गए थे। इसके पहले वर्ष 2023 में बोकारो जिले के पेटरवार में मुहर्रम के जुलूस के दौरान 11 हजार वोल्ट के गए थे। झारखंड राज्य विद्युत आपूर्ति निगम ने हाईकोर्ट के निर्देश पर राज्य में निकाले जाने वाले धार्मिक जुलूसों में झंडों, झांकियों आदि की ऊंचाई को लेकर पिछले ही हफ्ते गाइडलाइन जारी की थी। इसके बावजूद राज्यभर के कई इलाकों में काफी ऊंचाई वाले ताजियों के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा है।

सैनेटरी पैड्स पर कांग्रेस ने नहीं लगाई राहुल गांधी की तस्वीर, फैलाया गया झूठ : प्रमोद तिवारी

एजेंसी

प्रयागराज। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सैनेटरी पैड्स पर राहुल गांधी की तस्वीर चस्पा कर झूठ फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो पोस्ट विपक्षी दल की घटिया सोच को दर्शाता है।

समाचार एजेंसी से खास बातचीत में सांसद ने कहा, सरकार महिलाओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर विफल रही है, इसलिए कांग्रेस ने अपने सीमित संसाधनों से सैनेटरी पैड्स बांटे। लेकिन भाजपा की घटिया सोच ने इन पैड्स पर राहुल गांधी की फर्जी फोटो लगाकर सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया, पैड पर कोई फोटो नहीं थी। तिवारी ने इसे एक शर्मनाक, घृणित और घटिया हरकत है, जो भाजपा समर्थकों की मानसिकता को दर्शाता है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले शुरू वोटर लिस्ट विवाद पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास आधार कार्ड है और वह किसी क्षेत्र में निवास कर रहा है, तो उसका नाम वोटर लिस्ट में जोड़ा जाना चाहिए। लेकिन चुनाव आयोग आधार कार्ड को भी नकार रहा है और नागरिकों से उनकी कुंडली पूछी जा रही है। भारतीय

जनता पार्टी ने खुद संसद में कहा था कि आधार कार्ड भारतीयता का प्रमाण है, तो अब वही प्रमाण मान्य क्यों नहीं है? वहीं, नेहल मोदी की गिरफ्तारी पर भी प्रमोद तिवारी ने सवाल उठाए। कहा कि जब सीबीआई और ईडी की जांचें चल रही थीं, तब ऐसे अपराधियों को विदेश भागने की छूट किसके इशारे पर मिली? पुराने वादों की याद दिलाते हुए तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा था कि दाऊद इब्राहिम को छह महीने में भारत लाएंगे। अब पूछना चाहता हूं, कहां है दाऊद? मसूद अजहर, हाफिज सईद और दाऊद इब्राहिम जैसे आतंकियों का क्या हुआ? क्या भाजपा सरकार इनके खिलाफ कार्रवाई का कोई ब्योरा दे सकती है? राज्यसभा सांसद ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी बयान दिया। कहा कि भारतीय वायुसेना की ओर से किए गए ऑपरेशन सिंदूर के समय, विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को यह जानकारी दी कि हम आतंकी ठिकानों पर हमला करेंगे। नतीजा यह हुआ कि हमला केवल आतंकी ठिकानों पर हुआ, आतंकी सब वहां से हट गए। हमारे वीर जवानों की मेहनत का पूरा असर नहीं पड़ा। आखिर सरकार यह बताए कि आतंकी कहां मारे गए।

चिराग ने बिहार विधानसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

एजेंसी

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान खुले मंच से किया। चिराग के मंच से दिये गये इस बयान ने एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा और जदयू की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चिराग पासवान छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में पार्टी द्वारा आयोजित नव-संकल्प महासभा कार्यक्रम में शामिल हुए । इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने कहा कि आज सारण की इस पावन धरती से आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा। उन्होंने कहा, मैं ना रुकने वाला हूं, ना थकने वाला हूं और डरता तो मैं किसी से नहीं हूं। जितनी ताकत आजमानी है आजमा लो। सर पर कफन बांध के निकला हूं कि जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा, तब तक मैं भी चैन की सांस नहीं लूंगा। पर इसके लिए साथियों जरूरत है मुझे आप सब की। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि कई ऐसे लोग हैं जो नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बिहारी युवाओं को पलायन कर दूसरे राज्यों और देशों में रहने के लिए मजबूर किया, वे उसी तरीके से चाहते हैं कि चिराग पासवान अगर बिहार आ गए तो युवाओं को उनका हक दिलाएंगे।

राजस्व वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति में कोताही बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज सम्पदा का समुचित दोहन करते हुए राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी वसूली के प्रकरणों में सख्ती से नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही, खनन अधिनियमों और नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम की जाए। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा यहां खनन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, शर्मा

ने कहा कि नीलाम किए गए ब्लॉक्स में खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में खनन विभाग समयबद्ध रूप से तय राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शास्ति प्रक्रिया में सुधार लाने और इसे आवश्यकतानुसार सुसंगत बनाने के लिए निर्देशित किया। शर्मा ने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश करते हुए विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्वे और मालवाहक गाड़ी की सख्त चेकिंग सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन पर रोकथाम के लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। इसके लिए पुलिस, जिला प्रशासन, वन विभाग, परिवहन विभाग तथा खनन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री का एक बेहतरीन विकल्प है। इसे व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए ताकि बजरी के दोहन में कमी आए।

बिहार में एसआईआर का प्रारंभिक चरण पूर्ण, अब तक 1.69 करोड़ गणना फॉर्म एकत्र

एजेंसी

पटना। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत प्रारंभिक चरण लगभग पूरा हो चुका है। इस चरण में निर्वाचन फॉर्मों का मुद्रण और वितरण संपन्न हो गया है। अब तक 1.69 करोड़ गणना फॉर्म एकत्र किए जा चुके हैं, जबकि 7.25 प्रतिशत फॉर्म ईसीआई-नेट पर अपलोड किए गए हैं। चुनाव आयोग ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर प्रक्रिया 24 जून को जारी निर्देशों के अनुरूप ही संचालित की जा रही हैं और इसमें किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया गया है। इन निर्देशों के अनुसार 1 अगस्त को प्रारूप निर्वाचक नामावलियां प्रकाशित होंगी। इनमें केवल उन्हीं व्यक्तियों के नाम सम्मिलित होंगे, जिनके फॉर्म समय पर प्राप्त हुए हैं। निर्वाचक अपने दस्तावेज 25 जुलाई से पहले कभी भी जमा कर सकते हैं। यदि प्रारूप नामावली के प्रकाशन के बाद किसी दस्तावेज में कमी पाई जाती है, तो संबंधित निर्वाचक से दावा-आपत्ति की अवधि में आवश्यक दस्तावेज लिए जा सकते हैं। आयोग के अनुसार 6 जुलाई 2025 की शाम 6 बजे तक बिहार में

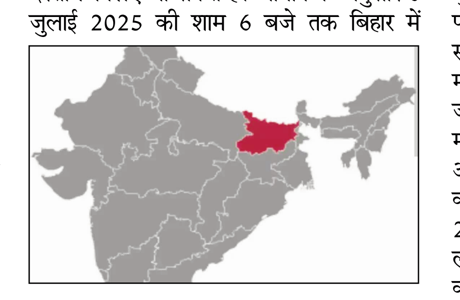

1,69,49,208 गणना फॉर्म एकत्र किए जा चुके हैं, जो राज्य के कुल 7.90 करोड़ नामांकित मतदाताओं का 21.46 प्रतिशत है। बीते 24 घंटे में ही 65,32,663 फॉर्म जमा किए गए हैं। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि तक अब भी 19 दिन शेष हैं। ईसीआई-नेट ऐप और पोर्टल के माध्यम से अब तक 7.25 प्रतिशत फॉर्म अपलोड किए जा चुके हैं। फॉर्म डाउनलोड के लिए पोर्टल और ऐप पर उपलब्ध हैं, और वहीं से अपलोड भी किए जा सकते हैं। राज्यभर में 77,895 बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने और जमा करने का कार्य कर रहे हैं। कई बीएलओ मतदाताओं की लाइव तस्वीरें लेकर उन्हें भी अपलोड कर रहे हैं, जिससे उन्हें फोटो क्लिक कराने में कठिनाई नहीं हो रही। इसके अतिरिक्त, 20,603 नए बीएलओ नियुक्त किए जा रहे हैं। लगभग 4 लाख स्वयंसेवक, जिनमें सरकारी कर्मचारी, एनसीसी कैडेट, एनएसएस सदस्य आदि शामिल हैं, बुजुर्गों, दिव्यांगों और बीमारों की सहायता के लिए फील्ड में सक्रिय हैं। वहीं राज्य के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में 239 ईआरओ, 963 एईआरओ, 38 डीईओ और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के प्रतिनिधि कार्यरत हैं।

मध्य प्रदेश में बरगी बांध के 9 गेट खुले, छोड़ा जा रहा 52195 क्यूसेक पानी

एजेंसी

जबलपुर। रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध के जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए इस सीजन में पहली बार दोपहर करीब 12 बजे इसके 21 में से 9 स्पिल-वे गेट औसतन 1.33 मीटर की ऊंचाई तक खोल दिये गये हैं और इनसे 52,195 क्यूसेक (घनफुट पानी प्रति सेकंड) पानी छोड़ा जा रहा है। कार्यपालन यंत्री बरगी बांध राजेश सिंह गौंड के अनुसार खोले गये 9 गेट में से गेट नम्बर 10, 11 और 12 को दो-दो मीटर, गेट नम्बर 9 और 13 को डेढ़-डेढ़ मीटर, गेट नम्बर 8 और 14 को एक-एक मीटर तथा गेट नम्बर 7 और 15 को आधा-आधा मीटर की ऊंचाई तक खोला गया है। उन्होंने बताया कि बांध में आवक को देखते हुये कभी भी इससे पानी निकासी की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। यंत्री बरगी बांध के मुताबिक दोपहर 11 बजे बांध का जल स्तर 417.40 मीटर रिकार्ड किया गया था और इस समय इसमें लगभग 98,741 क्युसेक पानी प्रवेश कर रहा था। उन्होंने बांध के निचले क्षेत्र के निवासियों से नर्मदा तट से सुरक्षित दूरी बनाये रखने तथा डूब क्षेत्र में प्रवेश न करने की अपील करते हुए बताया कि बांध से पानी छोड़ने से नर्मदा नदी का जलस्तर 4-5 फुट तक बढ़ सकता है। बरगी बांध का पूर्ण जल भराव स्तर 422.76 मीटर है और ऑपरेशनल मैन्युल के अनुसार 31 जुलाई तक इसका जलस्तर 417.50 मीटर रखा जाना प्रस्तावित है।

प्रधानमंत्री का संकल्प है कि हर बहन लखपति दीदी बनें : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय कृषि तथा किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हर बहन को लखपति दीदी बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कार्य किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि हर बहन लखपति दीदी बनें। इसी संकल्प की पूर्ति के लिए कार्य किये जा रहे हैं, ताकि हर बहन मुस्कुराए और आर्थिक रूप से सशक्त हो। केन्द्रीय मंत्री विदिशा जिले के गंजबासौदा में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब लखपति दीदी के बाद मिलेनियम दीदी की और अग्रसर हो के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले कार्य समूहों के माध्यम से संपादित हो रहे हैं। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना इत्यादि पर भी गहन प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज 55 लाख बेटियां लाडली लक्ष्मी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि लाडली बहनों को प्रतिमा 1250 की राशि मिल रही है जो अब 1500 होने वाली है और आगामी समय में यह राशि बढ़कर 3000 रुपये होगी। उन्होंने इस दौरान मंच से ही संवाद कर लखपति दीदी बनने में आजीविका मिशन की भूमिका की जानकारी ली। लखपति दीदियों ने भी किस प्रकार गतिविधियों का संचालन कर प्रतिमाह की आमदनी 10 हजार से ऊपर हुई आदि की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री एवं विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल भी मौजूद रहे। इससे पहले केन्द्रीय कृषि मंत्री गंजबासौदा पहुंचते ही रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार कार्यों का भ्रमण कर जायजा लिया। रेलवे स्टेशन परिसर में ही विकास कार्यों को रेखांकित करने वाली छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान स्टेशन मास्टर के द्वारा जानकारियां सांझा की गई है। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए कक्षों में मौजूद यात्रियों से संवाद भी किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गंजबासौदा के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अनिल यादव की स्मृति में नवनिर्मित पत्रकार भवन का लोकार्पण फीता काटकर किया। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अनिल यादव के संस्मरणों को याद किया। उन्होंने कहा कि उन्हीं की स्मृति में आज सभी के सहयोग से यह आलीशान पत्रकार भवन बनकर तैयार हुआ है। कहा कि स्व. अनिल यादव से उनका जुड़ाव छात्र राजनीति के दौरान हुआ था, वह उनके बेहद करीब थे। उन्होंने स्वर्गीय यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति के ऊपर पत्रकारिता को स्थान दिया।

कॉरपोरेट सेक्टर में मुकाम

लॉ की एक अहम शाखा है कॉरपोरेट लॉ. इसके जरिये विद्यार्थी कॉरपोरेट सेक्टर के साथ जुड़ सकते हैं. यह कोर्स पूरा करने के बाद बेहतरीन कैरियर विकल्प के साथ ही अच्छे वेतन की भी संभावना है. अगर आपमें अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता है और चुनौतियों को स्वीकार करने में आपको मजा आता है, तो आप कानून के एक्सपर्ट बन कर कैरियर में नयी ऊंचाई छू सकते हैं. पारंपरिक वकील और न्यायिक सेवाओं के अलावा अब कॉरपोरेट लॉयर बन कर भी शानदार कैरियर बनाया जा सकता है. कैसे लें इस क्षेत्र में दाखिला और कैसे छुएं ऊंचाइयों को, सबके बारे में जानें विस्तार से.

देश में कोर्ट बेशक कम हों, लेकिन मुकदमों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है. इसीलिए अच्छे वकीलों की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. देश का कानून इतना व्यापक है कि स्पेशलाइजेशन की जरूरत बढ़ जाती है. इस तरह के स्पेशलाइजेशन की मेडिकल क्षेत्र से तुलना की जा सकती है. आप अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र के कानून के विशेषज्ञ के रूप में पहचान बना सकते हैं.

यह क्षेत्र एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ, कांस्टीट्यूशनल लॉ, फैमिली लॉ, इंटरनेशनल लॉ, साइबर लॉ, लेबर लॉ, पेटेंट लॉ, इन्वायर्नमेंटल लॉ और कॉरपोरेट लॉ आदि में से कुछ भी हो सकता है. सिर्फ कॉरपोरेट लॉ की बात करें, तो इसका क्षेत्र भी काफी व्यापक होता जा रहा है.

कैसे बन सकते हैं कॉरपोरेट लॉयर

यह लीगल क्षेत्र का उभरता स्वरूप है. बड़े बिजनेस घराने और सरकारी विभागों को भी कई जटिल कानूनी मामलों का सामना करना पड़ता है. इन्हें हल करने के लिए कॉरपोरेट लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है. इनका काम कंपनी के संचालन में कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना, कंपनी से जुड़े मुकदमों की पैरवी करना, कंपनी के लिए कांट्रैक्ट तैयार करना आदि होता है. कॉरपोरेट कंपनियों में मिलनेवाले आकर्षक वेतन के चलते युवा इस तरफ काफी आकर्षित हो रहे हैं.

क्या होता है काम

कंपनी को सुचारु ढंग से चलाने के लिए सरकारी नियमों के अलावा कंपनियां अपने कर्मचारियों, उपभोक्ता या एसोसिएट्स के लिए भी नियम बनाती हैं. ऐसे ही नियमों की गुत्थियों को समझने और उनकी प्राथमिकताओं को पूरा करने का भार कॉरपोरेट लॉ के जानकारों का होता है. कॉरपोरेट लॉ फर्म अपने ग्राहक की टैक्स प्लानिंग से लेकर, कर्मियों, सहयोगियों, शेयरधारकों और यहां तक कि किरायों एवं समझौतों की संपूर्ण रूपरेखा बनाते हैं. कॉरपोरेट लॉ फर्म किसी भी कंपनी की रीढ़ होती है, जिसके द्वारा किये गये काम से ही कंपनी की वार्षिक आमदनी और उपलब्धियों का आकलन किया जाता है.

किन क्षेत्रों में होती है इसकी भूमिका

कंपनी के टैक्सों का आकलन और निष्पादन, नये संस्थानों के गठन की संरचना, लाइसेंस समझौता बनाना, बौद्धिक संपत्तियों को संरक्षित करना, शेयरधारकों के लिए नियम बनाना, विक्रय और वितरक समझौते की रूपरेखा तैयार करना, ट्रेड मार्क और कॉपीराइट नियमों का निष्पादन करना, कर्मियों के लिए कंपनी अधिनियमों के अनुरूप नियम बनाना, संयुक्त या किसी भी प्रकार के उपक्रम की संरचना, नये व्यवसायों के लिए लाभ-हानि की सलाह देना वगैरह कॉरपोरेट लॉयर के कामों में शामिल है.

कैसे लें प्रवेश

दसवीं के बाद ही लॉ की पढ़ाई शुरू की जा सकती है. कई यूनिवर्सिटीज और प्राइवेट कॉलेजों में पांच वर्षीय बीए एलएलबी कोर्स कराया जाता है. अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स के बाद इस क्षेत्र में कैरियर शुरू कर सकते हैं. एंट्रेंस एग्जाम में बैठने के लिए दसवीं में कम से कम 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए. देश के विभिन्न नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और स्कूल में एडमिशन 'कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) के माध्यम से होता है. अन्य संस्थान लॉ कोर्सेज के लिए अलग-अलग एंट्रेंस एग्जाम्स आयोजित करते हैं. कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में आमतौर पर इंगलिश, लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, मैथमेटिक्स और जनरल नॉलेज से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं. अगर आप विदेश जाकर लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो वहां दाखिले की प्रक्रिया अलग हो सकती है.

पृथ्वी के गर्भ को समझने का मौका सीस्मोलॉजी

भूकंप विज्ञान का क्षेत्र काफी नया है. इस क्षेत्र ने पिछले कुछ वर्षों में काफी तेजी से प्रगति की है. कई युवा साथी इस क्षेत्र में अपना भाग्य आजमा रहे हैं. यह क्षेत्र केवल आपदा या उसके बाद के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान में किसी भी भवन के निर्माणकार्य से पूर्व उसे भूकंपरोधी बनाने के लिए भी कार्य करता है.

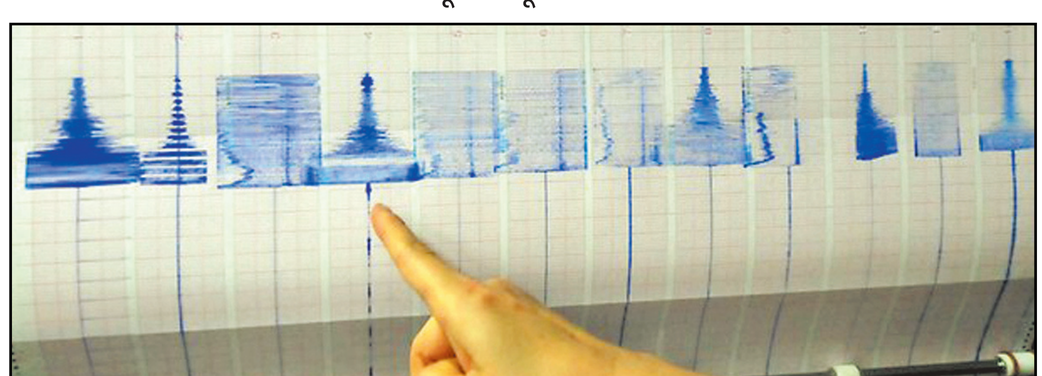

क्या है सिस्मोलॉजी

यह भूकंप और भूकंपीय तरंगों से पृथ्वी की अंतरंग अवस्था को समझने का विज्ञान है. यह विज्ञान का नया क्षेत्र है, जिससे पृथ्वी के अंदर की चीजों के बारे में काफी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई हैं. भूकंप विज्ञान की शुरुआत 1880 के आसपास भूकंपलेखी उपकरण के आविष्कार के साथ हुई. जो विद्यार्थी इस विषय को लेकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें अर्थक्वेक इंजीनियर कहा जाता है. अर्थक्वेक इंजीनियरिंग यानी सिस्मोलॉजी के अध्ययन में धरती के भीतर होनेवाले कंपन यानी भूकंप के कारणों के बारे में जाना जाता है. साथ ही, इससे मानवीय जीवन को होनेवाले नुकसान के अलावा जान-माल और पर्यावरण को होनेवाले नुकसान का भी अध्ययन किया जाता है. भूकंप के कुछ सेकेंड बाद ही आखिर यह कैसे पता चल जाता है कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर कितनी थी और इस भूकंप का केंद्र कहां स्थित था. इनकी जानकारी सिस्मोग्राफर की मदद से हो पाती है. भूकंप विज्ञान में केवल उसकी तीव्रता को नहीं मापा जाता. भूकंप आने के पूर्व और बाद की घटनाएं, पर्यावरण में बदलाव के अलावा किस प्रकार के भूकंप का जान-माल पर कैसा असर पड़ता है, इसका अध्ययन इसमें किया जाता है. साथ ही, पृथ्वी के गर्भ में मौजूद खनिजों आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जाती है.

योग्यता - भारत में अर्थक्वेक इंजीनियरिंग की शिक्षा पोस्टग्रेजुएट स्तर पर उपलब्ध है, जिसमें छात्र मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (एमइ) / मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एमटेक) कर सकते हैं. इन कोर्सो में ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के माध्यम से प्रवेश ले सकते हैं. इस विषय में पीएचडी भी कर सकते हैं.

चुनौतीपूर्ण है यह क्षेत्र

अगर आप सिस्मोलॉजी के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो यह भलीभांति समझ लें कि यह क्षेत्र आसान नहीं है. इसमें आप अधिकांश समय व्यस्त ही रहेंगे. हां, अगर आप उपलब्धियां हासिल करना चाहते हैं, तो इस काम में मजा भी बहुत आयेगा. भूकंप से संबंधित सूचनाएं एकत्र करने के बाद प्रयोगशाला में उसका अध्ययन करना और उससे प्राप्त आकड़ों से नयी चीजें सीखना, आपकी दिनचर्या में शामिल हो जायेगा. अर्थक्वेक इंजीनियरिंग या सिस्मोलॉजी में पृथ्वी के अंदर होनेवाली समस्त गतिविधियों पर नजर रखी जाती है. अर्थक्वेक इंजीनियर इन जानकारियों के आधार पर ही भूकंप के आशंकित क्षेत्रों, उसकी तीव्रता, पर्यावरण और जनसंख्या पर उसके प्रभाव आदि का आकलन करता है. इसके अन्य प्रमुख कार्यो में क्षेत्र विशेष और वहां आनेवाले भूकंपों की तीव्रता को ध्यान में रखते हुए इस तरह के भवनों की डिजाइन बनानी होती है, जिससे भूकंप से नुकसान कम हो.

संभावनाएं हैं अपार

सिस्मोलॉजी एक ऐसा विषय है, जिसमें उच्च अध्ययन करनेवाले युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं. विज्ञान की इस शाखा के तहत पृथ्वी, इसका पर्यावरण, इतिहास, खनिज आदि का अध्ययन किया जाता है. पिछले कुछ वर्षो में इस विषय में अध्ययन करनेवाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है. देश-विदेश में खुल रहे भूकंप अध्ययन केंद्रों, शोध संस्थाओं, सर्वे कंपनियों आदि में काम करने के अवसर तो पर्याप्त संख्या में हैं ही, साथ ही यदि इस क्षेत्र में अच्छी योग्यता हासिल कर ली जाये, तो इस विषय को विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने का भी अवसर मिल सकता है. विदेशी विश्वविद्यालयों में भी इस विषय के जानकारों की आवश्यकता रहती है. विदेशी शोध संस्थाओं के साथ जुड़ना आय के लिहाज से अच्छा माना जाता है. एक अच्छी जानकारी रखनेवाले अर्थक्वेक इंजीनियर का प्रारंभिक वेतन अमूमन 30 हजार रुपये प्रति माह तक होता है. कंपनी के कद के हिसाब से अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं.

समझें पर्सनालिटी के मायने

पर्सनालिटी या व्यक्तित्व को निखारने के लिए पहले यह समझना जरूरी है कि असल में पर्सनालिटी का अर्थ होता क्या है? समझें कि पर्सनालिटी ऊपरी नहीं, अंदरूनी होती है.

अकसर लोगों को यह कहते सुना जाता है कि उस व्यक्ति की पर्सनालिटी बहुत अच्छी है या खराब. आखिर क्या है पर्सनालिटी? क्या सही मायनों में हम इस शब्द के व्यापक रूप को समझ पाये हैं?

पर्सनालिटी को अकसर लोग शारीरिक आकर्षण या सुंदरता से जोड़ कर देखते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि हम इस शब्द के व्यापक रूप को नहीं समझते. पर्सनालिटी शब्द, लैटिन शब्द पर्ससोना से पैदा हुआ है, जिसका अर्थ है मास्क. इस शब्द का उपयोग रोमन के लोग थियेटर में काम करने के लिए और अलग-अलग किरदार निभाने के लिए करते थे. इसका अर्थ तो यह हुआ कि पर्सनालिटी वही है, जैसा हम दिखते हैं या दूसरों को नजर आते हैं, लेकिन पर्सनालिटी की यह परिभाषा बहुत ही संकुचित है. व्यक्तित्व को सही रूप में इस परिभाषा से समझा जा सकता है -

पर्सनालिटी सिर्फ शारीरिक गुणों से ही नहीं, बल्कि विचारों और व्यवहार से मिल कर बनती है. यह समाज में हमारे समायोजन और हमारे व्यवहार को भी निर्धारित करती है. कोई भी व्यक्ति जन्मजात अच्छी पर्सनालिटी लेकर पैदा नहीं होता, बल्कि सफल होने लिए अपने अंदर गुणों को विकसित करना पड़ता है. ऐसे गुणों को जो दूसरों को प्रभावित करें. साथ ही अपने आपको भी विकसित करें. शारीरिक रूप से सुंदर होना या बुद्धिमान होना व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू है. अच्छी पर्सनालिटी के लिए ज्ञान का सही उपयोग करना और अपनी मुद्रा व हाव-भाव को उसके अनुरूप बनाना आवश्यक होता है. अपने साथियों से बेहतर बनने के बजाय कोशिश करें कि आप अपने आपमें बेहतर बनें.

दबाव और डर दो बहुत ही बड़े कारण हैं, जो पर्सनालिटी को पूरी तरह से निखरने नहीं देते. इसलिए अपने अंदर के डर को पहचानना और उससे मुक्त होने का प्रयास करना आवश्यक है. व्यक्तित्व में विचारों और व्यवहारों की भूमिका के साथ-साथ फिजिकल कैरेक्टरस्टिक्स को भी नकारा नहीं जा सकता है. फिजिकल कैरेक्टरस्टिक्स का अर्थ सिर्फ खूबसूरत चेहरे से नहीं, बल्कि व्यक्ति की ऊर्जा और रहन-सहन का ढंग भी है. किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व इस बात से भी आंका जा सकता है कि वह अपने व्यक्तिगत रिश्तों का किस प्रकार निर्वाह कर रहा है या उसमें कितना सफल है.

नकारात्मक विचारों और भावनाओं पर पाएं विजय

अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए पहली आवश्यकता है इसे सही तरीके से समझना. आप अकसर वही देखते हैं, जो आप देखना चाहते हैं. अपनी नकारात्मक और कमतर समझने की भावना से दूर रहना जरूरी है. ऐसा बिल्कुल नहीं है कि अगर आप देखने में आकर्षक नहीं है, तो आपकी पर्सनालिटी अच्छी नहीं है. इसका सटीक उदाहरण मार्टिन लूथर किंग और गांधी जी जैसी शख्सियतें हैं. वे शारीरिक रूप से आकर्षित करनेवाले नहीं थे, लेकिन समाज के लिए इनका व्यक्तित्व एक मिसाल है. इन लोगों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं पर विजय पायी और खुद पर भरोसा किया. नकारात्मक भावनाओं और विचारों पर विजय पाने का उपाय है, खुद से प्यार करो, खुद को अच्छा समझो और ऐसे लक्ष्य बनाओ, जिन्हें आप प्राप्त कर सकते हों.

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला ने बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर से की सगाई

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने आज फैंस के साथ एक खुशखबरी शेयर की है। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ सगाई की है। अंशुला ने खूबसूरत फोटोज शेयर करते हुए रोहन और अपनी लव स्टोरी भी फैंस के साथ शेयर की है। उन्होंने बताया कि दोनों की मुलाकात एक एप के जरिए हुई। कपल ने न्यूयॉर्क में सगाई की है। अंशुला ने इंस्टाग्राम अकाउंट से सगाई की फोटोज शेयर की हैं। इनमें वे और रोहन मंगनी की अंगूठियां फ्लॉन्ट करते दिख रहे हैं। रोहन ने घुटनों के बल बैठकर फिल्मी स्टाइल में अंशुला को रिंग पहनाई और इसके बाद दोनों एक-दूजे को चूमते दिखे। अंशुला ने तस्वीरों के साथ अपनी और रोहन की लव स्टोरी शेयर की है।

कैसे हुई पहली मुलाकात और बात

अंशुला ने लिखा है, हमारी मुलाकात एक एप पर हुई थी। मंगलवार को 1.15 बजे अचानक बात करना शुरू किया। हम उस सुबह 6 बजे तक बातें करते रहे और किसी तरह, तब भी, ऐसा लगा कि किसी ऐसी चीज की शुरुआत हो रही है, जो मायने रखती है। तीन साल बाद, मेरे पसंदीदा शहर में, सेंट्रल पार्क में महल के सामने उसने मुझे प्रपोज किया! ठीक 1.15 बजे भारती समय पर। किसी तरह दुनिया ने उस पल को जादू जैसा महसूस करने के लिए बस इतना समय रोका।

2022 से रिलेशनशिप में अंशुला-रोहन

अंशुला ने आगे लिखा है, रोहन का प्यार बस एक शांत तरह का प्यार, जो घर जैसा लगता है। मैं कभी भी परियों की कहानियों में विश्वास करने वाली लड़की नहीं रही... लेकिन रोहन ने मुझे उस दिन, जो दिया वह बेहतर था, क्योंकि यह जानबूझकर किया गया था। सोच-समझकर। उसने प्रपोज किया और मैंने हां कह दिया। आंसू, कांपती हंसी और उस तरह की खुशी के साथ, जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती, क्योंकि 2022 से, यह हमेशा तुम ही हो।

अंशुला ने आगे लिखा है, मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त से सगाई कर रही हूं! मेरा सबसे सुरक्षित ठिकाना। मेरा अपना। मेरा पसंदीदा शख्स, पसंदीदा शहर और अब, मेरा पसंदीदा हां! अंशुला ने आगे लिखा है, हमारी पहली मुलाकात बर्गर के प्यार के ईर्द-गिर्द थी, इसलिए सगाई के बाद पहला मील। अंशुला को फैंस बधाईयां दे रहे हैं।

वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं तारा सुतारिया?

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में दोनों स्टार्स की लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट्स के बाद डेटिंग की खबरें और भी तेज हो गई हैं। हालांकि, इस मामले में तारा और वीर की तरफ से अब तक कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। वीर पहाड़िया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह इटली के एक यॉट पर पोज देते हुए नजर आ रहे थे। उनके पीछे एक बड़ा सा पहाड़ दिखाई दे रहा था। इसके कुछ ही देर बाद तारा सुतारिया ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें पहाड़ और समुद्र का खूबसूरत नज़ारा दिखाई दे रहा था। इन दोनों पोस्ट्स के सामने आने के बाद फैंस कयास लगाने लगे कि तारा और वीर साथ में वेकेशन पर गए हैं।

बता दें, इससे पहले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया ने लैक्मे फैशन वीक के दौरान एक साथ रैंप वॉक किया था। इसके बाद दोनों को एक पॉश रेस्टोरेंट में डिनर करते हुए स्पॉट किया गय। यहीं से दोनों के डेटिंग रूमर्स की शुरुआत हो गई।

बादशाह के साथ भी जुड़ चुका है तारा का नाम

बता दें, रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' के सेट से बादशाह और तारा सुतारिया के बीच डेटिंग की खबरें शुरू हुईं। जब शिल्पा शेट्टी ने मजाकिया अंदाज में तारा सुतारिया का नाम लेकर बादशाह को चिढ़ाया था। इस पर रैपर शर्मा गए, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर कयास लगाए जाने लगे कि तारा और बादशाह एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

2023 में हुआ था तारा और आदर का ब्रेकअप

बता दें, तारा सुतारिया ने पहले एक्टर आदर जैन को डेट किया था। दोनों चार साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। हालांकि, साल 2023 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इसके बाद आदार ने अलेखा आडवाणी के साथ शादी कर ली थी, जो पहले तारा की बेस्ट फ्रेंड थीं।

सारा अली खान को भी डेट कर चुके हैं वीर

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के नाती वीर पहरिया सारा अली खान को डेट कर चुके हैं। 2018 में एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में सारा अली खान ने इस रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। सारा ने इंटरव्यू में कहा था, वह (वीर) इकलौता लड़का है, जिसे मैंने डेट किया है। उनके अलावा मेरी जिंदगी में कोई ब्वॉयफ्रेंड नहीं रहा।

'मेट्रो इन दिनों' ऑफर होने पर चौंक गई थीं कोंकणा

फिल्में चुनने में बेहद सजग और अपनी अलग सोच के लिए पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा जल्द ही अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आ रही हैं। खास बातचीत में कोंकणा ने न सिर्फ इस फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा किए, बल्कि अपने करियर, सोच और निर्देशन के सफर पर भी बेबाकी से बात की।

जब अनुराग का कॉल आया कि वो मेट्रो इन दिनों बना रहे हैं और मुझे उसमें कास्ट करना चाहते हैं, तो मैं चौंक गई। मुझे नहीं पता था कि वो लाइफ इन अ मेट्रो जैसी किसी फिल्म पर दोबारा काम कर रहे हैं। लेकिन जैसे ही उन्होंने स्क्रिप्ट का जिक्र किया तो दिल से बस एक ही बात निकली- हां। इससे पहले मैंने कभी किसी सीक्वल में काम नहीं किया था और वो भी अनुराग दा के साथ? तो ये मेरे लिए किसी तोहफे से कम नहीं था।

17 साल बाद अनुराग बसु के साथ दोबारा काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अनुराग दा के साथ काम करना किसी पुरानी दोस्ती में फिर से लौट जाने जैसा था। ना वो बदले, ना मैं। हां, हमारे जीवन में जरूर बदलाव आए। अब मेरा बेटा 14 साल का हो गया है। लेकिन हमारी सोच, जुड़ाव और काम का तरीका, सब वैसा ही रहा। उनके साथ काम करना हमेशा बहुत सहज होता है।

पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकार के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करना कैसा रहा?

पंकज त्रिपाठी के साथ ये मेरी पहली फिल्म थी, और कहना होगा- वो जितने अच्छे एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी हैं। स्क्रिप्ट में जो ह्यूमर था, उसे वो अपने अंदाज से और भी जिंदा कर देते हैं। उनके साथ काम करते हुए कभी कोई बनावटीपन महसूस नहीं होता। ऐसा लगता है जैसे किसी पुराने दोस्त से बात हो रही हो। उनके अभिनय में जो गहराई और सच्चाई है, वो काबिले-तारीफ है।

आपने स्क्रीन पर हमेशा गंभीर और गहराई से भरे किरदार निभाए हैं। क्या कभी टाइपकास्ट महसूस किया?

कई बार लोगों ने कहा कि मैं सीरियस किरदार ही ज्यादा करती हूं और शायद करियर की शुरुआत में ही मैं टाइपकास्ट भी हो गई थी। लेकिन बेटे के जन्म के बाद जैसे किरदार मिले, वो ज्यादा अधूरे और असली थे। अब मैं ऐसी महिलाओं का रोल करना पसंद करती हूं जो गलतियां करती हैं और कमजोर हैं क्योंकि वो असली हैं।

आपने फिल्में भी डायरेक्ट की हैं। एक महिला डायरेक्टर के तौर पर कैसी चुनौतियों का सामना किया?

डायरेक्शन की बात करूं तो, मुझे कभी किसी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा। शायद इसलिए क्योंकि मैं पहले से एक जानी-पहचानी एक्ट्रेस थी, लेकिन मेरी फिल्म का विषय थोड़ा असहज था। शायद इसी वजह से कुछ लोग उससे पूरी तरह जुड़ नहीं पाए। फिर भी, मैंने वही फिल्म बनाई जो मैं बनाना चाहती थी, बिना किसी समझौते के। हां, मैं मानती हूं कि इस इंडस्ट्री में और भी ज्यादा महिलाओं को आना चाहिए- डायरेक्शन, लेखन, कैमरा, एडिटिंग हर जगह। क्योंकि जब औरतें कहानियां कहती हैं तो उसमें एक नया नजरिया, गहराई और खास किस्म की ताजगी आती है।

मैं इंडिया और हिंदी फिल्मों को बहुत मिस करती हूं

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' और अब हॉलीवुड की सुपरस्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा के दिल की बात एक बार फिर खुलकर सामने आई है। भले ही वो हॉलीवुड में लगातार झंडे गाड़ रही हों, लेकिन उनका दिल अब भी भारत और बॉलीवुड के करीब ही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद स्वीकार किया कि उन्हें बॉलीवुड की बहुत याद आती है और इस साल वो भारत में एक नई फिल्म की शूटिंग भी शुरू करेंगी।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी हालिया हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रमोशन के दौरान जब भारतीय मीडिया से बात की, तो उन्होंने खुलकर अपनी बात कही। प्रियंका ने बातचीत करते हुए कहा, 'मैं हिंदी सिनेमा को बहुत मिस करती हूं और भारत को भी।' इस बयान ने उनके चाहने वालों के दिलों में उम्मीद जगा दी है कि वो जल्द बड़े पर्दे पर एक बार फिर देसी अंदाज में नजर आएंगी।

एस एस राजामौली की फिल्म से होगी वापसी

प्रियंका भारत में जिन प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्साहित हैं, उनमें सबसे बड़ा नाम निर्देशक एस.एस. राजामौली की आगामी फिल्म SSMB29 का है। इस मेगा बजट फिल्म में उनके साथ साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे नजर आएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक माइथोलॉजिकल थ्रिलर होगी, जिसकी शूटिंग इस साल की शुरुआत में ओडिशा में शुरू भी हो चुकी है।

जी ले जरा में भी करेंगी धमाल?

इसके अलावा, प्रियंका फरहान अख्तर की मच अवेटेड फिल्म 'जी ले जरा' में भी नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ को भी कास्ट किया गया है। हालांकि फिल्म की शूटिंग डेट्स को लेकर काफी उथल-पुथल चल रही है, लेकिन मेकर्स अब भी इस प्रोजेक्ट को लेकर आशावान हैं।

रामायण करने से किया इनकार

प्रियंका को नितेश तिवारी की भव्य फिल्म रामायण के लिए भी अप्रोच किया गया था। लेकिन खबरों के मुताबिक, उन्होंने इस प्रोजेक्ट को मना कर दिया क्योंकि उनके पास पहले से इंटरनेशनल कमिटमेंट्स हैं। इससे साफ है कि प्रियंका फिलहाल अपने शेड्यूल को संतुलित रखते हुए बॉलीवुड में वापसी की योजना बना रही हैं।

फैंस में जगी उम्मीद

प्रियंका के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई है। 'देसी गर्ल' को फिर से भारतीय पर्दे पर देखने की उम्मीदें अब और प्रबल हो गई हैं। बता दें प्रियंका चोपड़ा आज ग्लोबल लेवल पर एक बड़ा नाम बन चुकी हैं, लेकिन उनका दिल आज भी भारत में ही बसता है। उनके बयान से साफ है कि वो अपने रूट्स को नहीं भूलीं और जल्द ही हिंदी सिनेमा में अपनी वापसी से एक बार फिर तहलका मचाने को तैयार हैं।

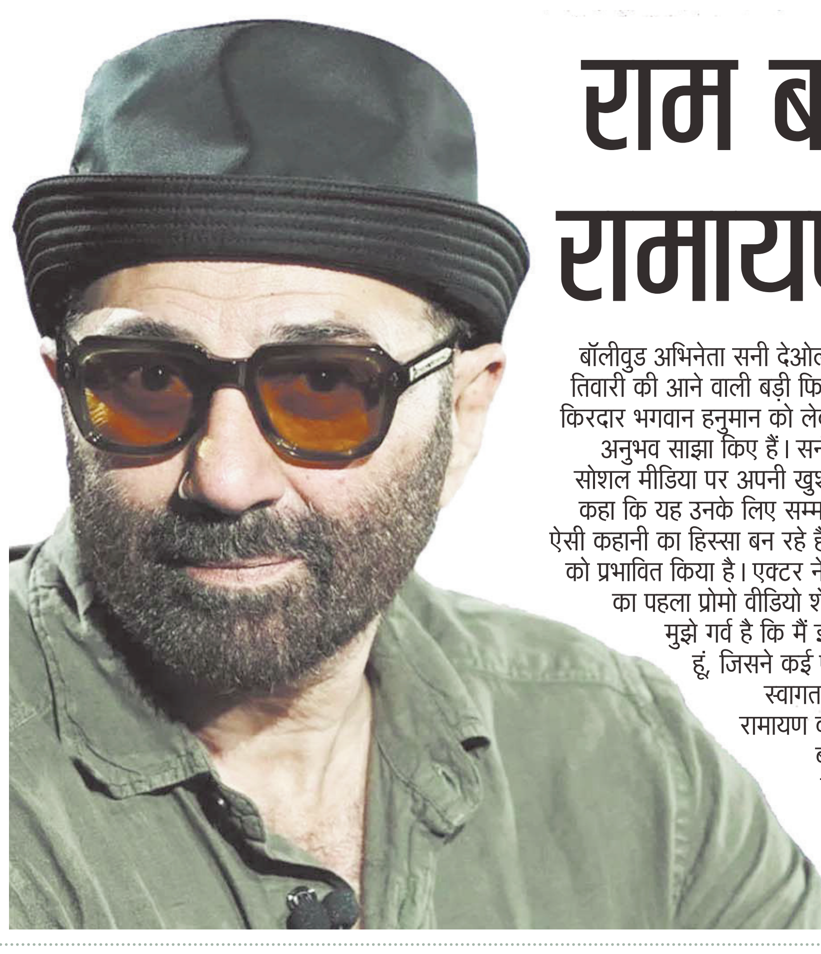

राम बनाम रावण की अमर कहानी रामायण का हिस्सा बनने पर गर्व है

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने डायरेक्टर नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म रामायण में अपने किरदार भगवान हनुमान को लेकर अपने विचार और अनुभव साझा किए हैं। सनी ने फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मुझे गर्व है कि मैं इस कहानी का हिस्सा हूं, जिसने कई पीढ़ियों को बनाया है। स्वागत है नमित मल्होत्रा की रामायण की दुनिया में, जो राम बनाम रावण की अमर कहानी है। मैं आभारी हूं कि मुझे इस रास्ते पर चलने और आप सबके साथ इसे साझा करने का मौका मिला।

उन्होंने लिखा, आइए इस खास पल को मिलकर मनाएं और साथ में वर्ल्ड ऑफ रामायणा की दुनिया में कदम रखें। यह हमारी सच्चाई है। हमारा इतिहास है। बता दें कि गुरुवार को मेकर्स ने रामायण का प्रोमो वीडियो शेयर किया, जिसमें रावण के अवतार में केजीएफ फेम सुपरस्टार यश की झलक देखने को मिली। वीडियो की शुरुआत भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव के शक्तिशाली चित्रण से होती है, जो पूरे ब्रह्मांड को चलाते हैं। फिर एनिमेशन के जरिए मुख्य पात्रों को दिखाया जाता है -भगवान श्रीराम के रूप में रणबीर कपूर, माता सीता के किरदार में साई पल्लवी और रावण की भूमिका में यश।

इस प्रोमो वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, दस साल की मेहनत और लगन के बाद, हमने दुनिया के सामने सबसे महान महाकाव्य रामायण को लाने का सपना पूरा किया है। इस फिल्म को बनाने में दुनिया के बेहतरीन लोगों ने मिलकर काम किया है, ताकि रामायण को आदर और सम्मान के साथ दिखाया जा सके। आपका स्वागत हैज आइए मिलकर राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं। फिल्म में लक्ष्मण का रोल रवि दुबे निभा रहे हैं और सनी देओल भगवान हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा के रोल में हैं। काजल अग्रवाल मंदोदरी और लारा दत्ता कैकई की भूमिका निभाएंगी। अरुण गोविल इसमें राजा दशरथ बने हैं।

फिल्म सिर्फ एक भाग में नहीं, बल्कि दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला भाग दिवाली 2026 में आएगा और दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा। रामायण को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और आठ बार ऑस्कर जीत चुके वीएफएक्स स्टूडियो डीएनईजी प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में रावण का किरदार निभाने के साथ-साथ यश सह-निर्माता भी हैं। फिल्म करीब 835 करोड़ रुपए के बजट से तैयार हुई है, जिससे यह अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म मानी जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी बेसब्री से इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

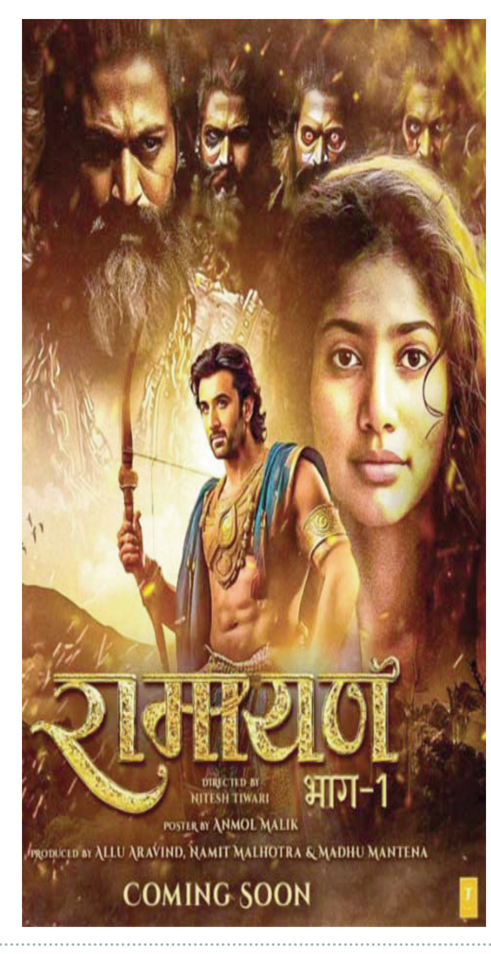

भारत की इंग्लैंड पर दूसरे टेस्ट में शानदार जीत के दौरान बने 7 अविश्वसनीय रिकॉर्ड्स

बर्मिंघम (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट में भारत ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीरीज 1-1 से बराबर की। भारत ने एजबेस्टन टेस्ट की पहली इनिंग में गिल के दोहरे शतक (269) की बदौलत 587 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद सिराज के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 407 पर ढेर कर 180 रन की बढ़त बनाई।

दूसरी इनिंग में गिल (161) ने एक बार फिर बड़ी पारी जिससे टीम ने 427/6 का स्कोर बनाते हुए इंग्लैंड के सामने 608 रन का लक्ष्य रखा। एक बार फिर गेंदबाजों ने शुरू से ही दबाव की रणनीति अपनाई और इस बार आकाश दीप के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 271 रन पर ढेर कर 336 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में एक-दो नहीं, बल्कि 7 अविश्वसनीय रिकॉर्ड्स बने हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में -

1. युवा भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल महज 23 साल और 188 दिन की उम्र में 2000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। सचिन तेंदुलकर (20 साल, 330 दिन) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय बन गए हैं। अब वह भारत के लिए 2000 रन बनाने वाले सबसे युवा ओपनर हैं और विश्व में ऐसा करने वाले दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (23 साल, 58 दिन) के बाद दूसरे सबसे युवा ओपनर हैं।

2. ऋषभ पंत घर से बाहर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 24 छक्के लगाए हैं।

3. इंग्लैंड ने दो 150+ स्कोर के साथ सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड बनाया है। एजबेस्टन में तीसरे दिन इंग्लैंड ने 407 रन बनाए जिसमें जेमी स्मिथ के 184* और हैरी ब्रूक के 158 रन थे। हालांकि इस दौरान इंग्लैंड ने पहली पारी में 6 डक भी हुए जो 407 के सबसे कम ऑल-आउट स्कोर का प्रमाण बना।

4. इंग्लैंड के कप्तान ने बेन स्टोक्स बल्ले से अब तक दमदार श्रृंखला खेली है और पहली पारी में गोल्डन डक पर आउट हुए। यह क्रीज पर अपने 201 टेस्ट मैचों में पहली बार हुआ। केवल राहुल द्रविड़ (286) और डेविड गॉवर (204) ही अपने पहले गोल्डन डक से पहले लंबे समय तक रन बना पाए थे। स्टोक्स पहली पारी में मोहम्मद सिराज की पहली गेंद पर पंत के हाथों कैच आउट हुए थे।

5. भारत के 1849 रन किसी भी टीम द्वारा सीरीज के पहले दो टेस्ट में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत की तिकड़ी शानदार फॉर्म में है और इसी का परिणाम यह रिकॉर्ड है।

6. भारत ने बर्मिंघम में 1014 रन के साथ एक टेस्ट मैच में अपना सर्वोच्च टीम स्कोर बनाया है। आश्चर्यजनक रूप से भारतीय कप्तान गिल ने रिकॉर्ड तोड़ पारी खेली जिसमें उन्होंने अपने देश के लिए 1014 रनों में से 430 रन बनाए, जिससे एजबेस्टन की

भीड़ प्रशंसा में ताली बजाने पर मजबूर हो गई।

7. शोएब बशीर ने टेस्ट में किसी अंग्रेज गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक 286 रन दिए हैं। बशीर के लिए यह एक और कठिन टेस्ट रहा जिसमें ऑफ स्पिनर ने 5/286 के मैच के आंकड़ों के साथ भारत की स्टार पावर को रोकने के लिए संघर्ष किया। उनके महंगे आंकड़े टेस्ट मैच में किसी अंग्रेज गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे अधिक रनों से केवल चार रन कम थे।

पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र के साथ नई शुरूआत करेंगे, 2025-26 सत्र से पहले टीम से जुड़े

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज और मुंबई के पूर्व खिलाड़ी पृथ्वी शॉ आगामी घरेलू सत्र के लिए सोमवार को महाराष्ट्र की टीम के साथ जुड़ गए। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने इसकी घोषणा की। शॉ ने किसी और राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए पिछले महीने मुंबई क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (ह्ल्ह्र) की मांग की थी, जिस पर उसकी संचालन समिति ने मुहर लगा दी थी।

शॉ को खराब फिटनेस और अनुशासन संबंधी मुद्दों के कारण मुंबई की लाल गेंद टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने मुंबई के लिए अपना पिछला मैच मध्य प्रदेश के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आधिकारिक तौर पर मुंबई क्रिकेट संघ से अलग हो गए हैं और वह आगामी घरेलू सत्र में महाराष्ट्र क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'इस रणनीतिक बदलाव को भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में देखा जा रहा है, जिससे महाराष्ट्र की टीम और मजबूत होगी। शॉ ने टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और मैच जीतने की क्षमता से इंडियन प्रीमियर लीग और घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावित किया है।'

शॉ ने कहा कि यह कदम उन्हें क्रिकेटर के तौर पर आगे बढ़ने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि करियर के इस पड़ाव पर महाराष्ट्र की टीम से जुड़ने से मुझे क्रिकेटर के तौर पर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। मैं पिछले कुछ वर्षों में मुंबई क्रिकेट संघ की तरफ से मिले मौके और समर्थन के लिए आभारी रहूंगा।'

महाराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहित पवार ने कहा, 'उनके शामिल होने से रुतुराज गायकवाड़, अंकित बावने, राहुल त्रिपाठी, मुकेश चौधरी और रजनीश गुरबानी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों वाली पहले से ही प्रतिभाशाली टीम की मजबूती और बढ़ेगी। शॉ का अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल अनुभव खासकर टीम में युवा खिलाड़ियों को सलाह देने के लिए अमूल्य होगा।'

सचिन ने नये कप्तान शुभमन को पहली जीत पर बधाई दी

-आकाशदीप की विशेष रुप से सराहना की

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल को उनकी पहली जीत के लिए बधाई दी है। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 336 रनों की रिकार्ड जीत दर्ज की है। सचिन ने इस मैच में 10 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह की भी जमकर प्रशंसा की है। वहीं शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक और दूसरी पारी में शतक लगाया था। सचिन ने इस मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभमन के अलावा अक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, केएल राहुल और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को भी सराहा। इसके अलावा मोहम्मद सिराज को शानदार कैच के लिए विशेष बधाई दी। सिराज ने मेजबान बल्लेबाज जोश टंग का बेहद कठिन कैच लिया था। उन्होंने लिखा,÷ शुभमन भारतीय टीम को शानदार टेस्ट जीत दिलाने के लिए बधाई हो। उन्होंने इसके साथ ही ऋषभ पंत, राहुल, और जडेजा की भी तारीफ की। ÷तेंदुलकर ने साथ ही कहा,÷ गेंदबाजों ने जिस तरीके से सटीक गेंदबाजी की, वह मुझे सबसे अच्छी लगी। आकाश दीप ने अपने प्रदर्शन से जीत जीत लिया। मेरे अनुसार उन्होंने जो रूट को सीरीज की अब तक की सबसे अच्छी गेंद की थी। इस मैच में सिराज ने वह कमाल सिराज ने पहली पारी में छह विकेट लिए जबकि आकाश दीप ने पहली पारी में चार जबकि दूसरी पारी में छह विकेट लिए।

डीपीएल नीलामी में दिग्वेश राठी पर लगी भारी भरकम बोली, आईपीएल 2025 से ज्यादा मिलेंगे पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क ¬मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी को दिल्ली प्रीमियर लीग में भारी भरकम कीमत पर खरीदा गया है। हैरानी की बात यह है कि उन्हें DPL में इंडियन प्रीमिर लीग 2025 से ज्यादा पैसे मिलेंगे। दिग्वेश को IPL में 30 लाख रुपए में खरीदा गया था जबकि DPL में उन पर 38 लाख रुपए की बोली लगी जिससे जोकि दूसरी सबसे ऊंची बोली थी।

दिग्वेश ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा है। उन्हें खरीदने का मुख्य कारण IPL में उनकी सफलता है। IPL 2025 में लखनऊ सुपर जाइंट्स (LSG) के लिए खेलते हुए दिग्वेश ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 14 विकेट अपने नाम किए

और यही नीलामी में उनकी भारी भरकम बोली की एक बड़ी वजह रही। दिग्वेश ने IPL 2025 में 13 मैचों में 52 ओवर डाले। इस दौरान उन्होंने 429 रन लुटाते हुए 30/2 के साथ 8.25 की इकोनॉमी से 14 विकेट चटकाए।

राठी DPL 2024 में भी खेल चुके हैं। उन्होंने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते 10 मैचों में 7.82 की इकॉनमी रेट और 21.71 की गेंदबाजी औसत के साथ 14 विकेट लिए जो टूर्नामेंट में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले और स्पिनरों में दूसरे स्थान पर रहे। विशेष रूप से उन्होंने एक उच्च स्कोरिंग मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को नियंत्रण में रखा, जिसमें अतिरिक्त उछाल निकालने और रन फ्लो को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता का पता चलता है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह DPL 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज को 39 लाख रुपए में साइन किया। ऋषभ पंत को पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर नीलामी से पहले उन्हें अपने मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा था। इसके अलावा भारत के धमाकेदार ओपनर बल्लेबाज और पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा।

अगले माह खेला जाएगा सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट

नई दिल्ली । सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट अगले माह 5 से 16 अगस्त तक अमेरिका में खेला जाएगा। इसमें दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही भारत के हरभजन सिंह और कुछ अन्य क्रिकेटर भी शामिल होंगे। इस टूर्नामेंट में हरभजन के अलावा शिखर धवन व रॉबिन उथप्पा भी खेलेंगे। इन सभी पूर्व क्रिकेटरों ने कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने का अवसर मिलने से वह उत्साहित हैं। हरभजन ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह एक अनूठा और विशिष्ट प्रारूप है जो खेल में नयापन लाने का वादा करता है। अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाएगा। लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वहींधवन ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में शामिल होना बढ़ते क्रिकेट समुदाय में प्रशंसकों से जुड़ने का एक अच्छा अवसर है। अंतरराष्ट्रीय सितारों और एक नए आकर्षक प्रारूप के साथ इस आयोजन से अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा में लाने की राह बनेगी।

अब केरल क्रिकेट लीग में खेलते नजर आयेंगे सैमसन

तिरुवनंतपुरम । भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते हुए नजर आयेंगे। सैमसन को कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने उन्हें 26.60 लाख रुपये में शामिल

किया है। इससे सैमसन अब इस लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। तीन लाख आधार मूल्य वाले सैमसन को कोच्चि ने सबसे अधिक रकम देकर जोड़ा है। कोच्चि ब्लू टाइगर्स के पास कुल 50 लाख की राशि थी जिसमें उसे उसने आधी सैमसन पर ही लगा दी। पिछले साल सैमसन को केरल क्रिकेट लीग का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया था पर अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में व्यस्त रहने के कारण ही वह इस सत्र में कोई मैच नहीं खेल पाये थे। वहीं विष्णु विनोद को एरीज कोल्लम ने विष्णु विनोद को 13.8 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर जलज सक्सेना को एलेप्पी रिपल्स ने 12.4 लाख रुपये में खरीदा। सैमसन ने अंतिम बार आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेला था। 18वें सत्र में फिटनेस कारणों से वह कई मुकाबले में नहीं खेल पाये थे। ऐसे में रियान पराग को राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी दी गयी थी।

भारतीय टीम हर क्षेत्र में बेहतर रही, आकाशदीप ने अंतर पैदा किया : स्टोक्स

बर्मिंघम (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने माना है कि भारतीय टीम हर क्षेत्र में उनसे बेहतर रही और इसी कारण उसे बड़ी जीत मिली है। स्टोक्स ने कहा कि तेज गेंदबाज आकाशदीप ने अपने आसाधारण प्रदर्शन से मैच में अंतर पैदा किया। आकाशदीप ने इस मैच में कुल 10 विकेट लेकर मेजबान टीम की कमर तोड़ दी। पांच मैच की सीरीज अब 1-1 से बराबर है और तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

स्टोक्स ने कहा, ''मुझे लगता है कि आकाशदीप ने पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका उपयोग करने की

उसकी क्षमता अद्भुत है और इसके बाद भी वह सटीक है। वह उस दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज सुबह हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुआ उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था।'' उन्होंने कहा, ''जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी। आकाश ने जिस तरह से क्रीज पर कोण बदलते हुए गेंदबाजी की। उससे पता चलता है कि वह विश्व स्तरीय कौशल वाला गेंदबाज है।''

साथ ही कहा कि उनी टीम ड्रॉ में विश्वास नहीं करती पर माना कि इस मैच में लक्ष्य असंभव था। उन्होंने कहा, ''300 या इससे अधिक रन से हारना वास्तव में बहुत बड़ा अंतर है। जब हम बल्लेबाजी करने उतरे तो हमें पता था कि हमारे सामने क्या चुनौती है। वहीं पहले तीन विकेट और आज सुबह दो क्रिकेट जल्दी खोने से सब कुछ बदल गया।''

अब फिल्मों में नजर आयेंगे रैना

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के अनुभवी खिलाड़ी सुरेश रैना अब फिल्मों में डेब्यू करने जा रहे हैं। खेल के मैदान पर अपनी चमक बिखेरने के बाद अब रैना अब तमिल फिल्म में नजर आयेंगे। रैना तमिल फिल्म इंडस्ट्री में ड्रीम नाइट स्टोरीज के बैनर तले बनने वाली एक फिल्म से सिल्वर स्क्रीन पर दिखेंगे।

अनुमान है कि ये फिल्म क्रिकेट को लेकर है। इसको लेकर आये एक वीडियो में रैना को क्रिकेट स्टेडियम में प्रवेश करते हुए देखा जा सकता है, जहां प्रशंसक उनका जोश के साथ स्वागत कर रहे हैं। टीजर को शेयर करते हुए प्रोडक्शन टीम ने लिखा, चिन्ना थाला सुरेश रैना का स्वागत है।卐 गौरतलब है कि रैना को उनके प्रशंसक प्यार से 'चिन्ना थाला' कहते हैं, और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए उनके योगदान की वजह से तमिलनाडु में उनकी जबरदस्त मांग है। इस फिल्क का टाइटल अभी तक सामने नहीं आया है पर टीजर को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये फिल्म क्रिकेट पर आधारित हो सकती है। फिल्म का निर्देशन लोगन कर रहे हैं और इसे श्रवण कुमार डीकेएस बैनर के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं।रैना के फिल्म में आने की जानकारी से प्रशंसक बेहद खुश हैं। सोशल मीडिया पर लोग रैना को कॉलीवुड में वेलकम कर रहे हैं।

विराट ने भारतीय टीम की जीत का श्रेय शुभमन, सिराज और आकाशदीप को दिया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली 336 रनों की रिकार्ड जीत पर खुशी जताते हुए इसका श्रेय शुभमन गिल के अलावा मोहम्मद सिराज और आकाशदीप सिंह को दिया है। कोहली ने सोशल मीडिया में लिखा, 卐एजबेस्टन में भारत की शानदार जीत। निडरता से खेले और इंग्लैंड पर लगातार दबाव बनाये रखा। शुभमन ने बल्ले और फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन किया और सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सिराज और आकाश ने इस पिच पर जिस तरह की गेंदबाजी की, उसके लिए वह प्रशंसा के पात्र हैं।卐 वहीं शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बनाकर इंग्लैंड को कोई अवसर नहीं दिया। शुभमन इसी के साथ ही एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं। वहीं सिराज ने पहली पारी में 6 विकेट लिए। आकाशदीप पहली पारी में 5 विकेट हॉल से एक कदम विकेट से ही दूर थे पर उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर कमी पूरी कर दी। आकाशदीप को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने शुभमन के दोहरे से 587 रन बोर्ड पर लगाए थे, जिसके बाद मेजबान टीम इंग्लैंड 407 रन ही बना पायी जिससे भारतीय टीम को अच्छी खासी बढ़त मिल गयी थी। जिसका लाभ उठाकर उसने दूसरी पारी में 427 रन बनाकर मेजबान टीम को 608 रनों को बेहद कठिन लक्ष्य दिया था।

खेल नीति में बदलाव से भारतीय फुटबॉल को मिलेंगी नई प्रतिभाएं : एआईएफएफ प्रमुख

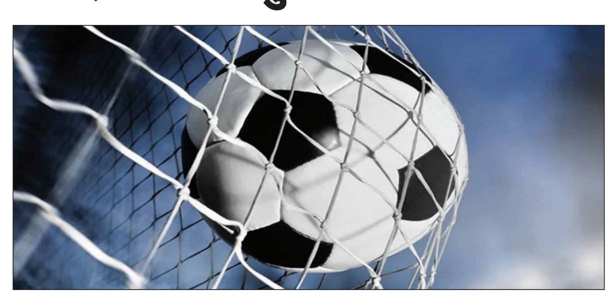

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल संध (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे ने विदेशों मे रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने की अनुमति दिये जाने को एक सही कदम बताया है। चौबे ने कहा कि इससे भारतीय फुटबॉल टीम को लाभ होगा और उसे अच्छी प्रतिभाएं मिलेंगी। उन्होंने इसकी राह में आने वाली बाधाओं को भी दूर किये जाने की जरुरत बतायी है। गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय खेल नीति को एक जुलाई को कैबिनेट की मंजूरी मिल गयी थी। इसके अब विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों के पास देश से खेलने का अवसर हैं। वहीं अब तक केवल भारतीय पासपोर्ट रखने वाले खिलाड़ी ही देश का प्रतिनिधित्व कर सकते थे। चौबे ने कहा, ''जब राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन की बात आती है तो खेल नीति में प्रवासी प्रतिभाओं तक अब हमारी पहुंच बनेगी। मुझे खुशी है कि नीति में इसका संदर्भ शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''यह सकारात्मक बयान है। एआईएफएफ फीफा और सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखेगा।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को टीम से जोड़ने की मांग उठी है। साथ ही कहा कि मलेशिया, हांगकांग, सहित कई देशों ने अपनी टीमों में दोहरी नागरिकता वाले खिलाड़ियों को शामिल किया है।'' वहीं साल 2008 में प्रवासियों को देश का प्रतिनिधित्व करने से रोक दिया गया था जिससे देश को मिलने वाली कई प्रतिभाएं उससे जुड़ नहीं पायीं। खेलो भारत नीति में कहा गया है कि खेल भारतीय प्रवासियों और देश के बीच संबंध बेहतर बनाने का जरिया बन सकता है।

44 साल के हुए धोनी : 'थाला' के शानदार करियर, उपलब्धियों और रिकॉर्ड्स पर डालें नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'थाला', कैप्टन कूल नाम से जाने जाते महान विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी सोमवार को 44 साल के हो गए है। हाल ही में आईसीसी हॉल ऑफ फेमर में शामिल होने धोनी अपने शांत स्वभाव और अपनी सामरिक उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, ने 2004 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण से लेकर अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपने करियर के इन आखिरी कुछ वर्षों के दौरान अपनी अलग छाप छोड़ी है।

भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 आउट और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैचों के साथ धोनी न केवल दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि एक क्रांतिकारी भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट के अलावा, वे पहले विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक थे जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि विकेटकीपर वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे समय में जब विकेटकीपर से कैचिंग और स्टंपिंग की न्यूनतम आवश्यकता होती थी, धोनी ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी दिग्गज की निरंतरता और भूख के साथ रन बनाते हुए सीमा को और आगे बढ़ाया। उन्होंने युवराज सिंह और सुरेश रैना के साथ एक मजबूत मध्य-क्रम बनाया।

वनडे क्रिकेट

धोनी का सबसे मजबूत प्रारूप वनडे है। उन्होंने 350 वनडे में 50.57 की औसत से 10,773 रन बनाए। उन्होंने भारत के लिए 10 शतक और 73 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183* रहा। वे वनडे में भारत के छठे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं (सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ शीर्ष पर हैं)। तथ्य यह है कि वे निचले क्रम में आते हुए 50 से ज़्यादा की औसत से 10,000 से ज़्यादा रन बनाने में सफल रहे जिससे उनके आंकड़े और भी आश्चर्यजनक हो जाते हैं। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत का नेतृत्व किया जिसमें 110 जीते और 74 हारे, पांच मैच बराबर रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 है। धोनी ने कप्तान के तौर पर भारत के लिए ICC क्रिकेट विश्व कप 2011 और ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जीती है।

टी20 क्रिकेट

चेन्नई सुपर किंग्स के 'थाला' (नेता) के रूप में मशहूर धोनी ने भारत के लिए 98 टी20आई खेले जिसमें उन्होंने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने इस प्रारूप में दो अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रहा है। वे भारत की आईसीसी टी20 विश्व विजेता 2007 विजेता टीम के विजयी कप्तान थे। 'माही' ने 72 टी20आई में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें 41 जीते, 28 हारे, एक टाई रहा और दो असफल रहे। उनकी जीत का प्रतिशत 56.94 है।

टेस्ट क्रिकेट

क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप टेस्ट के करियर की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ वह सभी युगों में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं।

टेस्ट रैंकिंग में भारत को बनाया नंबर 1

धोनी ने टीम इंडिया को ICC टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाया। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को वाइटवॉश करने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं, उन्होंने ऐसा 2010-11 और 2012-13 सीरीज में किया था। धोनी फ्रैंचाइजी क्रिकेट में भी उतने ही प्रतिष्ठित हैं, जो आईपीएल इतिहास में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 278 मैचों में 38.30 की औसत से 5,439 रन बनाए हैं जिसमें 24 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका स्ट्राइक रेट 137 से अधिक है।

5 आईपीएल और दो चैंपियंस लीग टी20 खिताब

उन्होंने ह्रस्य के साथ 5 आईपीएल खिताब

और दो चैंपियंस लीग टी20 खिताब हासिल किए हैं जिससे यह फ्रैंचाइज़ी खेल की दुनिया में सबसे लोकप्रिय संस्थाओं में से एक बन गई है, जो काफी हद तक उनके अपने ब्रांड और नाम के आधार पर है। जब बल्लेबाजी के दिग्गज बल्लेबाजी के संभावित मौके के लिए तैयार होकर अपने ड्रेसिंग रूम के अंदर भी दिखाई देते हैं, तो भीड़ उनका अनुसरण करती है और विभिन्न फैन क्लब एक साथ 'धोनी' 'धोनी' का नारा लगाते हैं। जब धोनी 2004 में राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए तो किसी ने भी कल्पना नहीं की थी कि 23 वर्षीय यह खिलाड़ी विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में किन ऊंचाइयों को हासिल करेगा।